हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

15 मार्च, 2000

खण्ड–1, अंक–7

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार 15 मार्च, 2000

पृश्ठ संख्या

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव पंचायत चुनावो के लिए अध्यापको को प्रतिनियुक्त करने संबंधी	(7)1
वकतव्यः– ि ाक्षा राज्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण संबंधी	(7)1
उपाध्यक्ष के चुनाव संबंधी घोशणा	(7)4
नियम 30 के अधीन प्रस्ताव	(7)4
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव/गैर सरकारी संकल्प की सूचनाएं	(7)5
वर्श 2000–2001 के बजट पर सामानय चर्चा	(7)6
वाक–आउट	(7)36
वर्श 2000–2001 के बजट पर सामानय चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)36
वैयक्तिक स्पश्टीकरण–	

श्री बलबीर पाल भााह द्वारा	(7)46
वर्श 2000–2001 के बजट पर सामानय चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)47
भाोक प्रस्ताव	(7)73
वर्श 2000–2001 के बजट पर सामानय चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)74
वाक आउटस	(7)81
वर्श 2000–2001 के बजट पर सामानय चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)81
उपाध्यक्ष का चुनाव	(7)89
वर्श 2000–2001 के बजट पर अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान	(7)92

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 15 मार्च, 2000

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a calling attention notice given by Sh. Karan Singh Dalal regarding deputing the teachers for Panchayat Elections. I admit it. Sh. Karan singh Dalal may read his notice.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि पंचायत चुनावो मे ि ाक्षण अमले की चुनाव में डयूटी लगाने के कारण हरियाणा राजय के विद्यालयो तथा महाविद्यालयो के विधार्थियो की पढाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है तथा बच्चो की परीक्षाएं भी प्रभावित होने की संभावना है।

इसलिए, मै सरकार से निवेदन करता हूं कि वह सदन मे इस संबंधी मे एक वकतव्य देकर अपनी स्थिती स्पश्ट करें।

वकतव्य–

ि ाक्षा राज्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण संबंधी

Mr. Speaker: Now, the Minister of State for Education may make a statement.

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री बहादुरग सिंह): इस बारे में निवेदन है कि माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदे ा दिनांक 27–12–1999 एवं आदे ा दिनांक 21–2–2000 को प्रका ा मे आई 2000 की वि ोश राहत याचिका कमांक 1598–1599 एवं 2000 की वि ोश राहत याचिका कमांक 1929–30, 1717–18 एवं 1705–06 द्वारा निर्दे ा दिये गये थे कि राज्य सरकार तथा राजय चुनाव आयोग ग्राम पंचायत, ग्राम समितियो, जिला परिशदों एवं नगर पालिकाओ आदि के चुनाव फरवरी, 2000 के अंत कर करवायें। राज्य सरकार ने माननीय उच्चतम न्यायालय मे 2000 की 72–73 एवं 2000 की 774–79 सिविल अपील दायर करते हुये इस उद्दे य से प्रार्थना की थी कि विधान सभा भंग होने के कारण जो चुनाव की प्रकिया आरम्भ हो चुकी थी और जिसके लिये चुनाव की तिथि 22 फरवरी 2000 नि ि चत की जा चुकी थी, माननीय उच्च न्यायालय के निर्दे ाानुसार राज्य सरकार एवं राज्य निर्वाचन आयोग इस उद्दे य के लिये और अधिक समय दिये जाने की आव यकता थी। संबंधित पक्षो को सुनने के प चात् उच्चतम न्यायालय ने यह निर्दे ा दिये कि राज्य सरकार तथा राज्य चुनाव आयोग द्वारा जहां–जहां भी चुनाव करवाये जाने हो वहां पर ग्राम पंचायत आदि के चुनाव 31 मार्च, 2000 को या इससे पूर्व करवाये जायें। उक्त आदे ा में माननीय उच्चतम न्यायाल ने यह निर्दे ा भी दिये थे

कि राज्य एवं चुनाव आयोग नगर परिशद आदि के चुनाव भी करवायें और जहां–जहां चुनाव करवाये जाने आव यक हो, वहां पर चुनाव प्रकिया 07 अप्रैल, 2000 तक पूर्ण कर ली जाये। हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 धारा 161 के तहत ऐसे चुनाव कराये जाने का निरीक्षण, निर्दे ान तथा नियन्त्रण राज निर्वाचन आयोग के पास है। हरियाणा पंचायती राज अधिनियम आयोग द्वारा व्यवस्था मे उच्चतम न्यायालय के आदे ाानुसार राज्य सरकार एवं राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव से संबंधित सभी आव यक तैयारियां नोटिस आदि जारी करना और तदानुसार चुनाव करवाना आव यक था ताकि दिनांक 31–3–2000 तक पंचायत समितियो आदि के चुनाव सम्पन्न करवाये जा सके तथा दिनांक 07–04–2000 तक नगरपालिकाओ के चुनाव सम्पन्न करवाये जा सके।

हरियाणा पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 169 मे निम्नलिखित प्रावधान हैः–

धारा 169: राज्य सरकार ग्राम पंचायत, पंचायत समिति तथा जिला परिशद के चुनाव हेतु राज्य चुनाव आयोग को आव यकतानुसार मतदान सूची तैयार करने एवं चुनाव संबंधी अन्य कार्यो के लिये कर्मचारी उपलब्ध करवायेगी।

इसी अधीनियम की धारा 179 के अनुसार राज्य सरकार राज्य चुनाव आयोग को उतने कर्मचारी उपलब्ध करवायेगी जितने आयोग को चुनाव संबंधी कार्यो के लिये चाहिये। हर कर्मचारी उन निर्दे ाो का पालन करेगा जो उससे आयोग या आयोग द्वारा अधिकृत किसी अधिकारी द्वारा दिये जायेंगे।

उपरोक्त व्यवस्थाओ के अन्तर्गत यह राज्य सरकार का संवैधानिक दायित्व है कि वह राज्य चुनाव आयोग की इसकी आव यकतानुार सभी सहायता दे। राज्य सरकार को 12 मार्च तथा 16 मार्च को करवाये जाने वाले पंचायत चुनावो के लिये कर्मचारी लगाने हेतु सभी तरह की आव यकताये पूरी करनी थी।

विधानसभा एवं लोक सभा चुनावो मे अध्यापको सहित राज्य सरकार के कर्मचारियो की चुनाव डयूटी हमे ाा लगाई जाती है। उपरोक्त अधिनियम की धारा 185 के अन्तर्गत प्रावधान है कि इस उद्दे य के लिये नियुक्त किये गये कर्मचारी को बिना उचित कारण के अपनी आफि ायल डयूटी को निभाने का दोशी पाया गया तो इस दोश के लिये सजा के रुप में जुर्माना लगाया जायेगा जो कि 2000 रुपये तक हो सकता है। जिला चुनाव अधिकारियो/राज्य चुनाव आयोग की आव यकतानुार राज्य ि ाक्षा विभाग को चुनाव डयूटी करने के लिये विद्यालयो/महाविद्यालयो के अध्यापको के नाम भेजने पडते है।

यह भी उल्लेखनीय है कि विद्यालय की आंतरिक परीक्षायें तथा बोर्ड की परीक्षायें पहले ही भाुरु हो चुकी है और अध्यापन कार्य नही हो रहा है। महाविद्यालयो में वार्शिक परीक्षाएं अप्रैल के प्रथम सप्ताह में आरम्भ होंगी और वहां तीन सप्ताह की परीक्षा तैयारी की छुटटीयां चल रही है और कक्षा अध्यापन का कार्य नही है। इस प्रकार पंचायत चुनावो के कारण विधार्थियो की पढाई पर कोई कुप्रभाव नही पड रहा है। पंचायत चुनाव 12 तथा 16 मार्च को नि चत होने के कारण बोर्ड की परीक्षायें जो पहले 11 मार्च, 15 मार्च और 16 मार्च को निर्धारित थी उन्हे पुनः निर्धारित किया गया है। आंतरिक परीक्षायें भी इसी के अनुसार पुनः निर्धारित की गई है।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप इस बारे में दो प्र न पूछ सकते है।

श्री कर्ण सिंह दलालः ठीक है सर। अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो वकतव्य दिया उसे इसलिए संतोशजनक नही माना जा सकता है क्योंकि राज्य सरकार को पहले से ही इस बारे मे मालूम था। पंचायतो के चुनाव पहले भी करवाए जा सकते थे लेकिन इसके पीछे इनका यह ध्येय था कि कहीं इन चुनावो को पहले करवाने से विधान सभा के चुनाव पर असर न पडे। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में सरकार की तरफ से गलत दलीले दी गई, इसके लिए सरकार को सख्त फटकार लगी।

वित्त मंत्री (श्री सम्पत सिंह): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरा आपके माध्यम से इनको कहना है कि ये विशय तक सीमित रहे। इन्होने अध्यापको की पंचायत इलैक ान मे डयूटी के बारे में कालॅ अटैं ान मो ान दी थी। इसमें फलाने को फटकार लगी। यह नही था। कोर्ट अंतिम निर्णय दे चुका है। कोर्ट मे अपनी बात को लेकर हर आदमी जा सकता है। हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक गवर्नमैंट गई। सुप्रीम कोर्ट ने जो हुक्म दिया, उसको हमने माना है। अब ये अपने प्र न से बाहर जाकर बात कहें यह ठीक नही है। इन्होने जो कालॅ अटैं ान मो ान दी है, उससे संबंधित प्र न ही पूछें।

श्री अध्यक्ष: कर्ण सिंह जी, किसको फटकार लगी किसको नही इस बात को छोडकर आप अपना प्र न पूछें।

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से ि ाक्षा मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि इन्होने यह माना है कि हाई कोर्ट के निर्दे ाो के अनुसार चुनाव करवाए जाने जरुरी थे। हरियाणा में हमारे और भी कर्मचारी है क्या अध्यापको को उनसे अलग नही रखा जा सकता था? ये दूसरे अधिकारियो को बुला सकते थे। मेरा अभिप्राय है कि हरियाणा मे जो स्टूडैंटस है, अध्यापको की डयूटी लगने की वजह से उनको बहुत नुकसान हुआ है। हरियाणा में ि ाक्षा की स्थिती पहले ही खराब है। हरियाणा मे परीक्षाएं चली हुई है और

अध्यापक बच्चो को नही पढाकर चुनावो की डयूटी मे लगे हुए है। मै इनसे इस बारे मे जानना चाहता हूं?

श्री बहादुरग सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन चुनावो मे अध्यापको की ही नही बल्कि हर डिपार्टमैंट के कर्मचारियो की डयूटी लगायी गयी है। जैसा मैने पहले ही बताया कि आंतरिक परीक्षाएं और बोर्ड की परीक्षाएं पहले ही भ्ाुरु हो चुकी थी इसलिए अब अध्यापन कार्य नही हो रहा था। अतः परीक्षाओ की तैयारियो मे अध्यापको की डयूटी लगाने से कोई फर्क नही पडता।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी नये है उनकी इज्जत करता हू। (विघ्न) मै आपके माध्यम से उनसे जानना चाहता हूं कि यह जो मेरी बात का ठीक से जवाब क्यों नही दे सके? राज्य में बहुत से अधिकारी है, इसलिए क्या यह जरुरी है कि ि ाक्षको की ही इन चुनावो में डयूटी लगायी जाती? अध्यक्ष महोदय, राज्य सरकार ने इस बात की कोई चिंता नही की। जबकि ि ाक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण विशय है। हमारे बच्चे नौंवी या दसवीं एवं उससे आगे की पढाई के लिए स्कूलो मे और कालेजो मे जाते है उन्हे परीक्षाओ के दौरान ि ाक्षको की जरुरत होती है। क्योंकि उन्होने उनसे इस बारे मे विचार विम र्ा करना होता है, पूछताछ करनी होती है। सरकार ने उनकी डयूटी चुनावो मे

लगाकर बहुत बडी कोताही की है। इनको इन चुनावो मे ि ाक्षको की डयूटी नही लगानी चाहिए थी। अगर इन्होने इस बारे मे सही तरीके से विचार किया होता तो राज्य के दूसरे अधिकारियो की इन चुनावो मे डयूटी लगायी जा सकती थी? अध्यक्ष महोदय, जब परीक्षाफल आएगा तब आप इसका नुकसान देखेंगे। अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी तरह से जानते ही है कि जब इम्तहानो के बाद हरियाणा मे परीक्षाफल आता है तो वह वैसे ही कम होता है। (विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री औम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को इस बात का ज्ञान होना चाहिए। पहले जो इनकी सरकार थी उसने ही स्टेट चुनाव आयोग का गठन किया था। ये चुनाव करवाने का काम उसी स्टेट चुनाव आयोग का है। अध्यक्ष महोदय, पहले जो चुनाव की तिथि निर्धारित हुई थी वह 12 और 19 तारीख की हुई थी। चूंकि 19 तारीख को होली थी इसलिए त्यौहार के दिन को देखते हुए ये चुनाव पहले करवाए गए। स्टेट गवर्नमैंट का काम तो सिर्फ यह है कि चुनाव आयोग को जिन जिन चीजो की जरुरत होती है, उसको वह पूरा करती है। चुनाव आयोग को चुनाव करवाने के लिए जितने कर्मचारी चाहिएं, उतने स्टेट गवर्नमैंट उनको प्रोवाईड करवाती है इसलिए इस विशय को इतना लम्बा चौडा बढाने की आव यकता ही नही है। आखिर चुनाव तो होगें ही।

इनमे कौन–कौन से कर्मचारी हो, इसका फैसला करना चुनाव आयोग का काम है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल तो अभी रह ही गया है।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आपके दोनो क्वै चंज हो गये है। आप सारी बातो को अच्छी तरह से जानते है और समझते है। आपको मो ान माल लिया गया था और आपने अपने क्वै चन भी पूछ लिए है इसलिए आप बैठें। (विघ्न)

उपाध्यक्ष के चुनाव संबंधी घोशणा

Mr. Speaker: Under Rule 10(i) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly, I fix today, the 15th March, 2000, as the date for the election of Deputy Speaker. This item will be taken up today later on.

नियम 30 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Member, now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 30.

Finance Minister (Sh. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That Rule 30of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly be suspended

and Government business be transacted on Thursday, the 16th March, 2000.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That Rule 30of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 16th March, 2000.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैने आपके माध्यम से उस दिन संपत सिंह जी से निवेदन किया था कि आप नानॅ आफिि ायल डे को ऑफिि ायल डे मे कन्वर्ट करने की इजाजत मांग रहे है लेकिन जैसा कि आप जानते है कि नये नये सदस्य चुनकर आए है और कोई अपना बिल रखना चाहता है कोई अपना प्रस्ताव रखना चाहता है। हरियाणा प्रदे ा की कई समस्याओ पर चर्चा होनी है उस दिन भी चौधरी संपत सिंह जी ने आ वासन दिया था कि अगर कोई प्रस्ताव आएगा तो उस पर जरुर विचार करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैने आपकी सेवा मे एक प्रस्ताव दिया था कि हरियाणा मे लडकियो को मां–बाप की संपत्ति मे से जो हिस्सा मिलता है वह भाादी के बाद नही मिलना चाहिए, इससे हमारे गावों का भाई–चारा बिगडता है।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आपको कोई सजै ान देना हो तो दे, आप तो भाशण देने लगते है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा तो यही निवेदन है कि नानॅ आफि ायल डे को आफि ायल डे मे कन्वर्ट न करें और जो प्रस्ताव मैने दिया हुआ है उस पर चर्चा होनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः कल कोई वि ोश बिजनैस नही है और आज भी आपको बजट पर अपनी बात कहने का अवसर मिलेगा।

Question is-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislatvie Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 16th March, 2000.

The motion was carried.

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव/गैर सरकारी संकल्प की सूचनाएं

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपकी सेवा मे हमारे एक सीनियर मैम्बर कैप्टन अजय सिंह ने कालॅ अटैं ान मो ान दी हुई है आज आपने उनके बारे मे कुछ नही कहा कि उन्हे रद्द कर दिया था उस पर कोई बात होगी या नही?

Mr. Speaker: The Calling Attention notice No. 4 regarding suspension of disbursement of loan from World Bank has been sent to Government for comments. The Calling Attention notice No. 3 regarding abolishing of 29 Municipal Committies has been disallowed. The Calling Attention notice

No. 7 regarding the pollution in Dharuhera Industrial Complex is under consideration.

श्री अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै यह बात कहना चाहता हूं कि आप तो ऐसे बिहेव करते है जैसे मै कल चुनकर आया हूं। आप हमारे कस्टोडियन है।

श्री अध्यक्षः यह पौल्यू ान आपको कई दिन से नजर आता होगा या आज ही नजर आया है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से संपत सिंह जी से निवेदन करना चाहता हूं कि जो प्रस्ताव सदन की समीक्षा के लिए मैने रखा है कि लडकियो को उनकी भाादी के बाद बाप की जायदाद मे से हिस्सा नही मिलना चाहिए उसके बारे मे भारत सरकार से आप निवेदन करें कि कानूनो मे तबदीली हो।

Mr. Speaker: Your Calling Attention Notice No. 2 regarding mixing of sewerage water into the drinking water in Palwal City has been admitted for tomorrow, the 16th March, 2000. लडकियो के जायदाद के हिस्से के बारे मे जो नान–आफि ियल रैजोल्यू ान है उसे हम पहले ही डिसअलाउ कर चुके है उसे आप अगले सै ान मे दें, फिर उस पर विचार होगा। इसके अलावा मै हाउस को इस बात से अवगत कराना चाहता हूं कि हरियाणा विधान सभा के इतिहास में यह पहला अवसर है जब सदस्यो को सबसे ज्यादा बोलने का मौका दिया

गया। इससे पहले आज तक गवर्नरज ऐड्रस पर उस समय को सबसे ज्यादा समय 13 घंटे 32 मिनट चर्चा के लिए दिया गया था। इस सत्र मे 13 घंटे 53 मिनट का समय दिया गया है जोकि सर्वाधिक है। जिसमे से अपोजि ान बैंचेज को 432 मिनट का समय दिया गया और ट्रेजरी बैंचेज को 401 मिनट का समय दिया गया। इसके अतिरिक्त बजट पर भी बोलने का मौका दिया जाएगा।

वर्श 2000–2001 के बजट पर सामान्य चर्चा

Mr. Speaker: Hon'ble Member, now, the general discussion on Budget for the year 2000-2001 will take place.

श्री मांगे राम गुप्ता (जींद): अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद जो आपने मुझे बजट पर हो रही बहस पर बोलने का समय दिया है। कल माननीय वित्त मंत्री जी ने चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी की नई सरकार का नया बजट पे ा किया। जब वित्त मंत्री जी बजट पे ा कर रहे थे तो उस समय वे बहुत निरा ा थे और उनके साथ साथ ट्रेजरी बैंचिज के सदस्य भी निरा ा थे। हमे ाा यह प्रथा रही है कि जब वित्त मंत्री जी अपना बजट पे ा करते है तो उनकी पार्टी के सदस्य और सहयोगी पार्टी के सदस्य उनका स्वागत करने के लिए अपने मेजें थपथपाते है। लेकिन कल ऐसा नही हुआ। जब माननीय चौधरी भजन लाल जी ने याद दिलाया जब जाकर इन्होने मेजें थपथपाई थी, वरना बिल्कुल चुपचाप बैठे थे।

वित्त मंत्री (श्री सम्पत सिंह): अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मांगे राम गुप्ता जी ने कहा कि सरकारी पक्ष के सदस्य निरा ा बैठे थे। इसमे निरा ाा की कौन सी बात थी क्योंकि जब बजट पे ा होना होता है उससे पहले किसी सदस्य को यह मालूम नही होता कि बजट में क्या है। क्योकि यह तो सिक्रेट डोक्यूमैंट होता है उसके लिए पहले से थंपिंग कैसे कर सकते है Even every announcement was appreciated and welcomed by you people also. जब पार्टी की कंट्रीब्यू ान की कोई बात होगी तो उस वक्त जरुर थंपिंग करेंगे। पढते वक्त जब माननीय सदस्यो को पता लगा कि यह तो बढिया बजट है तभी इन्होने बजट का वैलकम करना भाुरु कर दिया था। इसके लिए हर पार्टी की तरफ से स्वागत किया गया। चौधरी भजन लाल जी ने भी लते समय यह कहा था कि बहुत बढिया बजट पे ा किया गया है।

श्री भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मै तो अभी भी कहता हूं कि सरकार ऐसे जितने अच्छे काम करेगी, हम उसका स्वागत करेंगे ताकि हमें जल्दी मौका मिल सके। अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह जी काफी पुराने और सीनियर सदस्य है और काबिल भी है। लेकिन आप जानते है कि जब वित्त मंत्री जी बजट पढने के लिए सदन मे खडे होते है तो सभी सदस्य तीन मिनट तक मेजे थपथपाते रहते है चाहे पार्लियामैंट हो या राज्य की विधान सभा हो। लेकिन कल वित्त मंत्री जी इस सदन मे बजट ऐसे पढ रहे थे जैसे किसी गांव के चौक पर खडे होकर भाशण दे रहे हो।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाएं। इन्होने थंपिंग इसलिए नही की क्योंकि यह बजट ओपन बजट नही था बल्कि सीक्रेट बजट था और इसके बारे में किसी को पता नही था।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि वित्त मंत्री महोदय ने ठीक फरमाया था कि यह बजट सिक्रेट बजट था और लोगो को इसके बारे मे पहले पता नही था। लेकिन पिछले कई सालो से इस सदन की ऐसी प्रथा हो गई थी कि जिस दिन वित्त मंत्री महोदय का बजट पे ा होता था उस दिन इस हाउस मे हरियाणा के लोगो को यह बजट दिखाने के लिए टी0 वी0 सैट लगाए जाते थे। परंतु कल मुख्य महोदय ने इसका इंतजाम नही करवाया क्योंकि इस बजट मे हरियाणा के लोगो के लिए कुछ रखा ही नही गया और हरियाणा के लोग यदि इस बजट को देखते तो सरकार को गालियां देते। वित्त मंत्री ने दिल से ह बात कह डाली कि हमने पहली बार बजट को वैब साईट पर दिखाने के लिए सी0 डी0 तैयार की है जिसमे से एक सी0 डी0 मुख्य मंत्री महोदय को दी जाएगी और एक स्पीकर महोदय को दी जाएगी और तीसरी सी0 डी0 विरोधी पक्ष के नेता को दी जाएगी। ये कम्पयूटर पर उस सी0 डी0 को देख ले उसमे आम जनता के लिए कुछ बजट नही रखा गया है। अध्यक्ष महोदय, मै चुनावो की बात तो नही करता लेकिन चुनावो से पहले व्यापारी वर्ग को इस सरकार ने बडी उम्मीदें थी कि यह सरकार उनको कुछ रियायतें देगी गवर्नरज़ ऐड्रस पर पे ा हुए धन्यवाद

प्रस्ताव पर बोलते हुए इन्होने हरिजनो की कन्याओ को दी जाने वाली सुविधाओ की बात की लेकिन हरियाणा का किसान बडा निरा ा था, उन किसानो को मुख्य मंत्री महोदय ने एक बात कह रखी थी कि जो बी0 जे0 पी0 वाले मेरे साथ काम कर रहे है वे मुझे अच्छी तरह से काम नही करने देते इसलिए मैने चुनाव करवाए है और अब की बार मै ये कांटा निकाल दूंगा।

श्री अध्यक्षः आप ये बातें पहले भी बोल चुके है, आप कृप्या बजट पर बोलें।

श्री चन्द्र भाटियाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि गुप्ता जी गलत बात कर रहे है। मुख्य मंत्री महोदय ने कभी इस प्रकार की बात नही की। ये अपनी बात छिपाने की कोि ा ा कर रहे है। विधान सभा मे गलत बात कहना ठीक नही है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जब कोई सदस्य बजट पर बोल रहा हो तो वह बजट के पैसे की बात कर सकता है, कानून और व्यवस्था की बात कर सकता है और विकास की बात कर सकता है।

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये विकास की बात करे इनको कौन रोकता है?

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि इन्होने तो तीन सी0 डी0 दी है,

एक मुझे भी दी है और एक आपको भी दी है क्या इसमे बजट की सीक्रेसी लीक नही हो जाएगी।

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहूंगा कि ऐसे तो यह बजट टाइप भी हुआ है और प्रिंट भी हुआ है। (ाोर)। अध्यक्ष महोदय, 9:30 बजे से पहले कही पर भी इस बजट की कोई भनक लगी हो, इसका एक भाब्द, एक लाईन या एक भी आंकड लीक हुआ तो हम उसके लिए जिम्मेवारी है। (इस समय मेजें थपथपाई गई) (ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै वित्त मंत्री महोदय की बात से सहमत होता हूं कि इस बजट की कोई सीक्रेसी लीक नही हुई। जो बात मानने वाली है मै उसको मानता हूं लेकिन ये जो तीन सी0 डी0 दी गई है इनका क्या महत्व है। यह जो ओपन बजट पे ा हुआ है। यह बजट हमारे हाथ मे भी आ गया है, सी0 डी0 में देख लें, किताब मे पढ ले इसमे जनता को वि ोश कर हरियाणा के किसान को जिनको उम्मीद थी कि यह जो औम प्रका ा चौटाला जी की सरकार बनी है अपने बजट अधिवे ान मे उनको कोई वि ोश पैकेज देगी लेकिन ऐसा कुछ नही दिया है और इसी कारण से इस बजट को टी0 वी0 **10:00 बजे** पर दिखाने के लिए कोई इंतजाम नही किया गया। क्योंकि बजट मे दिखाने को कुछ है ही नही। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा छोटी सी स्टेट है और मौजुदा सरकार ने 294.56 करोड रुपये का घाटा होने का अनुमान है और वित्त मंत्री जी कहते है कि हमने

कोई कर नही लगाया। अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ओर कितना कर लगायेंगे ये तो लक्की है कि इंटर स्टेटस मे एक समान कर प्रणाली भी इन्ही की सरकार के समय मे लागू हो गई। कांग्रेस की सरकार मे जब नरसिम्हा राव जी दे ा के प्रधान मंत्री थे, उस समय हमने यह प्रपोजल रखा था और इस बारे मे हमारी एक नही 10 मीटिंग हुई थी। लेकिन मौजूदा सरकार इस बात के लिए लक्की है कि यह स्कीम इनकी सरकार के समय मे लागू हो गई और एक समान कर प्रणाली लागू होने से सरकार के आंकडो के हिसाब से हरियाणा के अंदर 75 करोड रुपये टैक्स लगे है। लेकिन मै समझता हूं कि इस प्रणाली के लागू होने से 75 करोड ही नही बल्कि 150 करोड रुपये टैक्स लगे है।

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, एक समान कर प्रणाली के अंदर हमने तीन चीजो को नही लिया। फर्टीलाईजर, डीवीजन, पैस्टीसाईड और इनसैक्टीसाईड के उपर हमारी सरकार ने टैक्स नही बढाये। क्योंकि ये तीनो ही चीजे किसान से संबंधित है। अगर हम इन पर भी एक समान कर प्रणाली के तहत टैक्स बढा देते तो जरुर हमें 150 करोड रुपये का फायदा होता। लेकिन हमारी सरकार ने किसानो की तरफ देखते हुए, इनके उपर टैक्स नही बढाया। (विघ्न एवं भाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी यह तो मान रहे है कि 75 करोड रुपये का फायदा इनको हुआ है

लेकिन 75 करोड रुपये के जो ये टैक्स इनको लगे हुए मिल गये इनको ये नये टैक्स के रुप मे बताना नही चाहते।

श्री संपत सिंहः स्पीकर सर, ये टैक्स तो एक्सपैक्टिड थे। ये तो गैप को मीट–आउट करने के लिए किये गये है।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, यह एक्पैक्टिड नही है, जिन वस्तुओ पर 0% टैक्स था उन पर 4% हो गया है। जिन पर 2% था उन पर 6% हो गया है और मौजुदा सरकार ने 1 जनवरी से ये लागू कर दिये।

मुख्य मंत्री (श्री औम प्रका ा चौटाला): स्पीकर साहब, ये टैक्स तो जरुरत पडने पर घटाये या बढाये जा सकते है। अभी तो सभी स्ट्ेटस के हिसाब से हमने भी कर दिया।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, लेकिन इन्होने वे टैक्स कम तो नही किये। इनसे इनको 75 करोड रुपये का फायदा हुआ है और उसे द ार्ाना भी नही चाहते। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय, मौजुदा सरकार को जो सबसे बडा फायदा हुआ वह यह है कि चौधरी बंसी लाल जी ने भाराब बंदी के नाम पर अपनी सरकार बनाई थी और हरियाणा मे भाराब बंदी भी कर दी थी। भाराब बंदी के नाम पर हरियाणा की जनता पर इन्होने 800 करोड के नये टैक्स लगाये थे और भाराब बंदी करने से एक वर्श मे 800 करोड रुपये का स्टेट राजस्व घाटा होता रहा। चौधरी बंसी लाल जी ने 2 साल तक हरियाणा में भाराब बंदी रखी। जिसके कारण

दो साल मे हरियाणा स्टेट का राजस्व घाटा 1600 करोड रुपये का हो गया। हरियाणा स्टेट की हद पीट गई। विकास कार्य बंद हो गये और मजबूर होकर बंसी लाल जी ने दो साल बाद भाराब खोल दी और भाराब खोलने के बाद जो टैक्स भाराब बंदी के समय 800 करोड रुपये गाये थे वे वापिस भी नही लिये। चौधरी संपत सिंह जी तो 800 करोड रुपये के टैक्स ही बताते थे लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने 300 करोड माना था। उस समय संपत जी यह कहते थे कि जो टैक्स जनता पर भाराब बंदी के समय लगाये थे ये अब वापिस लिये जायें। लेकिन अब इनकी सरकार है, फिर भी इन्होने वे टैक्स विदड्रा नही किए। अध्यक्ष महोदय, अब मै वित्त मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि जो टैक्स बंसी ला जी ने भाराब बंदी के नाम पर लगाये थे चाहे वे 300 करोड के थे या 800 करोड के थे, उन्हे ये विदड्रा करें। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मै एक बात और कहना चाहूंगा कि चौधरी बंसी लाल जी ने अपनी सरकार के समय मे हुडडा के प्लाटस बंद करके उनकी रजिस्ट्री–कंविंस डीड लागू कर दी थी। जिससे हुडडा का 200 करोड रुपये का रैवेन्यू बढ गया था। लेकिन हुडडा के प्लाट्स बिकने बंद हो गये और उन्होने दोबारा से ट्रांसफर करने भाुरु कर दिये। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से चौटाला साहब की सरकार ने भी फिर से हुडडा के प्लाटस की रजिस्टरी कंविंसड डीड 8 तारीख से भाुरु कर दी। जिससे हुडडा का 200 करोड रुपये का रैवेन्यू सालाना बढेगा और ये भाई कह रहे है कि हमने कोई टैक्स नही लगाये। टैक्स रहित बजट पे ा किया है। अध्यक्ष

महोदय, जहां तक मेरा ख्याल है चौधरी संपत सिंह जी ने तो पहली बार ही बजट पे ा किया है लेकिन हरियाणा सरकार के इतिहास मे सबसे ज्यादा बजट मैने पे ा किये है। लगातार पांच बजट बल्कि छटा बजट भी मैने पे ा किया था। 1996 मे जब हम सरकार छोडकर गये थे तो 1996–97 का बजट भी हमने पे ा किया था। अध्यक्ष महोदय यह बात मै इसलिये कह रहा हूं कि क्योंकि हमने जो बजट पे ा किय उन मे कोई टैक्स नही लगाये बल्कि कई टैक्सो को खत्म किया या कम किया। हां, चुंगी हम समाप्त नही कर सके, इन्होने समाप्त की है उसके लिये तो मै इनको धन्यवाद देता हूं लेकिन बैरियर हमने खत्म किये जो बहुत बडी लानत थी। ट्रांसपोटरो और व्यापारियो को बडी दिक्कत आती थी। बैरियर खत्म होने के बावजूद भी हमने सरकार को घाटे मे नही रहने दिया। 1996–97 के बजट मे हम कोई घाटा छोड कर नही गये थे। जहां तक मेरा अंदाजा है हम 31 मार्च तक 500 करोड रुपया छोडकर गये थे जो कि नई सरकार के काम मे आना था। यह पैसा रिजर्व बैंक और कुछ दूसरे बैंको मे हम जमा कर के गये थे। अध्यक्ष महोदय बडे ही दु:ख की बात है कि इस छोटी सी हरियाणा स्टेट के उपर 14418 करोड रुपये का ऋण हो जाएगा जैसा कि वित्त मंत्री जी ने कैलकुलेट करके अपनी स्पीच मे कहा है। इस तरह से हरियाणा के बजट का 30% या 31% हिस्सा तो ब्याज के रुप मे इस कर्ज के उपर चला जाया करेगा। अध्यक्ष महोदय, 1996 मे हरियाणा बना था और जहां तक मुझे याद है कि जब 1991 से 1996 तक हमारी सरकार रही तब तक यानि 30 साल

मे वर्ल्ड बैंक या दूसरी स्टेटो अथवा संस्थाओ से केवल 6000 करोड रुपये के ऋण हरियाणा सरकार ने लिये थे लेकिन 1996 से 2000 तक की सरकारो की नाकामयाबी की वजह से ये कर्जे 14418 करोड रुपये तक पहुंच गये। अध्यक्ष महोदय, हमारी समझ मे नही आता कि ये इतने बडे कर्जे की कि तें कहां से देंगे क्योंकि नये टैक्स लगा नही सकते और अनाव यक आमदनी के जो सोर्सिज़ थे, वे सब ये लगा चुके है। सडके पक्की करानी हो तो ये वर्ल्ड बैंक से लोन लेते थे, बिजली के सुधारीकरण के लिये भी लोन लेते है। सरकार लोन लेकर ही काम कर रही है। मै पूछना चाहता हूं कि सरकार अपने साधनो से क्या काम कर रही है। सोचने का विशय यही है कि आपने इस विशय पर विचार क्यों नही किया है। जब आप बजट भाशण पढ रहे थे तो उस वक्त जब चुंगी को खत्म करने वाला प्वायंट आया था तो आपने मुझे टोका था कि गुप्ता जी आप सो तो नही रहे। मैने कहा था कि मै सो नही रहा बल्कि आपके बजट को गहराई से देख रहा हूं। (विघ्न) आपने अपने बजट मे मंडी व्यापार को बढावा देने के लिए जनवरी, 2000 से 21 वस्तुओ पर मार्किट भाुल्क दो प्रति ात से घटा कर एक प्रति ात कर दिया। इसका उल्लेख तो आपने अपने बजट भाशण में किया है लेकिन रुरल डिवैल्पमैंट फण्ड का जो एच0 आर0 डी0 एफ0 का पैसा माफ किया था, उसकी चर्चा आपने इस बजट मे नही की। उस पैसे को आप कहां पर खा गए, या उसका उल्लेख करना भूल गए, यह तो आप जाने। लोगो को दिखाने के नाम पर तो आपने 21 चीजो पर सैस कम करे। सरकार कह रही

है कि पिछले साल सैस कम करने के कारण इस मद के तहत 100 करोड रुपये की इनकम हुई जबकि दूसरी तरफ कह रही है कि अगले साल इस मद के तहत 130 करोड रुपये आने की संभावना है। मै पूछना चाहता हूं जब आपने सैस कम कर दिया तो फिर आपकी आमदनी इस मद के तहत कैसे बढेगी? (विघ्न) जो बात मैने कही है उस हिसाब से आप देख लें कि आपने सैस खत्म किया है या नही किया। मै मुख्यमंत्री जी का चुंगी समाप्त करने के लिए धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मै आपके ाध्यम से सदन के नोटिस मे लाना चाहूंगा कि इन्होने चुंगी क्या समाप्त की साथ ही साथ कई कमेटीज भी समाप्त कर दी। अब जो हमारी 54 कमेटीज रही है उनके लिए सरकार ने 23.84 करोड रुपये की ऐड देने की बात कही है। मै सरकार से जानना चाहूंगा कि इतनी कम रा ि ा से कमेटीज का क्या भला होगा और क्या वे जनकल्याण के कार्य कर पाएंगी? कमेटीज के जो कर्मचारी है उनको पिछले तकरीबन 3–3 महीनो से पे भी नही मिल पाई है। चौधरी बंसी लाल जी ने अपने समय मे एक बहुत अच्छा काम किया कि इनके वक्त मे जब सफाई कर्मचारियो ने हडताल की थी तो इन्होने उन सब को ठिकाने लगा दिया था। उस वक्त मे वे कर्मचारी ऐसे ठिकाने लगाये गये कि अब वे आपके समय मे हडताल करने लायक रहे ही नही।

श्री औम प्रका ा चौटालाः गुप्ता जी, हमने तो जो कर्मचारी बंसी लाल जी के वक्त मे हटाए गए थे उन सब को

दुबारा नौकरी मे ले लिया है और इनके अलावा नये कर्मचारी भी लगाये है।

श्री मांगे राम गुप्ताः आपकी बात हम मान लेते है लेकिन कर्मचारी कमेटीज़ मे काम कर रहे है उनको आप पे भी दिलवाने का प्रबंध करें। आज उनको 3–3 महीने से पे नही मिल पा रही है। अध्यक्ष महोदय, बजट भाशण मे व्यापारियो को राहत देते हुए फार्म 14–15 जो खत्म किया गया है उसके लिए मै वित्त मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। लेकिन इस बारे में मै सरकार के नोटिस मे लाना चाहूंगा कि ये फार्म तो जब हमारी सरकार थी उस वक्त खत्म किए गये थे। बाद मे जब बंसी लाल जी मुख्य मंत्री बने तो इन्होने फिर से उनको लगा दिया था। अब आपने उनको दुबारा से हटा दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मै इस बात को समझता हूं कि सरकार के पास जितने रिसोर्सिज़ होंगे उतना ही बजट अलाटॅ करेगी उससे ज्यादा बजट कहां से करेगी बजट स्पीच के पेज नं0 6 पर देखिये कि ग्रामीण विकास की मद मे कितना पैसा रखा गया है? अध्यक्ष महोदय, सारे हरियाणा प्रदे ा की 80% जनता गावों मे रहती है इसलिए उसका विकास सबसे ज्यादा होना चाहिए। हमारे गांव बहुत पिछडे हुए है लेकिन उनके लिए वित्त मंत्री जी ने 35.10 करोड रुपये की रा ि ा की अलाटमैंट का प्रावधान रखा है। मै वित्त मंत्री जी के ध्यान मे लाना चाहूंगा कि क्या इतनी रा ि ा से

गावो का विकास हो पाएगा? (विघ्न) वित्त मंत्री जी से मेरा सुझाव है कि गावो के विकास के लिए और अधिक रा ि ा का प्रावधान करना चाहिए। इसी प्रकार से आपने हरियाणा के हरिजन कल्याण निगम के लिए भी बहुत थोडी रा ि ा का प्रावधान किया है।

श्री संपत सिहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मांगेराम गुप्ता जी से यह कहना चाहूंगा कि एच0 आर0 डी0 एफ0 का पैसा कहां जाएगा वह पैसा भी उपलब्ध है जो कि गावों के लिए विकास कार्यो पर खर्च किया जाना है। इसी तरह से सडको के विकास के लिए जो पैसा रखा है उसमे रुरल डिवैल्पमैंट पर भी खर्च होना है। गावो के लिए अगर सडके ही नही बनाएंगे तो वहां पर विकास कार्य कैसे होगे बिना सडको के गावो की तरक्की कैसे होगी। (विघ्न)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, इस प्रदे ा में हरिजनो के करीब 12 हजार परिवार है और उनके लिए 37.23 करोड रुपये अलाट करने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके साथ ही पिछडे वर्ग कल्याण निगम है और अल्पसंख्यक वर्ग भी इसमे भाामिल है और कमजोर वर्ग के लोग तथा माईनारिटीज़ के लोग भी इसमे भाामिल है उन सबके लिए आपने 6.50 करोड रुपये का प्रावधान बजट मे रखा है जो कि उंट के मुंह मे जीरा है।

श्री संपत सिंहः मांगे राम जी, आप तो खुद भयाने आदमी हो और वित्त मंत्री बने हुए हो फिर भी इस किस्म की

बावली बात क्यों करते है। आपको तो इस बारे में खुद ही पता है।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सरकार गावो के विकास के लिए पैसा दे रही है लेकिन हमारे समय मे हमने हर एम0 एल0 ए0 को चाहे वह रुलिंग पार्टी से हो, यहा अपोजी ान पार्टी से हो, वि ोश ग्रान्ट विकास कार्यो के लिए दी थी। वह ग्रान्ट इसलिए दी थी क्योंकि हर एम0 एल0 ए0 का अपने क्षेत्र के बडा भारी लिंक रहता है क्योंकि वह गांव मे जाता था और गांव की गलियो मे घूमता था। चुनाव के मय आपने खुद भी गावों मे जाकर देख लिया होगा कि वहां पर कितना बुरी हालत है। गोडे गोडे तक गावों मे कीचड होता है जिसके कारण गांव की गलियो मे घुसना मु कल हो जाता है। (विघ्न)

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिह): अध्यक्ष महोदय, माननीय मांगे राम जी एक गैर जिम्मेदाराना बात कह रहे है (विघ्न एवं भाोर) चौधरी भजन लाल जी अगर आपके टाईम मे ऐसी बात न हुई हो तो आप बताएं। मै तो आपके टाईम का भी भुक्तभोगी हू।(विघ्न एवं भाोर)

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय चौधरी भजन लाल जी को याद दिलाना चाहूंगा कि इनके समय मे भी हम लोगो के खिलाफ 3–3 प्रिविलैज मो ान्ज थे। मेरे खिलाफ

तीन–तीन प्रिविलैज कमेटी मे मामले टोक रखे थे। इनको याद होगा कि जब मै बोलता था तो चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री होते हुए खुद 100 से ज्यादा बार इन्टरवीन किया करते थे। इनको भी याद होगा, प्रैस के लोग भी यहां पर बैठे हुए है और दूसरे लोग भी यहां पर बैठे हुए है, मिनिस्टर की बात तो छोडिए ये खुद मुझे इन्टरवीन किया करते थे। (विघ्न एवं भाोर)

श्री धीरपाल सिंहः चौधरी भजन लाल जी चीफ मिनिस्टर थे और उस वक्त प्रो0 सम्पत सिंह जी किसी बहस पर चर्चा करते हुए बोल रहे थे। उस दिन चौधरी टेक चन्द की 13वीं थी, मै मुंडाल से आया था। यहां पर आया तो मैने देखा कि सम्पत सिंह जी को सस्पैंड कर दिया गया तो मैने कहा कि इनको किस बात के लिए सस्पैंड किया गया है तो मुझे यह कहा गया कि आपको भी नेम किया जाता है। यह रिकार्ड की बात है। अध्यक्ष महोदय, गुप्ता जी ने बोलने हुए कहा कि हुडडा के द्वारा रजिस्ट्री मे हमारी वर्तमान सरकार को दो सौ करोड रुपए का इजाफा होगा। प्लाट होल्डर को चार ट्रांसफर फी है। सर, सरकारी दस्तावेज मे द र्ाया गया है कि 1998–99 मे रहन के द्वारा, नगरपालिका के द्वारा और एग्रीकल्चर लैण्ड से 294 करोड रुपए की इन्कम प्राप्त हुई। 1999–2000 मे एस्टीमेट 408 का था और प्रति 360 करोड रुप की हुई थी। 2001 के लिए 405 करोड का एस्टीमेट है। इन्होने 200 करोड इसलिए कहा है क्योकि यह फर्जी

बात है। मैने यह बात सरकारी दस्तोज से हाउस के सामने रखी है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, धीरपाल जी बहुत ही सीनियर मैम्बर है। आप स्पीकर के पद पर नए आए है वैसे आपको सदन का बहुत एक्सपीरियंस है। मै आपके माध्यम से इनको यह कहना चाहता हूं कि जब कोई मैम्बर बोल रहा हो तो मंत्री महोदय, को प्वायंट नोट कर लेने चाहिए और जब जवाब दे तो उसके बारे मे बोल लें।

श्री धीरपाल सिहः चौधरी साहब इन्होने एक बात कही थी मैने उसका सरकारी दस्तावेज से जवाब दिया है बाकी के प्वायंट हम नोट कर रहे है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने प्लाट के बारे मे ट्रांसफर की बात कही है। बाद मे आपने कह दिया कि ट्रांसफर नही होगी। मै आपको यह कहना चाहता हूं कि इमीजिएट इफैक्ट से तो आप कर सकते हो लेकिन रिट्रासपैक्टि इफैक्ट से नही कर सकते। आप इस बारे मे विचार कर लें। लोगो में बहुत रोश है। उन्होने मुझे लिखकर दिया है।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै वित्तमंत्री जी के नोटिस मे लाना चाहता हूं कि यहां पर जो गवर्नर एड्रस पढा गया है वह सरकार की अथैंटिक स्पीच होती है। उसको मददेनजर रखते हुए बजट बनाना चाहिए। कृशि मे आपने गन्ने की बिजाई

पर बहुत जोर दिया है और कहा है कि यह लाभदायक फसल है। यह भी कहा है कि फलो और सब्जियो की खेती ज्यादा करे उससे किसान को ज्यादा लाभ मिलेगा। यह नीति आपने द ार्ाई है। आप गवर्नरज़ एड्रेस पेज नम्बर 14 पर देखें। उचानी गांव करनाल के पास है। उसमे क बागवानी प्र ि ाक्षण संस्थान बनाया जाएगा जो बेमौसमी सब्जियो और फलो की पैदावार के लिए ग्रीन हाउस प्रोघौगिकी अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह संस्थान 12.50 करोड रुपये की लागत से बनाया जा रहा है लेकिन बजट मे इस बारे मे कही पर भी नही लिखा गया है। अध्यक्ष महोदय, इतना बडा अमाउंट सरकार उसके लिए खर्च करने जा रही है इसलिए इसका किसी न किसी हैड मे वित्त मंत्री जी को अपनी बजट स्पीच मे भाो करना चाहिए था लेकिन इन्होने ऐसा नही किया है। यह 12.50 करोड रुपये का प्रोजैक्ट है जब इसका ही बजट मे जिक नही होगी तो फिर इस बजट को बनाने का क्या लाभ है? इसी तरह से मछली उत्पादन के बारे मे गवर्नर ऐड्रस मे तो चर्चा की गयी है कि उसका रिकार्ड उत्पादन हुआ है लेकिन बजट मे इसबारे मे कुछ भी नही कहा गया है। बजट मे वित्त मंत्री जी ने इस चीज को कही ंपर भी टच ही नही किया है। इस बारे मे कोई फंड अलोट ही नही हुए है। इसी तरह से ऐनीमल हसबैन्ड्री की बात हैं। हरियाणा के किसान के लिए प ुपालन आज बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। इसको बढाा देने के लिए गवर्नर ऐड्रस मे तो कहा गया लेकिन बजट मे इस बारे मे कही पर कुछ नही लिखा है। अध्यक्ष महोदय, मै टाईम का ध्यान रखते हुए ज्यादा

नही कहना चाहूंगा। साथ ही मुझे अपनी बीमारी के हिसाब से कम ही बोलना पडता है। जब सरकार ने अग्रोहा मैडिकल कालेज की ग्रांट बहाल की थी तो मैने मुख्यमंत्री जी को इसके लिए धन्यवाद किया था। वित्त मंत्री जी का या भाायद मुख्य मंत्री जी का कही पर भाशण था कि हमने इस कालेज की ग्रांट जो चौधरी बंसी लाल जी से सम मे बंद रही थी, को खोला है। चौधरी बंसी लाल जी ने तो लोगो की कचहरी मे खडे होकर देख लिया लेकिन इनको केवल दो ही सीट मिली है। खुद तो ये पता नही कैसे लोगो की खु ाामद करके एम0 एल0 ए0 बन गये है। (विघ्न) जब हम 60 एम0 एल0 ए0 है। इनका दूसरा एम0 एल0 ए0 तो ***** ही बनकर आया है।

श्री अध्यक्षः यह भाब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, वह फौजी अफसर है और अपनी मेहनत से चुनाव जीतकर आया है।

श्री रामकि ानः अध्यक्ष महोदय, जो ने ानल पार्टी है उसके तो केवल 21 ही एम0 एल0 ए0 है जबकि हमारी रीजनल पार्टी होते हुए भी दो एम0 एल0 ए0 है।

श्री मांगे राम गुप्ताः जो उस कालेज को 7 करोड रुपये देने की घोशणा हुई थी वह तो चौधरी बंसी लाल जी के समय के ड्यू बनते थे क्योकि हमने तो उस कालेज की कोई ग्रांट बंद नही

की थी। मुख्यमंत्री जी ने कल इस बारे मे एक चिटठी भी यहां पर पढकर सुनाई थी। वह रिकार्ड है जो कि आज मौजुद है। उस समय युनानीमसली बोर्ड की तवज्जो पर एक रास्ता निकाला गया था, सरकार के खर्च घटाने का और उस मैडीकल कालेज को लाभ पहुंचाने का, परंतु गांट हमारे समय मे बंद नही हुई है। हम तो 2 करोड रुपये चौधरी बंसी लाल जी के समय के लिए अपने बजट मे रखकर गये थे। आपने जिस ग्रांट की घोशणा की वह तो चौधरी बंसी लाल जी के समय की बनती थी। (विघ्न) चौधरी बंसी लाल जी के इन कारनामो की वजह से ही लोगो ने वह सरकार बना दी नही तो इनकी सरकार कौन बनाता था।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मांगे राम जी से जानना चाहता हूं कि मेरी सरकार किसके कारनामो से बनी थी?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, हमारे कारनामो से नही बनी थी बल्कि आपने जनता के साथ धोखा करके झूठे वायदे करके वह सरकार बनायी थी।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, 24 जुलाई 1999 को जो चौटाला साहब के नेतृत्व मे सरकार बनी थी वह कांग्रेस और हरियाणा विकास पार्टी दोनो के कारनामो से बनी थी और जो हमारी सरकार बनी है वह हमने जो अपने पिछले सात महीनो मे काम किए है, उनके पोजिटिव अचिवमैंट से बनी है।

श्री भुपेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपको उदाहरण देना चाहता हूं कि इनकी सरकार क्यों बनी? अंग्रेजो के समय की बात सुना रहा हूं ध्यान से सुनो। सांपला मे एक जिलेदार था उसकी जिम्मेदारी तुडवा दी। सांपला के सेठ का उसके साथ झगडा हो गया तो सेठो ने मुकदमा कर दिया और जिलेदार ने भी कोर्ट केस कर दिया। जिलेदार कोर्ट मे जीत गया और जीतने के बाद सेठ के घर डांग खडका दी कि मै कोर्ट से जीतकर आया हू तो सेठ ने कहा कि तू अपने कर्मो से जीतकर नही आया बल्कि हमारे कुछ कर्म माडे थे जिनकी वजह से जीतकर आया है सो आपका वही हाल है कि हरियाणा प्रदे ा के लोगो के कुछ माडे कर्म बाकी थे जिनकी वजह से आप जीतकर आ गए।

श्री मांगे राम गुपताः अध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी को मेरा सुझाव है। इनकी पार्टी की तरफ से जितने माननीय सदस्य बोले सभी ने अग्रोहा मैडीकल कालेज के बारे मे खुब दबदबा मचाया। मै भी इनका धन्यवाद करता यदि इन्होने जो सात करोड रुपये जारी करने की घोशणा की थी, उस रा ि ा को रिलीज कर देते। सात करोड मे से आपने एक करोड रुपया रिलीज किया है यह उनके साथ बहुत बडा धोखा है आप इस 31 मार्च तक उनका बकाया 6 करोड रुपया रिलीज करें। अगर आप समाज की वाहवाही लेना चाहते है तो यह रा ि ा भीध्र रिलीज कर दें।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मांगे राम जी तो वित्त मंत्री थे इनके अलावा इनकी पार्टी के सारे सदस्यगण जो उधर बैठे है, सारे जानते है कि जो सात करोड रुपये आप डयू बता रहे है इसमे रैकरिंग और नानॅ रैकरिंग दोनो चीजे मिलकर भाामिल होती है जहां तक तनख्वाहो का सवाल है तो उसका तो 50 लाख रुपया बकाय था और वह 50 का 50 लाख तुरंत रिलीक कर दिया था ताकि तनख्वाहें बकाया न रह जाए। दूसरे जो निर्माण कार्यो पर पैसा खर्च होता है उसके लिए कोई एक मु त रकम जमा नही कराई जाती। आज जैसे बजट मे प्रोविजन रखे है हर मद मे रखे है क्या यह सारा का सारा पैसा एक साथ रिलीज कर दिया जाएगा? वह तो जैसे जैसे निर्माण का कार्य गति पर आएगा। पी0 डबल्यू0 डी0 (बी0 एण्ड0 आर0) और सोसायटी मिलकर काम कर रही है। किसी वर्क को हम पैंडिंग नही रहने देंगे और काम होने का साथ साथ पैसा मिलेगा। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा भार्मा जी, मोबाईल फोन हाउस मे लाने की अनुमति नही है आप मोबाइल फोन यहां लेकर न आया करें।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै यह कह रहा था कि जो पैसा है ग्रान्ट जो मिलनी थी उसके न मिलने के कारण सोसायटी जिसके अंदर मै पैट्रन हूं, जिंदल साहब भी है चीफ मिनिस्टर साहब और चौधरी देवी लाल जी भी पैट्रन है। स्पीकर साहब, जैसा मैने पहले बताया कि सोसायटी तो पैसा इकट्ठा

करके खर्च करती रही। गवर्नमैंट ने खर्च किया नही, हम भी भाामिल थे। बकायदा मिटिंग करते रहे और यहां तक की विरोध करते रहे। विरोध के लिए सोसायटी ने चौटाला सहब को बुलाया था उसके लिए एक महीना पहले ही टाईम नि चत किया था और 25 जुलाई का टाइम नि चत किया हुआ था। यह बात अलग है कि पहले उनको विपक्ष के नेता के रुप मे बुलाया था लेकिन परमात्मा की करनी थी कि वे वहां विपक्ष के नेता के रुप मे नही बल्कि मुख्य मंत्री के रुप में गए और मुख्य मंत्री जी ने जाते ही कह दिया कि पिछले दो साल से जो काम बंद पडे है उसे चालू करवाइए। उस जमीन पर जाने से पहले ही चौटाला साहब को मुख्य मंत्री का पद दिला दिया और 25 तारीख को जाते ही उन्होने अग्रोहा मैडिकल कालेज की ग्रांट को बहाल करने के आदे ा दे दिए और जितना पैसा बनता था रिलीज हो गया है और ज्यों ज्यों एल0 ओ0 सी0 की डिमाण्ड आती जाएगी पैसा रिलीज होता रहेगा।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै तो वित्त मंत्री जी को बहुत इंटेलिजैंट समझता था। ये कह रहे है कि सरकार अग्रोहा मैडिकल का एक पैसा भी बाकी नही रखेगी। लेकिन सवाल इस बात का है कि सरकार ने पहले यह कहा था कि हम अग्रोहा मैडीकल कालेज को सात करोड रुपया देंगे। मै वित्त मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि उन्होने जो बजट पे ा किया है क्या उस

बजट मे इन सात करोड रुपयो को रिलीज करने का कोई प्रावधान है?

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, श्री मांगे राम गुप्ता जी ने बजट को अच्छी तरह से पढा नही है वरना ये इस बात को नही कहते।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, कहने को तो हर कोई कह सकता है कि हम यह देंगे और वह देगे। लेकिन मै आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि जब वित्त मंत्री महोदय यह जानते है कि महराजा अग्रसेन के आि र्वाद से यह सरकार बनी है और चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी का इलाका भी वहां पर पडता है, चौधरी ंसपत सिंह का इलाका भी वहां पर पडता है और चौधरी देवी लाल जी ने ही उस कालेज के लिए जमीन दी थी। इसलिए मै सरकार से कहना चाहता हूं कि अग्रोहा मैडिकल कालेज की 6 करोड रुपये की ग्रांट को जल्दी से जल्दी रिलीज किया जाये। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सडको का सवाल है सडके तो यह सरकार बना ही देगी क्योंकि वर्ल्ड बैंक से लोन जो ले रखा है। बिजली की सुविधा देने के लिए भी यह सरकार जरुर कुछ करेगी क्योंकि वर्ल्ड बैंक से लोन ले रखा है। बजट मे ऐसा कहा गया कि स्कूलो को ज्यादा खोला जायेगा जिससे ि ाक्षा मे सुधार हो, अस्पताल ज्यादा बनवाएं जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, आमदनी के लिए सबसे ज्यादा जरुरी है कि आदमी अपनी सुरक्षा, अपनी इज्जत को ठीक ढंग से बचा

सके। जब आदमी का घर से बाहर निकलना ही दुभर हो जाये, सडक पर जाते हुए यह लगे कि कही कोई किडनैप न कर ले तो इस हालात मे आदमी अपने आपको सुरक्षित कैसे महसूस कर सकता है? ऐसी हालत मे सरकार की नाकामी समझी जाती है और सरकार की बदनामी भी होती है। अध्यक्ष महोदय मुख्य मंत्री जी ने भाराब बंदी के समय एक बडे माफिया गिरोह का जिक्र किया जिसने इस प्रदे ा मे बडेबडे काइम किए है। इस बात के लिए सभी सदस्य सहमत है। अध्यक्ष महोदय, जब काइम प्रदे ा मे बढ जाता है तो कही पर लूट–खसोट हो रही है, कही पर चोरी हो रही है, कहीं पर किडनैपिंअ हो रही है कही पर मर्डर हो रहा है तो कही पर सरकार का कर्तव्य बनता है कि ऐसे लोगो को उनकी सजा से सबक मिल जाये और फिर उस काइम को करने की किसी दूसरे आदमी मे हिम्मत न रहे। क्योंकि हर वक्त तो सरकार किसी भी आदमी की पैरवी नही कर सकती कि 24 घण्टे उसके घर पर पुलिस का पहरा दिया जाये। ऐसे पता भी नही चलता कि अपराधी किस आदमी को किस समय अपना नि ाना बनायेंगे। इस बात के लिए मै सदन के सामने एक छोटा सा उदाहरण देना चाहता हूं। मेरे हलके के गांव बडा खुर्द जो कि जीन्द से 6 किलोमीटर दूर है दिसम्बर, 1999 को उस गांव के ही किसी अपराधी आदमी ने एक छः साल के बच्चे का किडनैप कर लिया। उस बच्चे के घर वाले सारी रात इधर–उधर ढूंढते रहे लेकिन दूसरे दिन उस गांव के सकूल के पास उस बच्चे की ला ा मिली और जिस हालत मे उस बच्चे का मारा गया था उससे ऐसा

अनुमान लगाय जा सकता है कि कोई अपराधी जगत का ही आदमी ऐसी मौत मार सकता है। उस छोटे से बच्चे की किस के साथ दु मनी हो सकती है। क्या उस बच्चे का मर्डर जाति दु मनी के कारण हुआ। जो मर्डर जाति दु मनी की वजह से होते है उनकी डिक्लेयरे ान हो जाती है कि फलां आदमी को मैने मार दिया। उस गांव के लोग दे ा के प्रधानमंत्री से मिले और यहां के मुख्य मंत्री से मिले। लेकिन तीन महीने होने जा रहे है आज तक यह सरकार उस 6 महीने के मासूम बच्चे की निर्मम हत्या करने वाले मुल्जिकम को गिरफतार नही कर पाई। जब तक ऐसी हालत रहेगी तो बच्चे स्कूल कैसे जाएंगे, लडकियां कालेज कैसे जाएंगी, व्यापारियो का काम कैसे चलेगा? दुकानो के कब्जे होना, किडनैपिंग जैसे इन्सीडैंटहो जाते है लेकिन ऐसे काम करने वालो को सजा देना इस सरकार की डयूटी बनती है। यह सरकार जनता की बनाई हुई है, आपकी सरकार पंजातंत्र की सरकार है मै आपका विरोधी नही हू। मै तो कहता हूं कि आपकी सरकार पूरे 5 साल चले। दल बदल बदल कर सरकार तोडना ठीक बात नही है। हमारे लिए आपस मे एक दूसरी सरकार की बुराई करना ठीक बात नही है। पंजातंत्र की जो सरकार बनी है हमे उससे खु ाी है। अध्यक्ष महोदय, यह सरकार किसानो के हित की बात करती है। मै वित्त मंत्री महोदय को एक बात कहूंगा कि वे मुख्य मंत्री महोदय से एक काम करवाएं कि किसानो की तरफ जो बिजली के बिल बकाया है उनको माफ कराएं क्योंकि उनमें हरियाणा के किसानो का कोई कसूर नही है। इनकी पार्टी के नेताओ ने किसानो को

कहा था कि आप लोग बिजली के बिल मत भरो और बिल न भरने की वजह से उन किसानो पर कई केस बन गए थे, कुछ को जेल मे डाल दिया गया था। ये बातें आज किसानो के गले की हडडी बन गई है। वे बकाया बिल आज हजारो और लाखो मे हो गए है इसलिए इन बिलो को माफ किया जाए।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सम्मानित साथी कह रहे है कि आपकी पार्टी ने नारा दिया था कि बिजली के बिल न भरो। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि ये एक बार न्यूज पेपर उठाकर देखें कि सबसे पहले किस की पार्टी के नेता ने यह नारा दिया था कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष की यह स्टेटमैंट आई थी कि हम फ्री बिजली–पानी देंगे। (ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः वह अलग चीज है मै तो बिलो की बात कर रहा हूं।

श्री संपत सिंहः हम इस बात को मानते है कि वह अलग चीज है।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि हमारी पार्टी का यह ऐलान नही था कि बिजली के बिल न भरो। यह गलत बात है। जिस समय किसान इसके लिए आन्दोलित थे, यह भाई मंत्री बनकर उनकी ला ाो के उपर से निकलते थे। उस समय किसकी सरकार थी कौन वजीर थे, यह

इस बारे मे बताएं? जब निसिंग मे, कादमा में, टोहाना, नारनौंद मे और मण्डियाली मे दर्जनो किसान मारे गए थे ये कांग्रेस के भाई झंडी वाली गाडियो मे घुमते थे और अब ये किसानो के हमदर्द बनते है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये बार बार बीच मे जवाब देने खडे हो जाते है, यह ठीक बात नही है। इन्होने किसानो को गुमराह करके बिजली के बिल नही भरने दिए और कहा कि जब हमारी सरकार आएगी हम इन बिलो को माफ कर देंगे।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, अब ये इन्टरवीन कर रहे है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि लीडर आफ अपोजी ान और मुख्य मंत्री महोदय कही भी इन्टरवीन कर सकते है। माननीय साथी गलत बात कह रहे है, यह ठीक नही है। उस वक्त इन्होने वोट लेने के लिए हर तरह से किसानो को गुमराह करने का काम किया। अब इनकी सरकार बन गई है इसलिए इनका यह धर्म और फर्ज बनता है कि ये किसानो के बिजली के बिल माफ करें।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि आज वे बकाया बिल जो लाखो मे हो गए है उनको किसान देने की स्थिती मे नही है। अध्यक्ष

महोदय, चाहे मौजुदा सरकार उन किसानो के बिजली के कनैक ान काट दे, चाहे उन्हे उठाकर जेलो मे बंद कर दे। लेकिन वे किसान अब बिजली का बिल भरने की हालत मे नही है। अब वे बिजली के पुराने बिल नही भर सकते। अध्यक्ष महोदय, जनता ने बडे वि वास के साथ चौटाला साहब की सरकार बनाई ळै और ये अपने आपको किसान हितैशी बताते है। जब ये दूसरे हैड मे बहुत ज्यादा पैसे खर्च कर सकते है तो क्या ये किसानो के पुराने बिजली के बिल नही माफ कर सकते? अध्यक्ष महोदय, ये मुफ्त बिजली पानी किसानो को दें, मै इसके हम मे नही हूं क्योंकि जब पैसे देने से ही बिजली नही मिलती तो मुफ्त में कहां से मिल जाएगी? पंजाब ने अपने किसानो को मुफ्त मे बिजली दी है, वहां पर लेने के देने पड गए है। अध्यक्ष महोदय, किसानो को मुफ्त की बिजली देने से न तो किसानो की भलाई होगी और न ही स्टेट की भलाई होगी। किसी वजह से किसान यूनियन द्वारा गुमराह किये जाने पर किसान बहक गये और उन्होने उस समय अपने बिजली के बिल नही भरे। अब किसान वह बिल भर नही सकता और सरकार उसे माफ नही कर रही। ऐसी स्थिती मे तो किसानो के गले मे हडडी अटक गई है। अध्यक्ष महोदय, इसका तो एक ही हल है कि मुख्य मंत्री महोदय को किसानो के वे बिल माफ कर देने चाहिए।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मांगे राम गुप्ता जी बहुत ही समझदार है। ये जानते है कि किसान यूनियन अब भी है

और चौधरी बंसी लाल जी के समय मे भी थी और कांग्रेस की सरकार के समय मे जब चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री थे, तब भी थी। अब भी किसान युनियन ने यह नारा दे दिया है कि वे बिल नही भरेंगे। हमारी सरकार को बने 8 महीने हो गये है और सभी माननीय सदस्य भी देख रहे है कि हमारी सरकार किस तरह से काम कर रही है। उन किसानो को कैसे नैगोि ाएट कर रही है। उनसे बात चीत कर रही है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल और चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ऐसे समय मे किसानो को लाठियो और गोलियो से जवाब देती थी। स्पीकर साहब, लाठियो और गोलियां चलाने से किसी समस्या का समाधान नही होता। समस्या का समाधान बातचीत करने से होता है और हमारी सरकार भी किसानो के साथ बातचीत कर रही है। पहले की सरकारो की तरह उन पर लाठियां या गोलियां नही चलवा रही। स्पीकर साहब, डिक्टेटरि ाप से काम नही चलता। चौधरी बंसी लाल जी तो इस मामले मे भजन लाल जी से भी आगे निकल गये थे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अनिता जी, प्लीज आप बैठिये।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, ये लोग किसानो पर गोलिया चलाते रहे, और हम जो किसाना से संबंधित है हम अपने घर मे बैठे रहे, यह कैसे हो सकता था। स्पीकर साहब, उस समय हमने किसानो की लडाई लडी, इनका विरोध किया ताकि और लाठियो व गोलिया ंन चले। स्पीकर साहब, यह कैसे हो सकता था

कि हम घर बैठे रहते और किसानो का खुन सडको पर बहता रहता और हम दोनो भाई अपने घर मे बैठकर मौज करते रहते। हमने उस समय किसानो का पूरा पूरा साथ दिया।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही अच्छी बात है कि इन्होने किसानो की मदद की लेकिन अब तो इनकी सरकार आ गई है। जैसे चौधरी देवी लाल जी ने कहा था कि किसानो का कर्जा माफ। आज उसी तरह होना चाहिए कि चौटाला साहब कहे कि किसानो के वे बिल माफ। इसमे नैगोि ाए ान की क्या बात है? (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः मांगे राम जी, आज बजट पर बोलिए।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै बजट पर ही बोल रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, कल मुख्य मंत्री जी हाउस मे राज्यपाल के अभिभाशण पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कह रहे थे कि प्रदे ा के लोगो की जीरी के अच्छे भाव दिये गये। लेकिन मै आपके माध्यम से उनको बताना चाहूंगा कि किसानो को जीरी का अच्छा भाव नही मिला। उनकी दुर्गति हुई। जैसा कि हुडडा साहब ने भी चर्चा की थी कि वे मंडियो मे गये थे। व्यापारी होने के नाते मेरी भी जीरी की दुकान है और जीरी बेचने का अनुभवी है। मै आपके माध्यम से सरकार के नोटिस मे लाना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी कल जवाब मे कहा कि सरकार ने किसानो से पहली सरकार के मुकाबले छः गुणा ज्यादा जीरी खरीदी और

राजस्थान से भी जीरी आकर हरियाणा की मंडियो मे बिकी है। मुख्य मंत्री का यह जवाब था जबकि यहां पर जींद की एक मण्डी का जिक्र करना चाहूंगा। हरियाणा प्रदे ा की जींद मे भी बहुत बडी मंडी है जिसमे किसान मुख्य रुप से पैडी की पैदावार लाता है और हमारे टाइम मेपूरे सीजन मे ढाई लाख रुपये बोरी पेडी की खरीद होती ीी लेकिन इस बार पूरा सीजन चला गया और पूरे सीजन मे सरकार ने सिर्फ एक हजार पैडी की बोरी खरीदी। सरकार तो छः गुणा पैडी खरीदने की बात करती है यह तो छठा हिस्सा भी नही है। अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी बताएं तो सही कि किसानो को वह भाव कहां मिले है? अध्यक्ष महोदय, बजट मे अलॉटमैंट के बारे में कोई जिक्र नही है कि कौन से डिपार्टमैंट फुड प्रोडक्टस के लिए क्या साधन जुटाएंगे। अध्यक्ष महोदय, इन चीजो की इन्होने बजट में कोई व्यवस्था नही की है। अब मै ला एण्ड आर्डर के उपर आता हूं। ला एण्ड आर्डर की बात कह कर मै बैठ जाउंगा। अध्यक्ष महोदय, इन्होने बजट के अंदर पुलिस डिपार्टमैंट के लिये कोई अलाटमैंट नही की। जिस तरह से गवर्नर साहब की स्पीच मे भी जिक्र किया गया है कि पुलिस के लिए और अच्छे हथियार खरीदेंगे, पुलिस की तादात बढायेंगे? यह काम तो सरकार का था। बजट मे इन्होने इस बात को टच ही नही किया कि किस हैंड के तहत यह कितने हथियार खरीदेंगे, कितने मकान पुलिस के लिए बनाएंगे, कितनी और रिक्रूटमैंट करेगे अथवा और क्या सुविधाएं देंगे। क्राइम रोकने के लिए क्या पैट्रोलिंग होगी? इस डिपार्टमैंट को तो टच भी नही किया गया है।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मांगे राम जी भी वित्त मंत्री रहे है। इनको सब चीजो का पता है कि सारी बातें विस्तार से बजट स्टेटमैंट मे नही आती है। इनके पास कितने बडे पोथै है जो कि सरकार ने इनको दे रखे है, उनको ये पढे। अध्यक्ष महोदय, अब ये सी0 डी0 की बात करते है वह तो इनकी आसानी के लिए बनाई गई ताकि ये जिस डिपार्टमैंट के जिस हैड को निकालना चाहे, निकाल कर देख सकते है। प्लान मे निकालना चाहे तो प्लान मे देख लें। सरकार ने इसके लिये इतनी सुविधा दे दी है लेकिन ये तो मात्र बजट स्टेटमैंट पढकर आ गये है, उससे तो बात नही बनती। अगर इन्होने मेहनत की होती, पोथे पडे होते तो इनको सारी बातो का पता लगता। बजट स्टेटमैंट मे तो मोटी मोटी बाते कही जाती है। पूरा बजट अगर आज मे पढना भ्ाुरु करे तो पढते पढते अगला हफता आ जाएगा। पूरी रामायण की तरह यह पोथा है।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, यह रैलेवेनट जवाब दें। मै यह तो नही कहता कि सारा पोथा ये पढ सकते है या फिर सारा पोथा पढे लेकिन जो मेन डिपार्टमैंटस है जिनसे सरकारे चलती है उनकी बजट अलाटमैंट का जिक्र तो बजट मे आना चाहिए। ऐसे कह देने से तो काम नही चलता कि बहुत सारी किताबे भरी पडी है। भरी पडी है तो कोई मतलब नही होता। रामायण की किताब मे भी एक आदमी सारां ा मे सारी जरुरी बातो को लेता है। इनको मेन

डिपार्टमैंट की बजट अलाटमैंट तो दिखनी चाहिए थी जैसे लॉ एण्ड आर्डर डिपार्टमैंट है, फुड एण्ड सप्लाई डिपार्टमैंट है, फि ारीज डिपार्टमैंट है, कृशि या बागवानी डिपार्टमैंट है। सरकार ने इस तरह से कोई भी डिपार्टमैंट टच नही किया है। अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने इस सरकार के बनने के बाद अपना पहला बजट पे ा किया है। यह महकमा कांटो के ताज से भरा हुआ महकमा है। इस विभाग मे रहते हुए आप कोई सैर–सपाटा नही कर पाएंगे। इस महकमे मे बहुत मेहनत के साथ काम करना पडता है। जब मै वित्त मंत्री था तो उस वक्त तकरीबन सारे मंत्री दूसरे दे ा की यात्रा कर आये थे लेकिन मै तो किसी दूसरे दे ा क्या बल्कि अपने ही दे ा के किसी दूसरे प्रदे ा मे भी नही जा पाया था। मै 5 साल तक वित्त मंत्री रहा और कभी भी एक पैसे का नया टैक्स नही लगाया। टैक्स न लगा कर भी हम खजाने मे काफी पैसा छोडकर गए थे। लहमने अपने समय मे कभी भी घाटे का बजट पे ा नही किया। सम्पत सिह जी आप मेहनत के साथ इस विभाग मे काम करें या फिर यह महकमा किसी काबिल व्यक्ति को सौंप दें। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप वाईन्ड अप करें।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने खुद माना है कि इस बजट मे कुछ कमी रह गई है। मै आ ाा करता हूं कि जो कमियां रह गई है उनको ये दूर करने की

कोि ा ा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्य मं?ी जी अब जीन्द डिस्ट्रिक्ट के मुख्य मंत्री हो गये है। ठीक है सिरसा डिस्ट्रिक्ट के साथ इनके अपने पुराने पैतृक संबंध है। वहां पर चीनी मिल और चावल की मिल लगाई जा रही है। हमें इस बात की खु ी है कि उस इलाके के लिए अच्छे काम हो रहे है। आपके माध्यम से मै मुख्य मंत्री जी के नोटिस मे लाना चाहूंगा कि हमारा जीन्द जीला एक पिछडा हुआ जिला है। (विघ्न) मै इस बात को मानता हूं कि पीछे जींद जिले को जो नुमाइन्दगी रही वह ढीली रही। जींद का जो एक मंत्री रहा उसको बंसी लाल जी भी अपने पास रखने मे लगे रहे लेकिन वह डटा नही। बाद मे चौटाला साहब ने उसको डाटने की कोि ा ा की लेकिन इनके साथ भी वे नही डटे। बाद मे ये कांग्रेस मे आये और वह कांग्रेस में भी नही डटा। उसके न डटने से चुनावो मे जींद जिले में कांग्रेस को नुकसान हुआ। मै सरकार के नोटिस मे लाना चाहता हूं कि जींद जिले मे सीवरेज की हालत बहुत बुरी है। (विघ्न) कुछ भाई बैठे बैठे कह रहे है कि जब मै मंत्री रहा तो मैने क्या किया। मै इन भाईयो की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा जब मै मंत्री था तो उस वक्त मैने यहां की सीवरेज के लिए एक प्रोजैक्ट भाुरु करवाया था। उस पर काम करवाने के लिए 4 करोड रुपये भी दिये थे। बाद मे बंसी लाल जी की और चौटाला साहब की सरकार आ गई जिस कारण वह काम बीच में रुक गया। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः जब इस सरकार ने पीछे सत्ता संभाली तो उस क्त यह महकमा मेरे पास था। मैने उस वक्त जींद जिले की कमेटी को 30 लाख रुपये की एड दी थी।

श्री राम कुमार कटवालः जब मांगे राम जी मंत्री थे तो उस वक्त इन्होने अग्रोहा मैडिकल कालेज आग्रोहा मे खुलने दिया। उसे इन्होने जींद मे क्यें नही खुलवाया। ये गलत बात कह रहे है कि जब ये लोग सरकार छोडकर आये थे तो उस वक्त 500 करोड रुपया सरकार के खजाने मे था। ऐसी गलत बात कह कर ये सदन को गुमराह न करे। जीन्द जिले का इनके वक्त मे ही बुरा हाल हुआ है।

11:00 बजे

श्री अध्यक्षः मांगे राम जी, आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है आपकी पार्टी के दूसरे लोगो को भी बोलना है। इसलिए आप अपनी बात को समाप्त करें। वैसे तो जितना टाइम आपकी पार्टी का अलॉट हुआ है उतना ही आपको मिलेगा जितना ज्यादा समय आप बोलेंगे यह टाईम आपकी पार्टी के टाइम मे से कट जाएगा।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै अपनी बात को समाप्त कर रहा हूं। मै यहां पर हाउस मे एक बात कहना चाहता हूं कि जो भी जनता के लाभ की चीज है वह की जाए,

चाहे वह सीवरेज है, चाहे वह सउक है, चाहे वह होस्पीटल या दूसरी जरुरत की चीजे है वह सब होनी चाहिए। सरकार बनने के बाद जनता को सुविध देने के लिए सरकार मे यह नही होना चाहिए कि पिछली सरकार ने यह काम भाुरु किया था इसलिए इसकी जरुरत नही है। अध्यक्ष महोदय, हम जींद मे राजपुरा गांव मे पोलिटैक्नीक कालेज मंजूर करके गए थे वह वर्ल्ड प्रोजैक्ट की स्कीम है और इसके लिए पैसा भी अलाट हुआ पडा है, गांव की 25 एकड जमीन भी सरकार को ट्रांसफर हो चुकी है लेकिन आज तक वह पोलिटैक्नीक कालेज नही बन पाया है। इसका कारण सिर्फ यह है कि यह चौधरी भजन लाल जी की सरकार के समय मे मंजूर हुआ थ। कल मुख्य मंत्री जी जिक्र कर रहे थे कि पत्थर लगे रह गए तो अगर सरकार उन पर काम नही करवाएगी तो वे बनेंगे कैसे? अध्यक्ष महोदय, मै वित्त मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि जो चीजें सरकार से सैंक ान हो चुकी है चाहे चौधरी भजन लाल जी की सरकार के समय मे हुई हो, वे सारी चीजे हरियाणा के लोगो के लिये है और उन सब को सरकार द्वारा बनवाया जाना चाहिए तथा सारा काम नेक नीयती से करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै वि वास करता हूं तथा मुझे पूरी उम्मीद है कि वर्तमान सरकार ठीक चल रही है और यह सरकार सभी को एक नजर से देख कर काम करेगी। अध्यक्ष महोदय, इन्ही भाब्दो के साथ मे अपनी बात समाप्त करता हूं तथा आपने बोलने के लिए मुझे जो समय

दिया उसके लिए मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री बलवन्त सिंह (सढौरा, अनुसूचित जाति): माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट इस सदन मे पे ा किया है उस पर बोलने के लिए आपने मुझे समय दिया उसके लिए मै आपका आभारी हूं। मै इस सदन मे पहली बार मैम्बर चुन कर आया हूं इसलिए अगर कोई असंगत बात जाने–अनजाने में मुझ से निकल जाए तो मै उसके लिए माफी चाहूंगा। माननीय अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। जिस संयत ढंग से तथा सुनियोजित तरीके से बजट तैयार किया है अगर उस पर नजर डाल कद देखा जाए तो यह पता चलता है कि राज्य ने चहुंमुखी विकास किया है। उसके वार्शिक प्लान में 2530 करोड रुपये का प्रावधान है जो कि वर्श 1999–2000 की सं ाोधित वयवस्था से 39.50% अधिक है। माननीय अध्यक्ष महोदय, इस बजट मे पावर, सिंचाई, सडको और परिवहन के लिए अधिकाधिक प्राथमिकता दी गई है तथा उसके लिए 1632.15 करोड रुपये की व्यवस्था का प्रावधान किया गया है जो कुल प्लान व्यवस्था का 64.05 है अर्थात् बिजली के लिए 626.75 इरीगे ान के लिए 506.22 करोड और बाढ नियन्त्रण के लिए 20 करोड रुपये भाामिल है जिससे

हरियाणा प्रदे ा का चहुंमुखी विकास होगा। स्पीकर सर, इसी बजट मे सामाजिक सेवाओ के लिए 657.45 की रा ि ा का प्रावधान किया गया है खासकर बुढापा पैं ान, विकलांग और विधवाओ के लिए भी 320.23 करोड रुपये की व्यवस्था इस बजट मे की गई है। हर व्यक्ति के लिए चाहे वह गीब है अथवा अमीर है इस बजट मे प्रावधान किया गया है। ि ाक्षा के लिए 160 करोड रुपये का प्रावधान है। वाटर सप्लाई और सैनिटे ान के लिए 58 करोड रुपये का, विकास के लिए 18.81 करोड रखे है। हरियाणा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है और हरियाणा की सारी इकोनॉमी कृशि पर निर्भर करती है। इसके लिए 111.80 करोड रुपये रखे गये है। जो सहायता प्रोजैक्ट सरकार के चल रहे है उसके लिए इस बजट मे पिछले वर्श के 624.47 करोड रुपये के मुकाबले में 1127.96 करोड रुपए की व्यवस्था की गई है यानि कि दुगुना पैसा रखा गया है। मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि सढौरा की तीनो तरफ ि ावालिक की पहाडियां पडती है। जब बरसात होती है तो उनमे से निकलने वाली नदियो से हजारो एकड जमीन बर्बाद हो जाती है। वहां पर जो सोम नदी है उसके पास 20–25 गावं जैसे धनौरा, माजरी, भगवानपुर, भटुवाला, सतावडी, हपालगढ, भोरगढ, सुन्दर, बहादुरपुर आदि–आदि है। इसमे पानी ज्यादा आने की वजह से वे दूसरे इलाको से कट जाते है। इसी तरह से वेभना छोटी नदी है उसमे भी पानी आने की वजह से डैहर,

अम्बली, गनौली, गहौली, बेरखेडी, ओखल, अडबोन, लखनौरा, अन्धेरी, सादिकपुर आदि गांव है जो कट जाते है। इन दोना नदियो पर पुल बनवाने की कृपा करें। सर, जब इन नदियो मे पानी आ जाता है तो वहां के किसान को अपनी फसल 20 किलोमीटर दूर से नारायणगढ होकर ले जानी पडती है। मै आपसे एक बार फिर प्रार्थना करता हूं कि वहां पर दो पुल बनवाने की कुपा करें और नदियो मे तेज बहाव से गांव न कटें इसका कोई प्रावधान करें। अध्यक्ष महोदय, राज्य मे 45 सौ किलोमीटर सडको की रिपेयर, सडको का पुननिर्माण, और कच्ची सडको को पक्का करने का विचार है यह बहुत ही सराहनीय काम है। स्पीकर सर, मेरे कहने का भाव है कि 2000–2001 का जो बजट पे ा किया गया है यह बडी ही समझदारी और बडी सुझबुझ से तैयार किया गया है। इसमें हर वर्ग की भलाई का ध्यान रखा गया हैं। मै वित्त मंत्री जी का और मुख्य मंत्री चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होने इतना बढिया बजट पे ा किया है। धन्यवाद।

श्री देवराज दीवान (सोनीपत): अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। सबसे पहले मै आपके माध्यम से इस महान सदन के सभी सदस्यो को दसवीं विधान सभा मे चुनकर आने के लिए बधाई देता हू।

दसवीं विधान सभा मे जो नयी सरकार व नये साथी आए है मै उन सभी को अपनी बधाई देता हूं। वित्त मंत्री जी ने कल जो बजट पे ा किया है अब मै उसके बारे मे कहना चाहता हू। अध्यक्ष महोदय, बजट सरकार का एक ऐसा दस्तावेज है जो सरकार की नीति, नीयत और उसकी कारगुजारी को भी ो की तरह द ार्शाता है। वित्त मंत्री जी ने जो यह बजट पे ा किया है इसमे कोई भाक नही है कि ये पूर्ण रुप से राज्य का चारो तरफ से विकास करेगा। इसलिए इस बजट की जितनी भी सराहना की जाए वह कम है। प्रजातांत्रिक प्रणाली मे जनता की आकांक्षाओ व आव यकताओ को देखते हुए कोई भी सरकार अपनी नीतियो तैयार करती है। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय वित्त मंत्री जी को कर मुक्म एवं संतुलित बजट पे ा करने के लिए बधाई देता हू। इस बजट को देखने से यह आभास होता है कि चुनावो मे इस सरकार ने जनता से जो वायदे किये उन वायदो को मूर्त रुप देने का काम सरकार ने इस बजट मे किया है। इस बजट मे प्रान्त के चहुमुखी विकास तथा लोगो के जीवन स्तर को उंचा उठाने के लिए सरकार ने अपना संकल्प व्यक्त किया है। आज समय की मांग है कि सरकार कुछ ऐसे नीतिगत निर्णय ले जिनसे भविश्य मे अधिक राजस्व जुटाने का मार्ग प्र ास्त हो सके। सरकार को आर्थिक एवं बुनियादी क्षेत्रो के विकास की तरफ पूरा ध्यान देना चाहिए। सरकार ने अंतर राज्य करो मे समानता लाकर तथा औघोगिक क्षेत्र को बढावा

देने के लिए जो नयी औघोगिक नीति घोशित की है उसके लिए सरकार बधाई की पात्र है। गन्ने का भाव 110 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करके जहां गन्ना उत्पादको को लाभ दिया गया है वहीं यूरिया एवं डी0 ए0 पी0 खाद के मुल्य मे छूट देकर अन्या किसानो को भी कृशि उत्पादन बढाने के लिए प्रोत्साहित करने का काम इस सरकार ने किया है और अपनी किसान समर्थित छवि को सरकार ने निखारा है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से सरकार द्वारा किये गयें वि ोश प्रयासो के कारण ही केन्द्रीय पूल से बिजली का उत्पादन 19% से बढकर 27% हो गया है।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, दीवान साहब अपनी लिखी हुई स्पीच यहां पर पढ रहे है। ये इसको सदन के पटल पर रखे और इसको पढा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्षः आप बैठें। वह ठीक स्पीच दे रहे है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, यह नियमो मे भी लिखा हुआ है कि यहां पर कोई सदस्य अपनी लिखी हुई स्पीच नही पढ सकता। ये अपनी स्पीच पढ रहे है इसलिए क्यों न इस सपीच को पढा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्षः वे केवल हैडिंग देख रहे है पढ नही रहे है। इसलिए आप अपनी सीट पर बैठे और उन्हे बोलने दें।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, आप जानते ही है कि आज के युग मे बिजली की कितनी आव यकता है? इसमें संदेह नही कि बिजली का उत्पादन हमारे प्रदे ा मे आव यकता से काफी कम है। इस कारण काफी दिक्कत का सामान करना पडता है। इस अवस्था को सुधारने के लिए जो कदम सरकार ने अभी तक उठाए है वह सराहनीय है। सप्लाई मे सुधार करके काफी हद तक बिजली की कमी को दूर करने का प्रयास किया गया है। खेत मे पानी के बिना किसान अपनी पैदावार को बढा नही सकता। सिंचाई की सुविधा के लिए जीवन मरण का प्र न है। सिंचाई के महत्व को मद्देनजर रखते हुए नहरो में अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने के लिए व नहरो की सफाई का कार्य करवाने के लिए बजट में पर्याप्त धनरा ि ा का प्रावधान किया गया है जिसके लिए इस बजट की प्र ांसा किए बिना नही रहा जा सकता। प्रदे ा के विकास में सडको का महत्वपूर्ण स्थान है। वर्श 2000–2001 मे सडको को मजबूत करने तथा सडको की मरम्मत के लिए करीब 582 करोड रुपये की रा ि ा का प्रावधान किया गया है। सोनीपत राठधना सडक को मेरठ सोनीपत सडक से जोडने वाली सडक के निर्माण के लिए सरकार ने प्र ाासकीय मंजूरी दे दी है इसके

लिए मै धन्यवाद करता हूं और उम्मीद करता हूं कि यह सडक जल्दी ही बनकर तैयार हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, सोनीपत राठधना रोड काफी हद तक बन चुकी है थोडी सी बाकी रहती है और इसमें कई जगहो पर दो–दो ढाई–ढाई फुट के गडडे है यह थोडा सा काम भी पूरा कर दिया जाए तो अच्छा रहेगा। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने पुलिस कर्मी की डयूटी के दौरान मृत्यु हो जाने पर पुलिस कर्मी के परिवार को 5 लाख रुपये की अनुग्रह रा ि ा देने का जो निर्णय लिया है, वह प्र ांसनीय है और सइके लिए वित्त मंत्री जी बधाई के पात्र है। चंडीगढ के सैक्टर 39 मे 504 नये सरकारी मकान बनाने का प्रस्ताव किया गया है जो कि सरकार द्वारा अपने कर्मचारियो की कठिनाई के प्रति जागरुकता को जाहिर करता है। अध्यक्ष महोदय, ग्रामीण तथा भाहरी क्षेत्रो मे साफ पीने के पानी की व्यवस्था करना बीमारियो की रोकथाम के लिए बहुत जरुरी है। इसके लिए सरकार ने 350 गावों मे 40 से 55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पीने का पानी उपलब्ध करवाने का प्रयास इस बार इस बजट मे किया है जो कि बहुत ही जरुरी व सराहनीय कदम है। वर्श 199 मे सुखे के हालात होने के बावजूद खाद, बीज और पानी की सुविधाएं उपलब्ध करवाने के कारण 116 लाख टन तथा 719 लाख टन तिलहन का उत्पादन हुआ है। नये निवे ा को आकर्शित करने से व उद्योगो को विकसित करने से 20 प्रति ात रोजगार के मौके बढेंगे। नई औद्योगिक नीति नवम्बर

99 में घाशित की गई है, वह एक आद र्ा नीति है जिससे राजय का आर्थिक विकास होगा तथा लोगो को रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे। मुझे उम्मीद है कि नयी ओद्योगिक नीति प्रदे ा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। चिकित्सा के क्षेत्र में सरकार ने नए नए अस्पताल, डिस्पैंसरियो और सब–सैंटर खोलने के अनेक सराहनीय कार्य किए है। इसके साथ ही महाराजा अग्रसेन चिकित्सा महाविद्यालय की मैचिंग ग्रान्ट को बहान करके चिकित्सा सेवा के लिए सोने पर सुहागे का एक और सराहनीय कार्य किया है जिसके लिए मै सरकार को बधाई देता हूं। औद्योगिक प्रि ाक्षण और वयावसायिह संस्थाओ के माध्यम से 30 हजार विद्यार्थियो को प्रि ाक्षण दिया जा रहा है। महिलाओ को स्व–रोजगार के साधन जुटाने पर वि ोश बल दिया जा रहा हैं। इस संबंध मे सरकार के प्रयासो की मै दिल से सराहना करता हू। आपरे ान विजय के दौरान कारगिल मे भाहीद हुए जवानो के परिवारो के लिए 10 लाख रुपये की रा ि ा प्रदान करना तथा भूरवीर घायल सैनिको को 3 लाख से लेकर 7 लाख रुपये तक की धनरा ि ा का दिया जाना उन भूरवीरो की वीरता का सम्मान है जिसके लिए यह सरकार अत्यनत सराहना की हकदार है क्योंकि ऐसा करके इस सरकार ने दे ा की एकता और अखण्डता के लिए कुर्बान होने वाले सैनिको और उनके परिवारो को एक सम्मान दिया हैं। हरिजन कन्यादान स्कीम के तहत 5100/ रुपे की रा ि ा हर

गरीब हरिजन कन्या की भाादी हेतु उसके माता–पिता को प्रदान कर सरकार ने दलितो को वि ोश सम्मान प्रदान किया है जिसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। वृद्धावस्था, पैं ान, विकलांगो तथा विधवाओ और बेसहारा लोगो को दी जाने वाली पैं ान की रा ि ा दुगनी करके सरकार ने महत्वपूर्ण सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। जिसके लिए मै सरकार को मुबारकबाद देता हूं। अध्यक्ष महोदय, राज्य सरकार द्वारा चुंगी समाप्त होने के फलस्वरुप नगरपालिकाओ को आर्थिक मदद देने के लिए 23.84 करोड रुपये की सहायता का प्रावधान किया है तथा फालतू घोशित किए गए तीन हजार से अधिक कर्मचारियो को अन्य विभागो में नौकरियो पर रख कर सराहनीय कार्य किया है। अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री महोदय द्वारा प्रस्तुत बजट एक संतुलित बजट है जिसमे राज्य के हर वर्ग का ध्यान रखते हुए किसी भी वर्ग पर करो का कोई अतिरिक्त भार नही डाला है और गरीब, मजदूर, व्यापारी, कर्मचारी की जरुरतो को मद्देनजर रखते हुए एक सराहनीय बजट प्रस्तुत किया है जिसके लिए वे बधाई के पात्र है। यह बजट समाज के हर वर्ग को एक नई दि ाा देने मे सक्षम होगा तथा राज्य के विकास मे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक भाानदार तथा विकासोन्मुखी बजट प्रस्तुत करने पर मै माननीय वित्त मंत्री जी की कु ालता तथा बुद्धिमता की

प्र ांसा करता हू। अध्यक्ष महोदय, अब मै अपने हलके के बारे मे कुछ बातें कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः दीवान साहब, वाईंड अप कीजिए।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के कुछ ऐसे गांव है जिनमे जो भाम ाान घाट है वे ऐसे स्थानो पर है कि जब बरसात का मौसम होता है तो वहां पर जाने के लिए कच्चे रास्ते तो होते है पर उनमे दो–दो फुट पानी खडा हो जाता है। आप जानते है कि हर इंसान को इस संसार से एक न एक दिन तो अव य जाना है। इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि उन रास्तो को पक्का करवाया जाए। मेरे हलके मे गांव है चिटाला, पिनाना, जुआं, माहरा, नैनातितारपुर, खिरजपुर, जाट माजरा, सादनखुर्द, सांवलकलां, बोहला, बैयांपुर तथा चटियो औलिया। इन गावो के भाम ाान घाट को जाने का रास्ता बिल्कुल ठीक नही है। वर्शा के दिनो मे भाम ाान घाट को जाने वाले रास्ते मे पानी इकटठा हो जाता है जिससे मृतक को भाम ाान घाट तक ले जाने मे बहुत कठिनाई का सामान करना पडता है और कई बार तो अर्थी उठाए लोगो के फिसल जाने से काफी दिक्कत हो जाती है। मै मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि हलका सोनीपत मे सभी गावों के भाम ाान भूमि को जाने के रास्ते भीध्र पक्के करवाए जाएं। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री

महोदय जी का ध्यान गांव की चौपालो की मुरम्मत और नवीनीकरण की ओर दिलाना चाहूंगा। गावो मे चौपालो की हालत बहुत ही खस्ता है और पिछले कई वर्शा ेस इनकी मुरम्मत के लिए आव यकता के अनुसार रा ि ा का आवंटन नही किया गया। मेरे हलके सोनीपत के गांव महाना मे वालमीकि, धानकान चौपाल, सांदलकलां मे हरिजन, धानकान चौपाल, गांव चटाना मे वाल्मीकि चौपाल, हरिजन चौपाल, बी सी चौपाल, गांव जाहरी में वाल्मीकि चौपाल, गांव पिलाना मे धानकान चौपाल, बी सी चौपाल, गांव थरिया में बी सी चौपाल, गांव बोहला मे हरिजन चौपाल, वाल्मीकी चौपाल, गांव कालूपुर मे धानकान चौपाल और हुल्लाखेडी मे बी सी चौपाल का मुरम्मत का कार्य तथा निर्माण कार्य होना बहुत ही अव यह है। मै एक बार फिर माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि इन चौपालो की मुरम्मत वर्शा ऋतु के आरम्भ होने से पहले करने के निर्दे ा जारी करें। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुराध है है कि सोनीपत हलके के एप्रोच रोड गांव किलादड के लिए, गांव जाहरी से गांव थरिया तक एप्रोच रोड गांव हुल्लाहेडी के लिए, गांव सांदलकलां से गांव थरिया तक, गांव सांदल कलां से सांदलकलां रेलवे स्टे ान तक, गांव जाहरी से कामी रोड तक, गांव सलारपुर माजरा से पिनाना तक, गांव जुआं से पांची तक वाया माहरा, गांव भाहजादपुर से गांव किलोडछ तक, पुरखास अडडा सोनीपत से लेकर चटिया

गांव तक, चटियां गांव से माहरा गांव तक लिंक रोड, जाहरी–थरिया लिंक रोड की मुरम्मत करवाने के लिए मेरा सरकार से अनुरोध है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से एक बात और भी कहना चाहता हूं कि हमारे सोनीपत भाहर मे एक बाई पास है उसका थोडा सा काम बाकी है जिसके बारे मे मैने कल भी मुख्य मंत्री महोदय को बताया था। उस बाई पास को भीघ्र ही पुरा करवाया जाए जिससे सोनीपत का ट्रैफिक बाहर का बाहर हो जाएगा और इससे एक्सीडैंटस कम होगे तथा रोजना लगने वाले जामो से भी छुटकारा मिल जाएगा। इसके अलावा मेरे हलके में 220 के0 वी0 सब–स्टे ान चालू हो गया है लेकिन उसके चालू हो जाने के बाद भी उसमें थोडा सुधार की आव यकता है इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि इसमें थोडा सुधार किया जाए। अंत मे मै। एक बात कहकर अपनी बात समाप्त करता हूं कि काकरोई और लहराडा गांव के खेतो की सिंचाई के लिए बुर्जी नं0 13800 पर एक मोगे की स्वीकृति प्रदान की गयी थी जिसके निर्माण के कार्या को भीघ्र अति भीघ्र करवाया जाए।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मेरा सभी माननीय सदस्यो से निवेदन है कि उनके जो भी सुझााव अपने हलके के है वे हमें लिखित मे दे दें, जो बोलने पर रह गये हो। दीवान साहब, आप भी अपने सुझााव मुझे दे दें। हम सभी सदस्यो के

सुझाव पर गौर कर लेंगे। चाहे वह सुझााव किसी भी मैंबर के हों।

श्री औम प्रका ा जिंदल (हिसार): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी का ध्यान कुछ जरुरी बातो की तरफ दिलाना चाहूंगा। जिनके बारे मे बजट मे चर्चा नही की गई है या की भी है तो नाम मात्र की। बजट मे बहुत सी कमियो रह गई है। जैसे सेल्जटैक्स बारे मेरा सुझााव है कि नई रेट लिस्ट 4 मार्च, 2000 से लागू की गई है। इस एक अप्रैल 2000 से लागू किया जाना चाहिए ताकि व्यापारियो को असैसमैंट करने मे परे ाानी न हो क्योंकि सरकारी वित्त वर्श भी एक अप्रैल से ही भ्ाुरु होता है। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त हरियाणा मे क ारो की रोडी पर और बजरी पर सेल्ज टैक्स 15% से बढाकर 20% कर दिया है जबकि मार्बल पर सिर्फ यह 10% है और इसका उपयोग अमीर लोगो और वपारियो द्वारा किया जाता है। जबकि बजरी और रोडी का उपयोग गरीब आदमी ही करता है। इसलिए इस पर बढाया गया टैक्स वापिस लेना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे दालो व अनाज पर 4: टैक्स लगाया गया है जबकि दिल्ली जैसे छोटे से राज्य मे इन पर कोई टैक्स नही है। क्योंकि यह आम आदमी की जरुरत की चीजें है। इसलिए मेरा सुझाव है कि इन वस्तुओ पर टैक्स समाप्तम किया जाये। अध्यक्ष महोदय, जब चौधरी

औम प्रका ा चौटाला जी की सरकार बनी थी उस समय हलवाईयो ने खु ाी से मिठाईयां बांटी थी। लेकिन अब उनके उपर भी टैक्स लगा दिया गया और अब वे चौटाला साहब को गालियां दे रहे है। इस बात पर भी मुख्य मंत्री और वित्त मंत्री जी ध्यान दें क्योंकि ये छोटे व्यापरी है, टैक्नीकल आदमी है और सरकार ने दुध से बनी वस्तुओ पर टैक्स लगा दिया है। इससे उनके रोजगार पर असर पड सकता है। इससे वे लोग बहुत परे ाान हैं और इस सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। (इस समय सभापतियो की सूची मे से माननीय सदस्य श्री रामपाल माजरा पदासीन हुए) सभापति महोदय, हरियाणा सरकार ने इस समय ट्रिब्यूनल कोर्टस में आई ए एस अफसरो को नियुक्त कर रखा है। जबकि वहां पर जुडीि ायल मैजिस्ट्रेट होने चाहिए ताकि लोगो को सही न्याय मिल सके। क्योंकि जुडीि ायल मैजिस्ट्रेट ठीक ढंग से न्याय करते है। आई0 ए0 एस0 अफसर सरकार से संबंधित होते है और सरकार के कहने के मुताबिक ही कार्य करते है। सरकार के कहने पर वे जिसको चाहे उसको सजा दे देते है और जिसको चाहे छोड देते है। इसलिए वहां पर ज्युडिसियल मैजिस्ट्रेट की ही नियुक्ति होनी चाहिए। सभापति महोदय, इसके अतिरिक्त जो अधिकारी ट्रिब्यूनल कोर्टस में बैठते ै वे वहां पर स्थाई तौर पर नही बैठते बल्कि सप्ताह में 2–3 घंटे ही वहां बैठते है और व्यापारियो को चण्डीगढ आना पडता है। इस ओर भी सरकार

को ध्यान देना चाहिए। सभापति महोदय, यदि अधिकारियो की कमी है तो और भर्ती करने चाहिए। लेकिन जो व्यापारी टैक्स देते है उन्हे पूरी सहुलियत मिलनी चाहिए। अगर उनको कोई सजा देनी है तो वह जल्दी ही मिलनी चाहिए। उनके बार बार कोर्ट में चक्कर नही लगने चाहिए। बहस होने के बाद भी व्यापारियो का फैसला काफी समय तक रिलीज नही किया जाता। जबकि फैसले की कापी व्यापारियो को एक हफते कं अंदर मिल जानी चाहिए। सेल्ज टैक्स कमि नर चण्डीगढ के दफतर से व्यापारियो को कोई स्पश्टीकरण संबंधी सूचना नही मिलती है। सेल्ज टैक्स से संबंधित सारी सूचनाएं व्यापारियो को उपलब्ध कराने की प्रबंध सरकार को करना चाहिए। सभापति जी, एक तरफ तो सरकार आर्थिक विकास की गति को तेज करना चाहती है और दूसरी ओर सरकार नये उद्योगो पर दी जाने वाली सेल्ज टैक्स की छूट को वापिस लेना चाहती है। मेरी समझ मे नही आता कि सरकार कैसे उद्योगो को बढावा देगी। इसलिए किस तरह से व्यापार बढे और उद्योगो को बढावा मिले इसके लिये सरकार को पूरा ध्यान देना चाहिए। सभापति जी, मुख्य मंत्री जी ने जुलाई, 1999 मे भापथ लेते ही अग्रोहा धाम में जाकर अग्रोहा मैडिकल कालेज की ग्रांट बहाल करने की एक पब्लिक जनसभा मे घोशणा की थी और प्रो0 सम्पत सिंह के हलके के लोगो ने तथा अग्रोहा समाज ने खुि ायां मनाई थी। प्रो0 सम्पत सिंह का वहां हलका लगता

है। वहां के लोगो ने चौटाला साहब को वोट देकर कामयाब भी किया है। अग्रोहा मैडिकल कालेज की 12 करोड रुपये की ग्रान्ट बनती है। मुख्य मंत्री जी की घोशणा से अग्रवाल समाज और वित्तमंत्री जी के हलके के लोग बहुत खु ा हुए क्योंकि चौधरी बंसी लाल जी ने यह ग्रांट बनद कर रखी थी। उन्होने ह ग्रांट इसलिए बंद कर रखी थी क्योंकि वह महाराजा अग्रसेन के नाम से चिढते थे। वे चाहते थे कि अग्रोहा मैडिकल कालेज को एक पैसा भी न दिया जाए। चौधरी औम प्रका ा चौटाला ने इस कालेज की ग्रांट तो बहाल कर दी लेकिन 9महीने बीत जाने के बाद भी इस कालेज के विकास के लिये केवाल मात्र 50 लाख रुपये की रा ि ा दी गई है। (ाोर) जब भी इसबारे में बात करते तो यही बात मिलती हैकि हम ग्रांट देने को तैयार है। काम पी0 डबल्यू0 डी0 ने करवाना है और वहां पर सामान रखा है और काम अधुरा पडा है। जब तक विकास का काम पूरा न हो जाए तब तक इस मैडिकल कालेज की बात करने को कोई फायदा नही है क्योंकि मैकिल की वहां पर कोई क्लासिज नही लग सकती। सभापति जी, मेरा आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी से निवेदन है क्योंकि वे वरिश्ठ सदस्य भी है और अग्रोहा इनका हलका भी रह चुका है और इन्होने ही इस अग्रोहा मैडिकल कालेज के लिये जमीन दिलाई थी तथा चौधरी देवी लाल जी ने ही इसकी फाउंडे ान रखी थी, हमारे अग्रवाल समाज ने करीब 15करोड रुपया इस कालेज मे लगा दिया है

और अब गवर्नमैंट की तरफ से ही कमी है। ये अच्छी तरह से इस बात को जानते है। इसलिए ये जल्दी से जल्दी इस कालेज की ग्रान्ट रिलीज करायें क्योंकि तकरीबन 100 किलोमीटर के एरिया में मैडिकल कालेज की कोई सहूलियत नही है। हरियाणा के अंदर चार मैडिकल कालेज होने चाहिए। रोहतक, कुरुक्षेत्र, महेन्द्रगए और अग्रोहा मैडिकल कालेज, हिसार मे यह सुविधा होनी चाहिए ताकि हरियाणा प्रदे ा मके सब लोगो को मैडिकल कालेज की सुविधा मिल सके। इसलिए मै मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि बकाया रा ि ा जल्दी से जल्दी रिलीज की जाये ताकि मैडिकल कालेज का कार्य जल्दी से जल्दी भाुरु किया जा सके जिससे आम जनता को फायदा हो सके।

सभापति महोदय, अब मै हिसार हलके की समस्याओ के बारे मे सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हू। हिसार भाहर की सउको की बहुत बुरी हालत है और उनमे जगह जगह पर खडडे पडे है। मार्केट कमेटी के पास ो सडके है उनकी मुरम्मत इसलिए नही हो पा रही क्योंकि कमेटी के पास पैसा नही है। मेरी सरकार से मांग है कि सरकार वहां पर पैसे देनेा का प्रबंध करे ताकि भाहर की सडके ठीक हो सके।

सभापति महोदय, अब मै हिसार भाहर मे पीने के पानी की कमी के बारे मे सरकार का ध्यान आकर्शित करना चाहता हू। वहां पर पीने के पानी के लिए जो टैंक बनाया गया

था वह आज से 20साल पहले बनाया गया था। उसकी कैपेसिटी उस समय की आबादी को देखते हुए बनाई गई थीं उस के बाद भाहर की आबादी कई गुणा बढ चुकी है जिस कारण अब वहां पर पीने के पानी की बहुत किल्लत हो गई हैं (विघ्न) भ्ज्ञागी राम जी आप मुझे अपनी बात कहने दें। सभापति महोदय, मै कह रहा था कि हिसार भाहर मे पीने के पानी की बहुत कमी है। अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि वहां पर पीने का पानी मुहैया करवाने के लिए तुरन्त कदम उठाये ताकि आम जनता को पीने का पानी मिल सके और उन्हे परे ाानी का सामान न करना पडें।

सभापति महोदय, हिसार भाहर बहुत पुराना होने की वजह से वहां की सीवरेज की लाईन की भी बहुत बुरी हालत बनी हुई है क्योंकि यह बहुत सारी जगहो से टूटी हुई है। सीवरेज लाईन टूटने के कारण वह पीने के पानी की लाईन के साथ मिल गई है जिस कारण लोगो को गन्दा पानी पीने को मिल रहा है। सीवरेज की व्यवस्था जो आज से 20–25 साल पहले हिसार भाहर मे भ्ाुरु की गई थी वह तकरीबन एक तरहसे ठप्प हो गई है। इस सीवरेज की गन्दगी सउक के उपर तक आ गई है। सभापति महोदय, मेरा आपके माध्यम ` सरकार से अनुरोध है कि हिसार के सीवरेज सिस्टम को ठीक करने के लिए वहां की मार्केट कमेटी को फण्ड मुहैयया करवाए ताकि

जनता को किसी प्रकार की कठिनाई का सामान न करना पडे। हिसार की जनता वहां पर खुले दरबार मे भी इस मांग को कई बार उठा चुकी है। अतः मेरा सरकार से इस बारे मे पुनः अनुरोध है कि वहां के सीवरेज सिस्टम को तुरन्त ठीक कराने के लिए वि ोश कदम उठायें। सभापति महोदय, हिसार भाहर एक बहुत ही भीड वाला भाहर है। वहां पर लोगो का तंग गलियां होने की वजह से निकलना भी दूभर हो गया है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस तरफ भी सरकार ध्यान देते हुए इस का कोई हल निकालने की कोि ा ा करे। चेयरमैन साहब, आपने यहां पर मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री बंसी लाल (भिवानी): चेयरमैन साहब, मै दो तीन प्वायंटस पर ही अपनी बात कहूंगा क्योंकि यह नई सरकार का पहला बजट है। सभापित जी, मै आपके जरिये श्री सम्पत सिंह जी के नोटिस मे लाना चाहूंगा कि इन्होने इस बजट मे बिजली के मद के अंदर 1070.13 करोड रुपये रखे है। इसमे से तकरीबन 506 करोड रुपया तो प्लान साइट मे और तकरीबन 562 करोड रुपया नान प्लान साईड मे रखा गया है। नान प्लान साई मू अब से पहले सबसिडी तकरीबन 800–850 करोड रुपये की थी जो कृशि क्षेत्र को दी जा रही थी। फरीदाबाद के गैस बेस्ड पावर प्लांट की 146 मैगावाट की तीसरी यूनिट और

पानीपत थर्मल पावर प्लांट की 210 मैगावाट की छठी युनिट भी चालू हो जाएगी। इससे कम से कम 10 परसेंट बिजली फारमिंग सैक्टर को ज्यादा मिल सकेगी। इसके बाद यह सबसिडी बढकर 1100–1200 करोड रुपये हो जायेगी। सरकार इस सबसिडी को कहां से पूरा करेगी इस बारे में बजट मे कोई प्रावधान नही किया गया है।

वित्त मंत्री जी ने बजट मे डब्लू0 आर. सी0 पी0 और वर्ल्ड बैंक से लोन लेने का जिक्र किया है। अध्यक्ष महोदय, इस बात की क्या गारंटी है कि वर्ल्ड बैंक और हरियाणा सरकार में लोन के बारे में समझौता हो भी पायेगा या नही हो पायेगा? इसके अलावा ओटू वीयर जहां पहले भी वहां से अब बन रही है वह 800 मीटर नीचे है। उसकी जो कैपेसिटी कम हुई है वहां सिल्ट आ गई। जो पानी ठहरता था वहां पर सिल्ट कास्ट होती थी। मै समझता हूं कि उस पूरी सिल्ट को निकलावाया जाए और उसके 2–4 किलोमीटर पीछे तक भी अगर जमीन ऐक्वायर करके पानी से भर लिया जाये तो उसमे खासा का हो सकता है और अच्छी सिंचाई की व्यवस्था हो सकती है। हमने एक बार स्कीम बनाई थी कि रेलवे लाईन तक ओटू वीयर को ले जाए, अगर आप ऐसा कर सके या जितना भी उसको बढा सके।, बढाएं तो ज्यादा अच्दा होगा और प्रदे ा को उससे फायदा है। चेयरमैन साहब, एक प्वायंट के बारे में मै और जिक्र करना

चाहूंगा। चौधरी सम्पत सिंह जी ने फलड प्रोटैक ान मैम्बर्ज को हाई प्रायोरिटी पर रखा है लेकिन उसके लिए केवल 20 करोड रुपये का प्रावधान इस बजट मे रखा है। 20 करोड रुपये से फलड प्रोटैक ान का काम नही हो सकता है। जहां पर 2700–2800 करोड रुपये का काम है वहां पर 20 करोड रुपये से कुछ नही हो सकता। अभी तो उन्होने बजट मे जो प्रावधान रखा है वह बहुत ही कम है और इसको बढाने की जरुरत है। चेयरमैन साहब, इस बजट मे हिसार–घग्गर ड्रेन का जिक भी किया गया है और यह ड्रेन बनाने के लिए काफी पैसे की जरुरत होगी।

श्री सम्पत सिहः चेयरमैन साहब, यह तो इस टाइम से भी पहले से चली आ रही है इसको वर्ल्ड बैंक के साथ टाई–अप करके तथा उनसे लोन सैंक ान करवाना है। 2700–2800 करोड रुपये का अभी जो इन्होने जिक किया इसमे और दूसरे प्रोजैक्टस भी है जो वर्ल्ड बैंक से जब पैसा आएगा तभी पूरे हो पाएंगे। अभी इन प्रोजैक्टस के लिए पैसे का अरेंजमैंट नही हुआ है अभी तो केवल स्कीमें ही बनी है।

श्री बंसी लालः चेयरमैन साहब, आपके माध्यम से मै एक बात सरकार को कहना चाहूंगा। चार करोड रुपये से ज्यादा की जो भी स्कीम होती है वह सी0 डबल्यू0 सी0 से मंजूर करवानी पडती है। उसकी क्लीयरैंस अगल ले ली गई है

तो बहुत अच्छी बात है लेकिन अगर क्लीयरैंस नही ली तो ले लीनी चाहिए। इस बारे हमने लिखा भी था। अब क्लीयरैंस नही ली गई तो बाद मे उनके भी चक्कर लगाने पड़ेंगे इसलिए वक्त से क्लीयरैंस ले ले तो अच्छी बात है। सी0 डबल्यू0 सी0 जब मंजूरी करने लगेगा तो वह हिमाचल प्रदे ा, पंजाब और राजस्थान की सरकार से भी पूछेगा। हिमाचल प्रदे ा और पंजाब को भाायद कोई आब्जैक्शान नही होगा लेकिन मै समझता हूं कि भाायद राजस्थान को आब्जैक ान हो क्योंकि ह आगे जा कर हनुमानगढ को डुबोती है। इसमे जो पानी जाता है वह पोल्यूटिड वाटर है। परवाणु बनूड और आगे जा कर राजपुरा डेरावसी की सब फैक्टरियों का गन्दा पानी घग्गर मे जाता है और फिर यह आगे जा कर सब से ज्यादा सिरसा के आखिरी हिस्से मे नुकसान करता है। साल डेढ साल पहले हनुमानगढ मे इस गन्दे पानी की वजह से कई मवे ाी मर गए थे और लोगो मे पीलिये की बीमारी भी फैल गई थी। इस बारे मे सी0 डबल्यू0 सी0 और राजस्थान गवर्नमैंट से बात करें। राजस्थान गवर्नमैंट की भी इस पानी मे भागीदारी है इसलिए वैसे तो उनको भी ऐतराज नही होना चाहिए। इसके अलावा 2530 करोड रुपये का जो प्लान चौधरी सम्पत सिंह जी ने बनाया है यह मुझे प्रैक्टिकल नही लगता इस लिए इसको घटाना पडेगा और रिवाईज़ करना पडेगा। मुझे ऐसा लगता कि

2530 करोड रुपये ये जुटा पाएंगे। चेयरमैन साहब, मै सिर्फ इतनी ही बात कहना चाहता हूं। (विघ्न)

श्री चन्द्र मोहन (कालका): माननीय सभापति जी, मै सबसे पहले आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। वित्त मंत्री जी ने सदन मे जो बजट पे ा किया है मै उसके विरोध मे बोलने के लिए खडा हुआ हूं। इस बजट को पढकर के ऐसा लगता है कि इसमे कही पर भी किसान भाईयो को, कर्मचारियो को, व्यापारियो को और मजदूर भाईयो को कोई राहत देने का प्रयास नही किया गया हैं। बजट का घाटा 196.77 करोड रुपये से आरम्भ होकर 294.56 करोड रुपये का अनुमान है। 97 करोड रुपये का घाटा खाली छोडा गया है। इस घाटे को पूरा करने के लिए खाली पदो की समाप्ति, नए पदो की भर्ती पर रोक, सरकारी खर्चे में कमी और टैक्सो की वसूली करके अतिरिक्त टैक्स जुटा कर पूरी की जाएगी। ऐसा उसमें लिखा गया है। जब ये सरकार बनने से पहले लोगो के बीच मे गए थे तो इन्होने कहा था कि हम भर्ती करेंगे अब ये भर्ती पर रोक लगा रहे है। इन्होने जो वायदे जनता से किए थे उनका क्या होगा? इसी प्रकार से ये यह बताएं कि सरकारी खर्चो मे किस प्रकार से कटौती की जाएगी। कौन से खर्चे कम हेागें। बजट अनुमानो पर चर्चा की गई लेकिन अफसोस की बात तो यह है कि चुनावो से पहले जो

किसानो के साथ वायदा किया था कि 5वीं स्लैब प्रणाली लागू करेंगे। उसकी भी इस बजट मे कोई चर्चा नही है। इसी प्रकार से टयूबवैल के कनैक ान देने की बात है। मै इनसे यह पूछना चाहता हूं कि जो कनैक ान काट दिए गए है उनके बारे में क्या करेंगे। सभापति महोदय, अग्रोहा मैडिकल कालेज के बारे मे हमारे कई साथियो ने चर्चा करते हुए कहा है कि मै इस बारे मे ज्यादा समय नही लूंगा लेकिन एक बात मै ऐड करना चाहूंगा कि गुरु जम्भे वर युनिवर्सिटी मे आदरणीय वित्त मंत्री जी और मुख्यमंत्री जी गए थे, उन्होने वायदा किया था कि जो चौधरी बंसी लाल जी ने राजनीतिक दुर्भावना करके उसका दर्जा घटाया है उसके बहाल करेंगे। इसके बारे मे सरकार की आज क्या मं ाा है। मै यह जानाना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, भाराब बंदी की आड मे चौधरी बंसी लाल जी ने 3000 करोड रुपये के टैक्स लगाए थे उस बारे में चुनावो से पहले यह सरकार कहती थी कि हम उनको वापिस ले लेंगे। इस बारे मे क्लीयर करेंगे। सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से सदन मे अपने क्षेत्र की समस्याओ के बारे मे बताना चाहूंगा। कालका क्षेत्र में जो सबसे बडी समस्या है वह पैरीफरी एकट की वजह से है। इस ऐक्ट की स्थापना जब चण्डीगढ बना था, तब हुई थी। उसके बाद तो सारा इलाका डिवैल्प हो गया है। इसमे कोई संदेह की बात नही है कि यह सैन्टर गवर्नमैंट से लिंकड है। सभापति महोदय, जैसे पंजाब में डेरावासी इन्डस्ट्रीयल

एरिया को बैकवर्ड एरिया घोशित करके वहां के रहने वालो को सुविधा प्रदान की जाए। अगर ऐसा करेंगे तो वहां पर जो रहने वाले है उनके उपर जो पैरीफरी की तलवार लटक रही है उससे उनको निजात मिलेगी। सभापति महोदय, इसी प्रकार से हमारे यहां पर जितने भी गांव है सब में आबादी बए गई है। लाल डोरे की समस्या हर गांव मे आती है। कनैक ान लेने की समस्या आती है। मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि लाल डोरे को बढाया जाए ताकि यहां के रहने वाले लोगो को सुविधा मिल सके। इसी प्रकार हमारा मोरनी क्षेत्र है उसमें सबसे बडी समस्या नोतोड को लेकर है। श्री भजन लाल जी के भाासन काल में कंसौलिडे ान का काम भाुरु हुआ था लेकिन श्री बंसी लाल जी ने अपने समय मे उसको बंद करवा दिया था। मेरा आपकी सरकार से नम्र निवेदन है कि उस काम को वारफुटिंग पर किया जाए, वहां के लोगो को राहत दी जाए। इसी तरह से दून और रायपुर क्षेत्र के एम0 पी0 ग्रान्ट से सिंचाई के लिए टयूबवैल्ज लगाए गए थे उनका आज तक कनैक ान नही लगा है। यह बैकवर्ड इलाका है, पहाडी इलाका है सरकार को चाहिए कि इस इलाके में टॉप पर कनैक ान दें। इसी तरह से इन्होने गवर्नर एड्रेस मे कहा है कि भाहरो को सुन्दर बनाने का प्रयास करेंगे। यह बात सही है कि घरो के बाहर जो एन्कोचमैंट है, वह कोर्ट के आर्डर से तोडी गई है। लेकिन मै यह कहना चाहता हूं कि उन जगहो को ये वहां से रहने वाले लोगो को

सस्तेदाम पर दे सकते है ताकि वह जो जगह है उसको वे लोग अच्छी तरह से मैनटेन कर सके। इससे सरकार का भी फायदा होगा और लोगो को भी फायदा होगा। एक और बात गवर्नर एड्रेस में थी कि गावों मे जो मैचिंग ग्रंट देते है उसको बएाया गया है यह तो बढिया बात है लेकिन भाहरो मे जो कॉलोनियां है जहां पर पंचायत नही है या जहां पर म्यूनिसिपल कमेटी नही है जैसे पंचकुला है तो अगर वहां के लोग कुछ पैसा इकटठा करके सरकार को दे तो क्या सरकार उसके बदले में ऐसे भाहरो को मैचिंग ग्रांट देगी? यह मै सरकार से जानना चाहता हूं। इसी तरह से जहां तक ि ाक्षा की बात है आपने भी अखबारो मे एडवरटाईजमैंट के माध्यम से पढा होगा कि अब टीचर्ज की भर्ती के लिए हरियाणा का डोमीसाइल होने की जरुरत नही है। सर, यह तो हरियाणा के लोगो के साथ धोखा है। अगर यहां पर बाहर के लोग आकर रहने लेगेगें तो यह अच्छी बात नही होगी। इसी प्रकार से मेरे हलके मे एक बिटना गांव है हां पर एक आई0 टी.0 आई0 का निर्माण चौधरी भजन लाल जी के समय मे हुआ था लेकिन बंसी लाल जी की सरकार ने उसको चालू करवाने की कोि ा ा नही की। मेहरबानी करके सरकार उसको चालू करवाने की कोि ा ा करे। इसी तरह से जहां तक पीले कार्ड का संबंध है इनको बनाने में बहुत धांधली हुई है। मै आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि इस बारे मे दोबारा सर्वे करवाया जाना

चाहिए और ये पीले कार्ड, सही हकदारो के ही बनाये जाने चाहिए। इसी तरह से बुढापा पैं ान की जहां तक बात है सरकार ने इसको सौ से दोसौ रुपये किया है। अच्छी बात है लेकिन मै चाहूंगा कि इसको 500 रुपये तक बढा दिया जाना चाहिए। साथ ही मै यह भी कहना चाहूंगा कि सरकार ने चाली साल के लोगो को भी इसका लाभ देने के लिए बुढा बना दिया है इसलिए मेहरबानी करके सरकार को इसका भी दोबारा से सर्वे करवाना चाहिए और उचित लोगो को ही इसका लाभ देना चाहिए। मै आपका पुनः धन्यवाद करना चाहूंगा कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

श्री अमर सिंह (गुहला, अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। आदरणीय वित्त मंत्री श्री सम्पत सिंह जी ने कल जो बजट यहां पर पे ा किया है मै उसके हक में बोलने के लिए खडा हुआ हू। वित्त मंत्री जी ने हरियाणा के चहुमुखी विकास के लिए हर मद के लिए जो पैसे का प्रोविजन किया है उसके लिए मै उनका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हू। चाहे वह बिजली की बात थी, चाहे वह सडको की बात थी, चाहे वह परिवहन की बात या चाहे वह सामाजिक कल्याण की सेवाओ की बात थी, उन्होने पूरी तरह से सोच समझ कर हर मद के लिए पूरा पैसा दिया है। चेयरमैन साहब, जहां तक बिजली की

बात है हरियाणा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है इसलिए यहां पर बिजली का होना बहुत ही आव यह है। अब हरियाणा के लोग एक ही बात करते है कि जब जब भी चौधरी देवी लाल जी का या चौटाला साहब का राज आया तब तक हरियाणा के लोगो को पूरी बिजली मिली और इसी कारण आज भी हरियाणा के लोगो को हमारी सरकार पर पूरा वि वास है। पिछले 6 महीनो में जो सरकार ने लोगो को बिजली दी है उसके लिए हरियाण के लोग बहुत आभारी है। हमारा कैथल एरिया एक कृशि प्रधान एरिया है। वहां पर लोग जीरी और कनक की खेती करते है। अभी पिछले दिनो जब लोग कनक की फसल को पानी दिया करते थे तो वे एक ही बात कहते थे किइस या बारह साल के बाद पहली बार उनको अपनी इस फसल को दिन मे पानी देने का मौका मिला है जबकि पहले वे लोग रात को ही पानी दिया करते थे क्योंकि पहले उनको दिन मे बिजली ही नही मिलती थी। चेयरमैन साहब, बिजली के विकास के लिए बजट मेजो पैसा रखा गया है, चाहे वह नये पावर हाउस बनाने की बात हो, चाहे नयी लाईने बिछाने की बात हो, सबके लिए पैसा रखा गया है इसके लिए मै भी सरकार का, वित्त मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि बिजली की जरुरत को देखते हुए उन्होने इस बारे मे पूरा पैसा रखने की कोि ा ा की। सर, जैसा मैने पहले भी कहा कि मेरा जो गुहला हलका है वह कृशि के लिहाज से पूरी तरह से जीरी और कनक की खेती पर निर्भर है

इसलिए वहां पर बिजली किसान के लिए बहुत ही जरुरी है। मै आपके द्वारा सरकार से प्रार्थना करता हूं किहमारे गुहला हलके मे 232 के0 वी का पावर हाउस मंजूर है उसके लिए जमीन भी ऐक्वायर हो चुकी है इसलिए कृप्या उस पर काम भाुरु करवाया जाए ताकि आने वाले दिनो मे किसानो को पूरी बिजली मिल सके और खेती के लिए पूरी बिजली उपलब्ध हो सके। सर मेरे हलके मे तीन सब डिविजन है। ये है—गुहला, चीका और सीवन सब डिवीजन।12:00 बजे जब कांग्रेस का राज था उस समय उन तीनो सब डिवीजनो को एक डिवीजन बनाने के लिए ऐस्टीमेट बनाया गया था और वह पास भी हो गया था लेकिन उसके बाद कोई काम नही हुआ है। हमारा सिविल सब डिवीजन कैथल मे पडता है और उप मंडल गुहला और चीका व सीवन मे पडते है। हमें अपने कामो के लिए गुहला, कैथल और पेहवा, चीका व सीवन के चक्कर काटने पडते है मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इन तीनो सब डिवीजनो को मिलाकर गुहला मे एक डिवीजन बनाया जाए। वहा ंपर लोगो को बिजली की जरुरत है और उसके लिए कभी कैथल के व कभी पेहवा के चक्कर काटने पडते है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि मेरे हलके के गांव काटड मे 33 के0 वी0 सब स्टे ान का काम चालू है। जीरी का सीजन आने वाला है उससे पहले पहले इस सब स्टे ान का काम पूरा हो जाए ताकि लोगो को पूरी बिजली मिल सके। जहां तक सिंचाई की बात है मै धन्यवाद

करुंगा कि सिंचाई की तरफ भी सरकार ने पूरा ध्यान दिया है और पूरा पैसा इसकी मद में रखा गया है। मेरे हलके मे मारकण्डा डिस्ट्रीब्यूट्री है जो हमारे यहां के सभी गावो को पानी देती है जब कांग्रेस के राज मे इस डिस्ट्रब्यूट्री को पक्का किया गया तो पेहवा हलके के पास इसके बेड को उपर उठा दिया गया। इसकी क्षमता 444.9 क्यूसिक की है लेकिन इसमे 360 क्यूसिक पानी छोडा जाता है जिसकी वजह से इस नहर मे सिर्फ चीका तक ही पानी पहुंचता है। चीका से आगे के 20—25 गावो मे पानी नही पहुंचता। चेयरमैन सर, जब मै 1991 मे विधान सभा मे सदस्य के रुप में चुनकर आया था तब मैने कांग्रेस सरकार को फोटो लाकर दी थी। गावों मे लोग बटोडे वहां रखते है जहां पानी न पहुंच सके। हमारे वहां लोगो ने इस डिस्ट्रीब्यूटरी मे बटोडे रखे हुए है और वे इसे सेफ जगह मानते है क्योंकि वहां पर पानी कभी पहुंचा ही नही। वह फोटो लाकर दिखाने के बावजुद कांग्रेस सरकार ने उस ओर कोई ध्यान नही दिया और यह सोचकर नही दिया क्योंकि गुहला हलके से हमे ाा इनकी विरोधी उम्मीदवार जीता रहा है। पीछे श्री बंसी लाल जी की सरकार ने भ मेरे हलके की तरफ कोई ध्यान नही दिया। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि स लेवल को दोबारा से चैक करके पानी पूरा का पूरा टेल एंड तक पहुंचाया जाए। बिजली और पानी हमारे यहां के किसान के लिए बहुत जरुरी है। मै वित्त मंत्री जी का इस बात के लिए भी धन्यवाद

करता हूं कि उन्होने सडको और पूलो की रिपेयर के लिए भी पैसा रखा है। चेयरमैन सर, जैसे कि मैने पहले भी कहा है कि पिछली सरकार ने मेरे हलके की तरफ कोई ध्यान नही दिया। मेरा हलका बाढ प्रभावित क्षेत्र है पिछली सरकार ने एक नया पैसा भी मेरे हलके की सडको के लिए नही दिया। मै चौटाला साहब का धन्यवाद करता हूं कि उनके मुख्स मत्री बनने के बाद मेरे हलके की कुछ सडको की मुरम्मत हुई। जहां तक कृशि का सवाल है मै पहले भी कह चुका हूं कि पूरा जिला कैथल या गुहला हल्का कृशि के क्षेत्र मे सबसे आगे है और पूरा उत्पादन देता है। चेयरमैन सर, आपके माध्यम से मेरी सरकार से प्रार्थना है कि बिजली और पानी की तरफ वि ोश ध्यान दिया जाए ताकि मेरे हलके के किसानो को कृशि की तरफ ध्यान देने में कोई कठिनाई न आये। चेयरमैन सर, चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी ने चुनाव से पहले सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत खुले दरबार में कैथल भाहर मे सीवन अनाज मण्डी को मंजूरी दी थी। अगर उस मण्डी को बनाने का काम सरकार भ्ाुरु कर दे तो मै बडा आभारी रहूंगा। इसके अलावा मेरे हलके मे चीका मण्डी की मंजूरी सरकार की तरफ से हो चुकी है और उसकी जमीन भी ऐक्वायर हो चुकी है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि इस साल मे ही चीका मण्डी बनाने का काम भ्ाुरु किया जाये। चेयरमैन सर, आपके माध्यम से मै सरकार को एक बात और कहना चाहता हूं। गेहूं का सीजन

भुरु होने वाला है परंतु पिछले सीजन मे जो गेहूं की परचेज की गई थी चाहे वह कैथल मे हो या पुण्डरी में हो, चाहे गुहला मे हो वह सारा गेहूं वहां के भण्डारो मे ही पडा है केन्द्र सरकार ने उस गेहूं को वहां से अभी तक नही उठवाया है। नई कनक आयेगी तो उसका भण्डारण कहां किया जाएगा? इसलिए मरेा सरकार से अनुरोध है कि केन्द्र सरकार से अनुरोध करके पूरानी गेहं को भण्डारो मे से उठवाया जाये ताकि नई गेहूं के भण्डारण मे कोई दिक्कत न हो। चेयरमैन सर, मेरे हलके गुहला मे गुहला सब डिवीजन है और वहां पर मार्केट कमेटी है। परंतु उस मार्केट कमेटी मे फायर ब्रिगेड स्टे ान नही है। इसलिए जब भी कभी कनक के सीजन मे आग लग जाती हैतो हमें कैथल या पेहवा से फायर ब्रिगेड मंगानी पडती है। परमात्मा न करे ऐसा हो परंतु कनक के सीजन में अकसर ऐसा हो जाता है। फायर ब्रिगेड के लिए हमने पैसे भी जमा करवा रखे हैं सिर्फ सरकार ने मंजूरी देनी है। अगर सरकार वहां पर फायर ब्रिगेड स्टे ान खोलने की मंजूरी दे देती है तो किसानो को बडा फायदा हो सकता है। इस बजट मे काफी सभी चीजो के लिए काफी पैसा रखा है इसमे चाहे समाज–कल्याण हो, चाहे दूसरी चीज हो। हरियाणा प्रदे ा के लिए वर्तमान सरकार ने एक अच्छा बजट पे ा किया है। चेयरमैन सर, मै एक बात और कहना चाहता हूं जोकि खासकर हमारे हरिजन भाईयो के लिए है। आज हरियाणा के पूरी हरिजन समाज ने सरकार को

17 मे से 14 सीटें दी है। कांग्रेस पार्टी जो आज तक ढिंढोरा पिटती रहती थी कि हम हरिजनो का विकास करेंगे आज तक कांग्रेस पार्टी ने हरिजन समाज के लिए कुछ भी नही किया। आज सारे हरियाणा का हरिजन समाज इस सरकार से जुडा है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वह हरिजना के कल्याण के लिए हर संभव सहायता प्रदान करे। चेयरमैन सर, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद।

श्री सभापतिः श्री भाादी लाल बतरा जी बोलें।

श्री कर्ण सिंह दलालः चेयरमैन सर, विधान सभा सचिवालय की तरफ से एक पत्र हर सदस्य को मिला है जोकि regarding 'Survery on the Review of the Indian Constitution] है। सर, मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि यह मुद्दा भारत के संविधान को बदलने का है। इस पर बराबर चर्चा होनी चाहिये। यह देश के दलितो और गरीब लोगो की भावनाओ पर कुठाराघात करने की साजि ा है। मेरा आपे अनुरोध है कि हाउस की कार्यवाही स्थगित करके संविधान के विशय पर चर्चा होनी चाहिए और मै सभी माननीय सदस्यो से अनुरोध करुंगा कि वे एक प्रस्ताव पारित करें कि हिन्दुस्तान के संविधान को जिसे डा0 बी0 आर0 अम्बेडकर ने बनाया था उसे बदलना नही चाहिये। इस पर चर्चा होनी चाहिए और सभी सदस्यो को इस विशय पर बोलने का समय मिलना चाहिए।

श्री सभापतिः देखिये दलाल साहब, इस पत्र के द्वारा सिर्फ व्यक्तिगत राय ही पूछी है। हाउस से इस बारे मे नही पूछा गया है। केवल व्यक्तिगत राय जानने के लिए ही यह पत्र सदन मे बंटवाया गया है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से एक बात कहना चाहता हूं कि यह जो संविधान को तोडने मरोडने की कोि ा ा की जा रही है, यह ठीक नही हैं।

श्री धीरपाल सिंहः सभापति महोदय, इस सरकुलर को अभिप्राय व्यक्तिगत रुप से सबकी राय जानना है इसमें डिस्क ान का प्र न ही नही उठता।

श्री सभापतिः जिस इंसटीच्यूसन ने आपको यह लैटर भेजा है, आप उसको अपनी राय भेज दें। इसमें डिस्क ान का सवाल ही पैदा नही होता।

श्री भजन लालः सभापति महोदय, सरकुलर का मतलब प्रत्येक मैम्बर से राय जानना नही होता इसलिए इस मुद्दे पर ओपन डिस्क ान करवाई जाए।

श्री सभापतिः किसी इंस्टीच्यू ान ने आपकी इंडीविजुअल राय जाननी चाही है, इस बारे मे हम कोई प्रस्ताव नही पास करना चाहते है।

श्री धीरपाल सिंहः सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से इनको कहना चाहूंगा कि ये पहले इस लैटर को अच्छी तरह से पढे, इसमे लिखा हुआ है कि बीफोर 15–3–2000 और यह 15–3–2000 आज ही है।

श्री भूपेन्द्र सिंहः सभापति महोदय, यह बात ठीक है कि इसमे राय जानने की बात है। (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः **********

श्री सभापतिः कर्ण सिंह दलाल जी जो कुछ भी कह रहे है, वह रिकार्ड न किया जाए इसमें साफ लिखा हुआ है कि आप अपनी राय दें इसलिए आप इसमे अपनी राय लिखकर भेज दें। (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः सभापति महोदय, आज आदरणीय सम्पत सिह जी की तरफ से लैटर आया है कि आज आप सबका डिनर है तो आप इसके बारे में भी हमारे ओपीनियन जानना चाहेंगे कि हम जाना चाहते है या नही जाना चाहते है। (ाोर)

श्री भूपेन्द्र सिंहः सभापति महोदय, इसको कोई दो राय नही कि यह क्वै चनेयर है कोई हाउस का एजेन्डा नही है। कर्ण सिंह जी ने जो मुददा उठाया है वह काफी महत्वपूर्ण है और हम इससे अनकंसर्ड नही रह सकते। इनका सुझाव है कि इस पर डिस्क ान होनी चाहिए। आज संविधान को तोडने मरोडने की कोि ा ा की जा रही है।

श्री धीरपाल सिंहः सभापति महोदय, मै कहना चाहूंगा कि ययह कोई एजेन्डा नही हे तो इस पर डिस्क ान का प्र न ही पैदा नही होता।

श्री भूपेन्द्र सिंहः सभापति महोदय, मै इस कागज की बात नही कर रहा हूं लेकिन कर्ण सिंह दलाल ने जो मुददा उठाया है वह पूरे हरियाणा और पूरे भारत का मुददा है। (ाोर) हमारा काम संविधान की रक्षा करना है, संविधान के हिसाब से हम सब यहां पर बैठे है।

श्री सभापतिः हुडडा साहब आप बैठिये। (ाोर) एक इंस्टीच्यू ान आपकी राय जानना चाहती है आप लिखकर बाई पोस्ट भेज दें, इसमे इतनी सी यह बात है। (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः * * * * * * * *

श्री सभापति जीः जो कुछ भी कर्ण सिंह दलाल जी कह रहे है, वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः सभापति महोदय, पहले आप मेरी बात तो सुनें। उसके बाद आप जो भी फैसला करे, वह ठीक है।

श्री सभापतिः दलाल साहब आपकी बात सुन ली। आपकी जो भी ओपीनियन है वह आप बाई पोस्ट भेज देना। इंस्टीच्यू ान आफ पार्लियामैंट्री अफेयर्ज ने जो इंफर्मे ान भेजी है

दलाल साहब वह आपको दे दी गई है और आपने इस बारे में जो भी ओपीनियन देनी है वह बाई–पोस्ट भेज देना। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः सभापति महोदय, अब बजट पर बहस चल रही है। इसलिए अब किसी दूसरे मुददे पर बहस नही हो सकती। अगर मेरे विपक्ष के भाइयो को कोई और बात करनी है तो वह किसी औरसमय कर लेंगे। लेकिन अब नही हो सकती। आज सुबह जीरो आवर हो चुका है अब कोई दूसरी बात नही हो सकती और कालिंग अटैं ान मो ान के लिए भी आज समय रखा गया था। (विघ्न) उस कालिंग अटैं ान का जवाब भी दिया गया था सभापति महोदय, अगर मेरे विपक्ष के भाई कुछ और लिखकर देंगे तो हम उसका जवाब भी देंगे। लेकिन इस समय बजट पर चर्चा चल रही है। इसलिए वे बजट पर ही बोलें। कोई दूसरी बात न करे। अगर ये दूसरा मुददा उठायेंगे तो वह वाजिब नही होगा। सभापति महोदय, भजन लाल जी विपक्ष के नेता है। ये ही बता दें कि बजट पर चर्चा चल रही हो और बीच मे कोई दूसरा मुददा उठाया जाये। क्या यह वाजिब है?

श्री भजन लालः सभापति महोदय,, यह ठीक है कि बजट स्पीच पर बजट के बारे मे ही बोलना चाहिए। लेकिन इन्होने जो यह कागज सबको दिया है यह भी बजट` बीच मे नही देना चाहिए था। यह भी कल ही देना चाहिए था। अगर ये इस तरह से बीच मे कागज देंगे तो उस पर बोलना भी पडेगा।

श्री सम्पत सिहः सभापति महोदय, यह जो सर्कुलर है यह हरियाणा सरकार का सर्कुलर नही है। यह तो इंस्टीच्यूट आफ पार्लियामैंट्री अफेयर्ज, गांधी भवन, कुमार पार्क, ईस्ट बंगलौर का सर्कुलर है। सभापति महोदय, इसी तरह से पार्लियामैंट की भी जो कमेटियां बनी हुई है, उनसे भी सर्कुलर आते रहते है। कामन वैलफेयर आदि की जो कमेटियां बनी हुई है, उनसे भी सर्कुलर आते रहते है। सभापति महोदय, इन कमेटियो की तरफ से सैक्रेटरी को इंफर्मे ान आती है कि सभी सदस्यो को यह सर्कुलर दिया जाये और सैक्रेटरी ने यह सर्कुलर आज सभी सदस्यो को दे दिया। उस इंस्टीच्यूट को सभी सदस्यो ने अपनी अपनी ओपीनियर देनी है। यह बाई पोस्ट भेज देना। यह कोई सरकारी कागज होता तो आपको इस पर ऐतराज होना चाहिए था और हम इसका जवाब भी देते। सभापति महोदय, मै भजन लाल जी को बताना चाहता हूं कि इस तरह से सर्कुलर पहले भी आते रहे है। अधिवे ान नही होता था तब भी आते रहे है। सभापति महोदय, अधिवे ान नही होता तब भी सैक्रेटरी इस तरह के सर्कुलर सभी मैम्बर्जके पास पहुंचाता है। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगो को इंवोल्वमैंट हो और ज्यादा से ज्यादा लोग उसमे पार्टीसिपेट कर सके तथा अच्छी राय दें सके। यह कोई सरकारी डोक्यूमैंट नही है और न ही सरकार से कंसर्न है। इसलिए इस पर डिसक ान की जरुरत नही है। (विघ्न)

श्री सभापतिः इस सर्कुलर के बारे मे पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर ने स्पश्टीकरण दे दिया है। इसलिए इसके उपर कोई भी डिस्क ान नही हो सकती। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लालः सभापति जी, चौधरी सम्पत सिंह कह रहे है कि यह सरकारी डोक्यूमैंट नही है। सचिव, विधान सभा ने भी यह डोक्यूमैंट नही भेजा तो फिर विधान सभा मे यह डौक्यूमैंट कहां से आ गया। (ाोर)

श्री सम्पत सिहः सभापति जी,विधान सभा सचिवालय ने ही यह डोक्यूमैंट भेजा है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लालः सभापति जी, विधान सभा का डोक्यूमैंट कैसे हो गया। ये तो विधान सभा कहे कि यह डोक्यूमैंट विधान सभा का है।

श्री सभापतिः यह डोक्यूमैंट विधान सभा का ही है और विधान सभा ने यह डोक्यूमैंट सरकुलेट किया है।

श्री भजन लालः मै सदन मे एक बात कहना चाहूंगा। सभापति जी, संविधान से छेडछाड करने के हक मे दे ा के बहुत थोडे लोग है। कम से कम 2/3 लोग संविधान से छेडछाड करने के हक मे नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सम्पत सिंहः सभापति जी, अभी तक संविधान को रिव्यू करने की कोई बात नही हुई है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लालः सभापति जी, * * * * *

Mr. Speaker: Whatever has been spoken by Sh. Bhajan Lal is not to be recorded.

श्री कर्ण सिंह दलालः सभापति जी, मै एक बात कहना चाहता हू। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः कर्ण सिंह जी, जब आपको बोलने का समय दिया गया तब तो आप बोले नही। (ाोर)

Shri Sampat Singh: Haryana Vidhan Sabha cannot review the Constitution. We have no power to review the Constitutuion. It is only for suggestion and not for discussion.

श्रीमती अनिताः सभापति जी, मुझे एक बात कहनी है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः अनिता यादव जी, आप बैठिये। (ाोर)

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः सभापति महोदय, (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः डा0 कादियान, आप बैठियें।

श्री कर्ण सिंह दलालः सभापति जी, मेरी बात तो सुनिये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः भाादी लाल जी, आप बोलें। अगर आप नही बोलेंगे तो दूसरे सदस्स को संबोधित करना पडेगा। (ाोर

एवं व्यवधन) डा0 कादियान, आप बैठिए। चौधरी कर्ण सिंह दलाल आप भी बैठिए। आप तो एक अच्छे पार्लियामैनटेरियन है। (ाोर) भाादी लाल जी नये मैम्बर है, इनको बोलने मे सहयोग दें। (ाोर एवं व्यवधान)संसदीय कार्य मंत्री का ब्यान आ चुका है और उन्होने अपने आप एक्सप्लेन कर दिया है। अब तो आपको बोलने की कोई जरुरत नही है।(ाोर)

श्री सम्पत सिहः सभापति जी, विपक्ष मे सदन के जो नेता है वे बोल चुके है तो अबइनके बाकी मैम्बरो के बोलने की तो कोई जरुरत नही है। (ाोर) You cannot discuss the Constitution here. Everything has been cleared now.

श्री जय प्रका ाः सभापति जी, मै कुछ कहना चाहता हू। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः जय प्रका ा जी बैठिए। (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः सभापति जी, (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः दलाल साहब, आप बैठिए। भाादी लाल जी को बोलने मे सहयोग दें क्योंकिये नये मैम्बर है। आप बीच मे बाधा न डाले। अब सब बातें क्लीयर हां चुकी है और आप लोगो की समझ मे भी आ गई है। इसलिये इस इ यु पर अब बोलने की जरुरत नही है। (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः सभापति जी, आप मेरी बात तो सुन लें। (ाोर)

श्री सभापतिः दलाल साहब जब आपको बोलने का समय मिलेगा तो उस वक्तआप बोल लेना। अभी बैठिए। (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः सभापति जी, मै यह कहना चाहता हूं। (ाोर)

श्री सभापतिः कर्ण सिंह दलाल जो बोल रहे है उसको रिकार्ड न किया जाए।

वाक–आउट

श्री कर्ण सिंह दलालः सभापति जी, अगर आप मुझे इस बारे मे बोलने का मौका नही देते तो मै सदन से वाक–आउट करता हू।

(इस समय रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया के सदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल सदन से वाक–आउ कर गए)

वर्श 2000–2001 के बजट पर सामानय चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री भाादी लाल (रोहतक): सभापति महोदय, जो लैटर आज सर्कुलेट हुआ है उसको मै सदन के सामने पढकर सुनाना चाहूंगा। (ाोर एवं विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः सभापति महोदय, इनको कहें कि यह लैटर पढकर सदन में गलत परम्परा न डालें।ये बजट पर जो कुछ कहना चाहते है, वह कह लें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः भाादी लाल जी, आप केवल बजट पर ही अपनी बातें कहें।

श्री भाादी लालः ठीक है जी। सभापति महोदय, मै इस महान सदन में पहली बार चुनकर आया हू। मेरा कहना यह है कि चाहे हम किसी भी पार्टी से या किसी भी क्षेत्र से चुनकर आये है लेकिन हम सदन के अंदर सारे एक है और हमें सभी ने मिलकर हरियाणा के हितो की बात करती है। ऐसी सोच हमारे सभी सम्मानित सदस्यो की होनी चाहिए। मुख्य मंत्री जी ने भी यहां पर कहा कि हमें यहा पर दलगत राजनीति से उपर उठकर बात करनी चाहिए। वित्तमंत्री जी ने जो बजट पे ा किया उसमें पूरे प्रदे ा में काम करने के लिए कुछ न कुछ पैसा दिया है। मेरा कहना यह है कि सरकार को अपनी कथनी औरकरनी मे कोई अन्तर नही रखना चाहिए। जब कोई सरकार अपनी कथनी और करनी मे फर्क करती है तो फिर उस सरकार से लोगो का वि वास उठ जाता है। सरकार को हर जगह विकास के कार्य करवाने चाहिए। (इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, चुनाव से पूर्व रोहतक के एक पूर्व मंत्री पर, उसके लडके पर और उस वक्त के आफिसर्ज जो वहां पर कार्यरत थे, मुकदमा दर्ज हुआ कि उस मंत्री ने रोहतक मे काम करवाने के लिए 11 करोड रुपये वहां के

विकास के नाम पर खर्च किए है। रोहतक जिले के साथ भाुरु से ही पक्षपात होता रहा है। वे मुकदमे राजनीति के तहत दर्ज हुए है या नही इस बात में मै नही जाना चाहता। मै तो सिर्फ यही कहना चाहता हूं कि वहां पर जो विकास कार्य हो रहे थे उन्हे बीच में रोका नही जाना चाहिए था। (विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री औम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मेरा सम्मानित सदस्य से अनुरोध है कि जो मामला कोर्ट मे लम्बित हो उसके बारे मे यहां पर चर्चा नही करनी चाहिए। मै इनको बताना चाहूंगा कि वहां पर विकास के नाम पर ठगी ठोरा हुआ है। उन लोगो को सुप्रीम कोर्ट तक जमानत नही मिली। आप अपने हलके के विकास कराने की बात करें या और जो सुझाव आप देना चाहते है, वह दें। एक तरफ तो सरकार भ्रश्टाचार को समाप्त करने का काम कर रही हे और दूसरी तरफ आप उनका पक्ष ले रहे है। अच्छा यही होगा कि आप अपने हलके के विकास की बात करें।

श्री भाादी लाल: अध्यक्ष महोदय, मै उनका पक्ष नही ले रहा। न ही मै इस चक्कर मे पड रहा हूं कि वह किस पार्टी से है? मेरा तो केवल इतना ही कहना है कि रोहतक मे जो विकास के कार्य हो रहे थे उनको रोका नही जाना चाहिए था। अब वे कार्य रोक दिए गए है इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि वहां पर विकास के कार्य तेज किए जाएं ताकि वहां की जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सरकार के नोटिस मे मै लाना चाहूंगा

कि रोहतक मे गवर्नमैंट स्कूल मे एक बूस्टर लगाना था। वह बूस्टर भी लगाना बंद कर दिया गया है। यदि वह बूस्टर वहां पर लग जाता तो पीने के पानी की सप्लाई ठीक तरह से हो सकती थी। रोहतक जिला 1966 से चल रहा है। वहां पर पीने के पानी की बहुत कमी है। वहां पर अब भी बहुत सारी कालोनीज ऐसी है जहां पर पीने के पानी नही है। ये कालोनीज है, जवाहर कालोनी, सैनी कालोनी, इंदिरा कालोनी व नेहरु कालोनी आदि। मेरा सरकार से अनुरोध है कि रोहतक मे जो गवर्नमैंट स्कूल मे बूस्टर लगना था उसे लगाया जाना चाहिए ताकि वहां पर लोगो को पीने का पानी अच्छी मात्रा मे मिल सके। अब वहां पर घंटे आधे घंटे के लिए पीने के पानी की सप्लाई हो रही है जिससे उन लोगो की आव यकता पूरी नही हो पा रही है। मेरा इस बारे मे केवल इतना ही कहना है कि वहां पर जो विकास के कार्य हो रहे थे उनकी स्पीड बराबर जारी रहनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, दूसरा मेरा कहना है कि वहां पर 1962 मे मैडिकल कालेज बना था। उस वक्त की अपेक्षा अब जनसंख्या मे भी काफी बढौतरी हो चुकी है। वहां पर अब मरीजो की बहुत अधिक भीड रहने लग गयी है क्योंकि उस वक्त जो ओ0 पी0 डी0 बनाई गई थी वह उस वक्त की जनसंख्या के हिसाब से बनाई गई थी। इसी तरह से रोहतक मैडिकल कालेज में इन्डोर पै ेंट भी पहले की अपेक्षा बहुत अधिक मात्रा मे ऐडमिट हो रहे है। भीड का अधिक रहने का कारण यह है कि पहले की अपेक्षा अब जनसंख्या

कई गुना अधिक बढ चुकी है और जनसंख्या इतनी बढ गई है कि वहां पर खडे होने की जगह नही है लेकिन उसकी एक्सपैं ान के लिए आज बजट मे कुछ प्रोविजन नही आया है और न ही कुछ सुपर स्पे ौलिटी है। इससे दो नुकसान हो रहे है एक तो सारे हरियाणा प्रदे ा में केवल एक ही गवर्नमैंट मैडिकल कालेज है जो या सिर्फ उन आदमियो के लिए है जो गरीबी रेखा से नीचे है या उनके लिए जो बहुत उंचे लोग है जो यहां से रैफर हो कर अपालो या एस्कोर्ट मे जाकर अपना ईलाज करवाते है। अगर अपोलो और एस्कोर्ट की सुविधाए हम मैडिकल कालेज रोहतक मे ही दे दें और उसको एक्सपैं ान दें, ओ0 पी0 डी0 बढ जाए, इनडोर बढ जाए तो मै समझता हूं कि इससे प्रदे ा वासियो को काफी फायदा होगा और गवर्नमैंट को भी काफी फायदा होगा क्योंकि गवर्नमैंट को जो रा ि ा रि–इम्बर्स करनी पडती है, वह पनही करनी पडेगी। अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से आपके माध्यम से प्रार्थना करना चाहूंगा कि मैडिकल कालेज को स्ट्रैंग्थन करले के लिए, उसकी ओ0 पी0 डी0 के लिए कुछ प्रावधान जरुर किया जाए और बजट मे उसके लिए और पैसा आना चाहिए। जहां तक स्वास्थय की बात थी तो सीवरेज और पानी के हैड मे भी जो पैसा रखा गया है वह काफीकम है तथा मैने जो समस्याएं आपके सामने रखी है उनके समाधान के लिए यह पैसा काफी नही रहेगा इसलिए मै चाहूंगा कि रोहतकके लिए कोई स्पे ाल ग्रान्ट दी जाए ताकि वहां पर सीवरेज और पानी की समस्याओ को हल किया जा सके और लोगो को बुनियादी सहूलियतें मिल सके। तीसरी बात मै

और कहना चाहूंगा। आदरणीय मुख्य मंत्री जी बैठे है और उन्होने कहा है कि मै वकील हू। यह बात मै भी समझता हूं लेकिन मै विपक्ष मे आ गया और विपक्ष के विधायह के साथ आज राजय मे कैसा बर्ताव हो रहा है वह मै मुख्य मंत्री के सामने रखना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, तीन दिन पहले मै होटल कलिंग मे था। रात को पौने ग्याहर बजे का टाईम था और होटल मे दो आदमी आए। उस वक्त होटल बंद हो चुका था उन आदमिया`ने कहा कि खाना खाना है। होटल बंद हो चुका था और सारे एम्पलायैज जा चुके थे लेकिन फिर भी उन्होने गोलिया चलाइ। क्यों चलाई? भाायद मै विपक्ष का विधायक था इसलिए चलाई या उसके पीछे क्या बैकग्राउंड थी, उसका मुझे कुछ पता नही है और आज मै कुछ और नही कहना चाहूंगा लेकिन मै प्रार्थना करना चाहूंगा कि इसकी इनकवायरी होना चाहिए क्योंकि उस वकत टैलीफोन कर दिया गया था और पुलिस भी आ गई थी। पुलिस ने वह ऐस्टीम तो पकड ली लेकिन वे मुलजिम आज तक पकडे नही गए है। कारण क्या है,वे कौन है, किस कांसीप्रसी के तहत वे आए थे और क्या करना चाहते थे। अध्यक्ष महोदय, इसके बारे में मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि इसकी इनकवायरी होना चाहिए और जो दोशी है उनको पकडा जाना चाहिए ताकि एक भय का वातावरण जो बन गया है वह दूर हो जाए और हम सब ठीक तरीके से रह सके (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, पैं ान की स्कीम अच्छी है लेकिन एक बात मै कहना चाहूंगा कि पैं ान का वितरण इस प्रकार से होना चाहिए जैसे कि गवर्नमैंट इम्पलायज

का भुगतान ट्रेजरी के थ्रू होता है उससे पैं ान की रा ि ा काजो मिसयूज होता है वह बन्द हो जाएगा और हर महीने की पहली तारीख को बूढो, विकलांगो, विधवाओ आदि को बैंक के थ्रू पैं ान मिल जाए तो बहुत ही अच्छा रहेगा। इसके बाद मै कुछ और बातें भी आपके सामने रखना चाहूंगा। इस बजट मे कोई ऐसा टैक्स नही लगाया गया है लेकिन पहले हरियाणा मे 100/– रुपये तक के जुते पर टैक्स फ्री था आज इस पर 5% टैक्स लगाया गया है लेकिन हमारे साथ लगते प्रदे ा दिल्ली में 200/– रुपये तक के जूते टैक्स फ्री है। हम भी अगर 100/– या 200/– रुपये तक के जुते को टैक्स से ऐक्सम्पट कर दे तो गरीब आदमियो के लिए बहुत बडी सुविधा होगी और इससे वे भाई फायदा उठा सकेंगे। जिनके पास ज्यादा पैसा नही है। दूसरी बात मै किसान की कहना चाहूंगा। किसार गेहूं, चना, जौ या दूसरी फसल ले कर मण्डी मे आता है तो उस पर साढे ग्यारह परसैंट टैक्स पडता है। इसमे 4% टैक्स, 4% मार्किट फीस, अढाई फिसदी डामी और 1% लेबर लगती है। व्यापारी वर्ग बडा हो ि ायार है और वह साढे ग्यारह परसैंट की कीमत किसान को कम देता है। अध्यक्ष महोदय, अगर हम यह खर्चा काट दें तो जो पैसा व्यापारी किसान को कम देता है तो किसान जब माल लेकर मण्डी मे आए तो उसको ज्यादा पैसा मिल सकता हैं यह बात किसान के हित में है और किसान जब मण्डी मे माल लेकर आएगा तो उसकी जो एक्सप्लायटे ान हो रही है, वह नही होगी इसलिए मेरी प्रार्थना है कि यह काम किया जाना चाहिए। इसके साथ ही मै यह कहना चाहूंगा कि दालो पर 8ः

टैक्स लगा दिया लेकिन दिल्ली मे दालो पर टैक्स नही है। जो टैक्स दिल्ली मे नही है अगर वह याह ंपर लगाया जाएगा तो उससे व्यापार पर बुरा असर पडेगा और हम सब भाईयो को नुकसान होगा। इसी तरह से खल, तुडी और प ा आहार पर भी 4% टैक्स लगा हुआ है लेकिन यह टैक्स दूसरी जगहो पर नही है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि इस पर पुनर्विचार करने की कृपा करे। इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

श्री चन्द्र भाटिया (फरीदाबाद): आदरणीय स्पीकर साहब, वित्त मंत्री सम्पत सिंह जी ने वर्श 2000–2001 का जो बजट सदन मे रखा है मै इसके समर्थन मे बोलने के लिए खडा हुआ हूं। इस बजट मे जनहित के बहुत से आंकडे है जो जनता को आकर्शित करते है। मेरे से पहले बजट पर बोलते हुए विपक्ष के साथियो ने काफी कुछ कहा और कुछ इसके विरोध मे बोलने के लिए खडे हुए थे। सही मायने मे उनके पास बोलने के लिए कुछ था ही नही। अध्यक्ष महोदय, मेरे से पहले भाादी लाल जी ने कहा कि सरकार ने कोई टेक्स नही लगाया। मांगे राम जी ने भी अपने समय मे बोलते टैक्स न बढाने के लिए धन्यवाद किया। हरियाणा की जनता ने इस बजट को बहुत ही सराहनीय बताया है। विपक्ष के साथी बार बार यह कह रहे है कि यह बजट सही नही है। सर, मन तो उनका भी मान रहा है कि यह बजट बहुत अच्छा हे लेकिन

वे इस सदन मे विरोधी पक्ष मे बैठे हुए हे इसलिए उन्होने इसका विरोध मे बोलना ही हैं। अध्यक्ष महोदय, हमसे पहले जिनका राज यहां पर होता था आज वे विरोधी पक्ष मे बैठे है। उन्होने अपने समय मे अग्रोहा मैडिकल कालेज की ग्रांट बन्द कर दी थी और चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी ने उस समय इसका बहुत विरोध किया था लेकिन बंसी लाल जी ने माना नही। आज हरियाणा की जनता ने उन सभी साथियो को विपक्ष मे बैठा रखा है। अध्यक्ष महोदय, बुजुर्गो के लिए जो पैं ान को दोगुना किया हे वह बहुत ही सराहनीय कदम है। पहले 100 रुपये पैं ान मिलती थी और उसको देनेा का काम चौध्धरी देवी लाल जी ने किया था। अब बुजुर्गो को इस पैं ान से बहत राहत मिलती है।मै उनसे यह कहना चाहता हूं कि अगर उसमे कोई कमी है तो वह ये बताएं ताकि उसमे सुधार किया जा सके। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता इसको बहुत ही सराहनी कदम बता रही है। हमारे विपक्ष के भाई भी उसका बार बार विरोध करते है। मै कहना चाहूंगा कि एक तरफ तो हमारे विपक्ष के साथी खडे होकर बजट का विरोध भी करते है वही बाद मे अपने हलके की बातें भी कहते है। ये लोग पहले सरकारो मे रहे है ंअध्य, इससे पहले जब कांग्रेस की हकुमत थी और वे लोग जब हरियाणा के हितो, हरियाणा के लोगो की भावनाओ को नही समझ रहे थे तो लोगो ने उसके बाद चौधरी बंसी लाल जी को सत्ता सौंपी। चौधरी बंसी लाल जी का भी तीन साढे तीन साल तक राज रहा और हम भी उस सरकार में होते थे। उस समय हम अपनी बात को अपनी पार्टी के अंदर और

सरकार मे मुख्य मंत्री के सामने बार बार रखते थे। हमारे कांग्रेस के लोग भी उसी चीज का विरोध यहां पर करते थे और चौधरी बंसी लाल जी को गालियां निकाला करते थे लेकिन अध्यक्ष महोदय, अचानक ही कांग्रेस पार्टी ने बंसी लाल जी को समर्थन भी दे दिया। जब चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी बंसी लाल जी के गलत कामो का विरोध किया करते थे और जब हम भी उस सरकार में रहकर मुख्य मंत्री के सामने अपनी बातो को कहते थे तो उस समय चौटाला साहब और कांग्रेस के साथी भी कहते ीि कि हमारी बात बिल्कुल सही है। अध्यक्ष महोदय, हम तो सरकार मे रहकर भी बोलते थे उस समय हमारे विपक्ष के साथी थपथपाकर कहते थे कि हम सही बातें कह रहे है लेकिन अचानक ही चौधरी बंसी लाल जी को कांग्रेस पार्टी ने उस समय समर्थन दे दिया, जब हमने वापस लिया था। हमे तो उ समय कहा जाता था `कि हम गलत है लेकिन जो कांग्रेस पार्टी के लोग उनको साढे तीन साल7 तक गालिया ंनिकाला करते थे उन लोगो ने सरकार को समर्थन दे दिया था। अध्यक्ष महोदय, जो लोग हरियाणा की जनता के साथ इस तरह खिलवाड करते है वह उनको दोबारा नही आने देती। एक मौका चौटाला साहब को मिला और उन्होने 6 महीने के अंदर ही बहुत विकास के काम किए। जब उनका 6 महीने का समय चल रहा था तो कांग्रेस के लोग यह कहते थे कि इस सरकार को बने रहने का कोई हक नही है क्योंकि यह सरकार उनहोने जोड तोड करके बनायी है।इसलिए दोबारा से चुनाव करवाएं जाने चाहिए। अगर जनता इनको अच्छा समझेगी तो इनको

दोबारा मुख्य मंत्री बना देगी उस समय ये कहते थे कि मुख्य मंत्री जनता की मर्जी से नही बल्कि जोडतोड करके बने है लेकिन जब दोबारा चुनाव हुए तो पिछले 6–7 महीनो में चौटाला साहब ने जो काम किए थे उनको देखकर हरियाणा की जनता ने उनको फिर से चुनकर मुख्य मंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया है। अध्यक्ष महोदय, अभी मेरे से पहले सदन के कुछ सदस्यो ने कहा था कि चुनाव के अंदर आचार संहिता का उल्लंधन किया गया क्योंकि उस दौरान जगह जगह पर काम किए गए, गांव गांव मे खंजडे बनाये गये, नालियां बनाई गई और स्कूलो को बनाने का काम किया गया। अध्यक्ष महोदय, लेकिन मुख्य मंत्री जी ने तो चुनावो के दौरान किसी भी बात का जिक्र नही किया था। कांग्रेस की भी हकुमत रही थी इनका भी राज था लेकिन उस समय तो केवल पत्थर ही लगे हुए थें जिन पर आज तक भी काम नही हुआ है। इसके बारे में मुख्य मंत्री जी ने भी बताया था। लेकिन चौटाला साहब ने जिन बातो की घोशणा की वह पूरी हुई। पहली बार किसी मुख्य मंत्री ने 90 विधान सभा क्षेत्रो मे घूम घूम कर खुले दरबार लगए और आम आदमी की बात सूनी। लोगो को लगता था कि मुख्य मंत्री जी हमारी सीधी बात सुन रहे है। अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहूंगा कि पिछली चौधरी बंसी लाल जी की सरकार में हम भी विधायह थे। हम तो पहली बार चुनकर आए थे इस बार फरीदाबाद की जनता ने दोबारा से मौका दिया और हमें विधान सभा के अंदर चुनकर भेजा। हमने तो वह समय देखा जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री थे तो आम जनता को उनसे मिलते की बात तो दूर की

थी, विधायको और मंत्रियो की बात भी नही सुनी जाती थी। आज जब हरियाणा की जनता के बीच मे चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी जाते है तो आम आदमी यही सोचता है कि यह मुख्य मंत्री हमारा अपना है आम आदमी भी खुलेपन से अपनी बात कह सकता है। इन बातो को लेकर हमारे कांग्रेस के साथी बेचैन है। हमने फरीदाबाद हलके के बारे में अपनी बात को बडी मजबूी से रखा था। चौधरी बंसीलाल जी बैठे नही है। इन्होने भी हमारे साथ बडी ज्यादतियां की है। जब हमारे हलके के गरीब लोगो पर उनकी बस्तियो पर बुलडोजर चलते थे और हमारे यहां विकास के काम नही होते थे तब हम अपने हलके के लोगो की बात को यहां पर कहा करते थे हमारी बातें सरकार को रास नही आती थी तो हमारे खिलाफ झूठे मुकदमें बनाए जाते थे लेकिन क्योंकि हमारे पीछे फरीदाबाद की जनता थी इसलिए हमने उन ज्यादतियो की परवाह नही की और अपने हलके के लोगो की मांगो को मजबूती से यहां रखा। मेरे हलके मे स्लम बस्तियो भी है और वहां सडको का भी बहुत बुरा हाल है थोडे समय जब हमारा चौधरी बंसी लाल से झगडा चल रहा था वह हलके के विकास की बात को लेकर था। अभी भी हमारे हलके मे काफी कमियां है चुनावो मे जब हम जनता से वोट मांगने जाते है तो उनसे तरह तरह के वायदे करके आते है कि हम जीत गए तो तुम्हारे ये काम करवाएंगे वह काम करवाएंगे। स्लम बस्तियो के लिए केन्द्र सरकार से पैसा आता है और वह पैसा स्लम बस्तियो पर खर्च किया जाता है लेकिन हमारे हलके मे वह उसके आसपास बल्लभगढ, एन0 आई0 टी0 और

पुराने फरीदाबाद इन तीनो मे जो स्लम बस्तियो है उनमे काम नही होते है पिछली बंसी लाल की सरकार में भी हमने इन बातो को बहुत जोरदार तरीके से उठाया था लेकिन किसी ने ध्यान नही दिया मुझ से पूर्व मेरे हलके से कांग्रेस के नुमाइन्दे हुआ करते थे उन्होने भी फरीदाबाद की जनता के साथ बहुत ज्यादा ज्यादतियां की थी। हम तो विधायह रहे थे लेकिन पिछली कांग्रेस की सरकार मे तो वहां से मंत्री रहे लेकिन उनके मुत्री होते हुए उस क्षेत्र मे कोई विकास का काम नही हुआ। कांग्रेस की हकुमत में हमारे फरीदाबाद की जनता पर हाउस टैक्स लगाया था और कांग्रेस सर्वे होता तो यह हाउस टैक्स 10 गुणा हो जाएगा। फरीदाबाद की जनता 10 गुणा हाउस टैक्स नही दे सकती थी। मैने पिछले सदन मे यह बात उठाई थी। तब मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि हमने इस हाउस टैक्स को ठीक करवाएंगे। अब उस पर रोक लगी हुई है। सिर्फ फरीदाबाद मे ही नही बल्कि पूरे हरियाणा मे हाउस टैकस को ठीक कराने की बात मुख्य मंत्री जी ने कही थी। हमारे विपक्ष के साथी अपने हलके की बात को कहते है कि हम यह कहना चाहेंगे कि उस समय तो राज होता था। तब भी काम नही होते थे आज अच्छे काम हो रहे है उन अच्दे कामो पर भी विपक्षी भाईयो द्वारा विरोध किया जा रहा है जहां तक सडके और नाली और पानी की बात कही। जब कांग्रेस की सरकार थी और उनका राज था उस समय मेरे हलके मेन सडको का काम हुआ, न नालो का काम हुआ और न ही पानी के बारे में कोई काम हुआ। उस समय वे काम करा सकते थे। मै विपक्ष के भाईयो को कहना

चाहता हूं कि वे चौधरी औम प्रका ा चौटाला से अपने हलको का काम कराएंगे क्योंकि चौधरी औम प्रका ा चौटाला कभी किसी सदस्य मे फर्क नही रखते। इस बात का प्रमाण उन्होने 90 हलको मे सरकार आपके द्वार कार्यक्रम करके दिया है। मै अपने विपक्ष के भाईयो को कहूंगा कि अगर यह सरकार अच्छे काम करती है तो उस काम की सराहना करें। इसके साथी ही अध्यक्ष महोदय, मै आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया। साथ ही मै वित्त मंत्री जी का भी धन्यवाद करता हूं कि उन्होने हरियाणा की जनता के हितो को ध्यान मे रखते हुए अच्दा बजट पे ा किया।

श्री लछमन दास अरोडाः स्पीकर सर, (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हमें भी बजट पर बोलने का समय मिलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः मेरी पहली प्राथमिकता यह है कि जिस सदस्य को अब तक बोलने का समय नही मिला है उसको पहले मौका दिया जाये।

श्री लछमन दास अरोडाः स्पीकर सर, सबसे पहले तो मै इस सदन मे विराजमान दसवी विधान सभा के सभी सदस्यो को अपनी तरफ से बधाई देना चाहता हूं। इसके साथ साथ माननीय वित्त मंत्री महोदय भाई सम्पत सिंह जी ने जो बजट पे ा किया है मै उस बजट को टैक्स फ्री बजट कहूंगा। क्योंकि इस बजट के

रिजल्ट्स तो हमें आगे आने वाले सै ान तक ही मिल पाएंगे। इसलिए उस वकत ही मै इस बजट पर कोई बात कहना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै अपने हलके सिरसा के बारे में कहना चाहता हू। माननीय मुख्य मंत्री जी को भाायद याद होगा कि 1990 मे जब ये इस प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तो सी0 एम0 के0 कालेज सिरसा मे एक समारोह मे इन्होने एक बात का ऐलान किया था कि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, का रिजनल सैन्टर सिरसा मे खोल दिया जाएगा। उस समय 14 महीने तक ये मुख्य मंत्री रह `लेकिन किन्ही कारणो से किसी वजह से उस रिजनल सैन्टर को नही खोल पाए। उसके बाद कांग्रेस सरकार सत्ता में आई और कांग्रेस की सरकार ने गांव फुल्का में 100 एकड जमीन ऐक्वाययर की और एक करोड रुपये की लागत से इस रिजनल सैंटर के लिए बिल्डिंग बनाई। लेकिन उसके थोडे दिन बाद कांग्रेस की सरकार सत्ता में नही रही। उसके बाद चौधरी बंसी लाल जी का राज इस प्रदे ा मे आया और चौधरी बंसी लाल जी ने उस कार्य को वहीं का वहीं ठप्प करवा दिया। भवन बनाया गया था उस पर ताला लगवाया गया। मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि उस रिजनल सैंटर को जल्दी से जल्दी चालू किया जाये क्योंकि सरकार का पैसा लगा हुआ है अगर रिजनल सैंटर नही खुलता है तो सरकार का सारा पैसा बर्बाद हो जायेगा। जहां तक सिरसा भाहर के बाई पास की बात है। सिरसा भाहर मे जो फाटक है उ पर इतनी भीड लगी रहती है और वह फाटक ज्यादातर बन्द रहता है। अगर किसी आदमी को मैडिकल हैल्प की जरुरत पड जाये तो उस आदमी को

उस फाटक की वजह से समय पर मैडिकल हैलप नही मिल सकती। मुझे याद है कि पिछे माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सिरसा बाई पास के लिए एक करोड रुपय मंजूर किया था लेकिन उसके बाद वह सरकार चली गई। वह एक करोड रुपया पता नही लैप्स हो गया या नही यह मै नही कह सकता। मेरी खास तौर पर माननीय मुख्यमंत्री महोदय से यह विनती है कि उस बाई पास को जल्दी से जल्दी बनवाने की कृपा करे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक फोर लेनिंग की बात है, पूरे हरियाणा के अंदर जितने भी जिले है वहां नै ानल हाइवे है तथा सडके बनी हुई है लेकिन सिरसा जो कि मुख्यमंत्री महोदय का होम डिस्ट्रिक्ट भी है वहां पर फोर लेनिंग सडके नही बनी हुई है इसलिए मै मुख्यमंत्री महोदय से अनुरोध करुंगा कि वे सिरसा के अंदर जल्दी ही सडको को फोर लेनिंग करवाने का काम करे। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि सिरसा मे रेलवे कोसिंग पर ओवर ब्रिज की चर्चा काफी लम्बे समय से चली आ रही है परंतु पता नही क्यों यह चर्चा कामयाब नही हो पाती और वह ब्रिज नही बन पाता इसलिए मै मुख्यमंत्री महोदय के नोटिस मे यह बात लाना चाहता हूं कि वे रेलवे कोसिंग पर भीघ्र ही ओवर ब्रिज बनवाने की कृपा करे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सीवरेज मास्टर प्लान की बात है, बहुत लम्बे समय से यह कोि ा ा हो रही है कि यह मसला हल हो जाए। ज्यों ज्यों हम इस मसले को हल करते है त्यों त्यों यह मामला और बिगडता जा रहा है। इसके लिए कोई मास्टर प्लान बनाया जाए और इसको लागू किया जाए ताकि इस मसले का हल

हो सके। सिरसा मे जब बारि ा होती है तो बारि ा के पानी की निकासी का कोई रास्ता ही नही होता है और हालत यह बन जाती है कि सिरसा भाहर एक तालाब बन जाता है, इसके कारण लोगो को बहुत मुसीबतो का सामान करना पडता है। इसलिए मेरा मुख्य मंत्री महोदय से निवेदन है कि वे वाटर वर्क्स का पानी उन कालोनियो मे सप्लाई करवाने का काम करवाएं। इसके अलावा सिरसा में 25–26 एकड जमीन पर भाखडा नाम का तालाब है जो आज गन्दगी का अडडा बन गया है और यह तालाब सिरसा भाहर के सैंटर मे पडता है।

1983–85 मे हमने भारत सरकार से कोि ा ा करके 50 लाख रुपये सैंक ान करवाए परंतु सरकार बदलने के बाद वह रुपया लैप्स हो गया और वह पैसा वहां लग नही पाया इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि टूरिज्म विभाग की तरफ से उस तालाब को साफ करवा के वहां एक टूरिस्ट कम्पलैक्स बनवाया जाए ताकि लोगो को सैर करने की जगह मिल सके। अध्यक्ष महोदय, मै यह भी कहना चाहूंगा कि सिरसा भाहर गुरुओ की नगरी है, सच्चा सौदा यहां पर है, राधा स्वामी यहां पर है, नामधारी यहां पर है, लाखो की संख्या मे यहां लोग इकटठे होते है। जहां तक सिरसा के नक ो की बात है सारे हरियाणा मे सिरसा के नक ो के मुकाबले किसी भाहर का नक ाा इतना सुन्दर बना हुआ नही है। अगर सिरसा के सभी विकास के कार्य ठीक ढंग से हो तो सिरसा भाहर राजधानी बनाने के काबिल है। यहां पर

बार बार नई राजधानी बनाने की बात होती है इसलिए सिरसा को राजधानी बनाया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री महोदय जी ने गवर्नर ऐड्रेस पर बोलते हुए प ु धन को बढाने का भी जिक किया था। हिसार मे लाइव स्टाक फार्म मे रिसर्च सैंटर है उसके माध्यम से सिरसा मे भी एक ब्रांच खोली जाए क्योंकि सिरसा मे भी अच्छी नसल की भैंसे है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मै यह भी कहना चाहूंगा कि सिरसा भाहर की मार्किट के अंदर एक मीट मार्किट है यदि उसको मार्किट से बाहर निकाल दिया जाए तो वह मार्किट एवन मार्किट बन सकती है। अध्यक्ष महोदय, इतना कहते हुए मै अपना स्थान ग्रहण करता हू।

वित्त मंत्री (श्री सम्पत सिंह): अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे गुजारि ा है कि आप समय निर्धारित करके दे कि बजट पर कितना समय अभी सभी साथियो ने बोलना है और हम किस समय जवाब देना है।

श्री अध्यक्ष: सम्पत सिंह जी दो घंटे मे विपक्ष के तकरीबन सभी सदस्य बोल लेंगे। उसके बाद 13:00 बजे 3 बजे आप बोल लेना।

श्री भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, जो सदस्य राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर नही बोल पाये। पहले उन्हे बोलने का अवसर दिया जाये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, तीन पार्टियो के जो एक एक सदस्य है, उन्हे भी तो बजट पर बोलने का अवसर दिया जाना चाहिये। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह जी, आपकी पार्टी की सदस्य संख्या सदन के 90वें हिस्से के बराबर है। उससके ज्यादा समय आप ले चुके है। प्लीज आप बैठ जायें। (ाोर एवं व्यवधान) दलाल साहब आपकी कालिंग अटैं ान मो ान कल लगी हुई है आप उस पर कल बोल लेना। प्लीज आप बैठ जाएं। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, हम तो बजट पर बोलने के लिए समय मांग रहे है। हमें बजट पर बोलने के लिए समय दिया जाये।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप हमें बजट पर बोलने के लिए चाहे थोडा मय दें। लेकिन समय जरुर दें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मेरी सभी माननीय सदस्यो से प्रार्थना हैकि आप सब अपनी अपनी सीटो पर बैठ जाये। 5 मिनट तो आप लोगो ने भाोर– ाराबे मे ही नश्ट कर दिये। प्लीज आप सभी बैठें।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अच्छे सदभावनापूर्ण वातावरण मे यह सदन चल रहा है और राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर आपने सबको खुले दिन से बोलने के

लिए समय दिया, इसके लिए हम पहले भी आपका आभार व्यक्त कर चुके है और पुनः भी करते है। विपक्ष के नेता की इस बात से भी हम सहमत है कि जो सदस्य राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोल चुके है, उनके अलावा जो नही बोले, सर्वप्रथम उन सबको समय दिया जाये। ताकि हरियाणा विधान सभा के 90 के 90 सदस्य बोल सके। फिर भी अगर समय होगा तो दूसरो को भी बोलने का अवसर दिया जायेगा। लेकिन कुछ लोग यहां पर अपनी ठेकेदारी क्यों समझते है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ठेकेदारी की बात कैसे कर सकते है। मै तो जनता द्वारा चुनकर यहां आया हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः प्लीज आप सब बैठिये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, मेरे हलके के लोगो ने मुझे चुनकर भेजा है और चौटाला साहब ठेकेदारी की बात कर रहे है। आप मुझे इस बारे मे रुलिंग दें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः प्लीज आप सब बैठें।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, मै किसी की मेहरबानी से यहां नही आया। बल्कि जनता द्वारा यहां पर चुनकर आया हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सभी मैमबर बराबर है और सब को बराबर समय मिलेगा। (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हम भी बराबर का समय मांग रहे है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप दूसरो को बोलने देंगे या नही। अगर समय होगा तो आपको जरुर दूगा। अभी आप बैठिये। आपाका नब्बेवां हिस्सा है और आपको नब्बेवें हिस्से से ज्यादा समय दूंगा। अभी जो सदस्य नही बोले है उनको बोलने दें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, अगर आप हमारे हिस्से का हमें समय देंगे तो ठीक है।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, जैसा ये कह रहे है कि मै चुनकर आया हूं और किसी के रहमो कर्म पर नही है तो मै इनको बताना चाहूंगा कि यहां पर हम मैम्बर चुनकर आया है। केवल चौटाला साहब दो जगह से चुनकर आये और एक जगह उन्होने खाली कर दी है। हर मैम्बर को आपने पूरा समय बोलने के लिए दिया है। सदन के नेता और विपक्ष के नेता दोनो ने यह कमिटमैंट भी की है कि जिनको बोलने का मौका नही मिला उनको समय मिलना चाहिए। आप उनको समय दे भी रहे है चाहे किसी पार्टी का सिंगल मैम्बर हो उसको भी पूरा समय आपने दिया। अध्यक्ष महोदय, जितना एकोमोडेट हर मैम्बर को आप कर

रहे है उतना तो भाायद आज तक किसी ने भी नही किया है। इसलिए किसी का यहां एस्प ार्न कास्ट की बात करना ठीक नही है।

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, मैने एस्प ार्न वाली कोई बात नही की है। (ाोर) कोई इस तरह से हमें दबाना चाहे तो हम नही दबेंगे। (ाोर)

श्री बलबीर पाल भााह (पानीपत): अध्यक्ष महोदय, मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे पुनः बोलने ाक अवसर प्रदान किया। सबसे पहले तो मै वित्त मंत्री जी को बधाई देता हूं कि उन्होने जो बजट पे ा किया है उसमे कोई नये कर नही लगाये। (इस समय मेजें थपथपाई गई) लेकिन इसके साथ साथ मै यह भी कहना चाहता हूं कि छः महीने के बाद इसके जो रिएक ान होगे उसके उपर दोबारा हम यहां चर्चा करेंगे। अभी तो मुझे एक ही बात कहनी है जो हरियाणा की ज्वलंत समस्या है। इसके उपर बोलकर मै बैठ जाउंगा। पानीपत की मै कोई बात नही कर रहा। यह समस्या मेवात से जुडी हुई है। मेवात मे गौक ाी हो रही है जबकि हरियाणा मे गौक ाी बन्द है जबकि मुख्य मंत्री जी ने भापथ कुरुक्षेत्र में जी जहां गौपालक श्री कृश्ण जी ने गीता का ज्ञान दिा। अध्यक्ष महोदय, मै नही जानता कि हमारे मेवात के भाई किस कारणव ा गौक ाी करते है। ये सभी भाई पहले हिन्दु थे, बाद में समाज की किसी व्यवस्था के कारण इन्होने मुस्लिम धर्म को अपनाया और हमसे अलग हो गये। इसके अलावा जो

इनके अंदर बहने वाला खून है वह भी हिन्दु का है, हिन्दुस्तानी का है। मै कहना यह चाहता हूं कि अकबर के काल मे भी गौक ाी नही होती थी लेकिन आज मेवात मे गौक ाी हो रही हैं। क्यों हो रही है, इसका कारण हमें जानना चाहिए। सबसे पहली बात तो यह है कि मेवात पिछडा हुआ इलाका है और हजरत मोहम्मद साहब ने भी एक बात कही थी कि केवल आपाकाल मे ही गौक ाी की जाए। जब तक कोई और साधन है तब तक गौ को मारा न जाए लेकिन ाज गौ को मारा जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैने जो स्टडी किया है उसमे पाया है कि मेवात के लोग अपनी स्वेच्छा से गौक ाी नही कर रहे है। गौक ाी करना उनकी मजबूरी है क्योंकि आने वाली जितनी भी सरकारे है उन्होने मेवात के विकास की ओर ध्यान नही दिया। सैल्फ एम्पलायमैंट के कोई साधन नही जुटाये और न ही वहां पर कोई हैवी इंडस्ट्री लगाई। इस तरह के कोई कार्य नही किए जिससे कि मेवात के लोग गौक ाी को छोड दें। वे लोग मजबूरी मे गौक ाी कर रहे है। वे जो गौक ाी कर रहे है वे अपना पेट पालने के लिए कर रहे है। वहा ंपर सारा मांस दिल्ली जाता है और वहां से जो लोग मांस के निर्यात का काम करते है उनके द्वारा उसे विदे ाो मे भेजा जाता है। इस बारे मे मेरा कहना है कि मेवात के लोगो के लिए इस बजट में कुछ न कुछ प्रावधान अव य किया जाये ताकि वहां के जो नौजवान साथी है वे इस गौक ाी के काम को छोड सके और वे पहले की तरह होली व दिवाली का त्यौहार सभी के साथ मिलकर मना सके ताकि वे फिर से हरियाणा की

मुख्यधारा मे भाामिल हो सके। यह तभी हो सकता है जब वहां से गौक ाी की लानत को खत्म किया जा सकेगा। वहां पर जितनी अधिक मात्रा मे गौक ाी होती है उसका मांस वहां पर खाया नही जाता बल्कि बाहर भेजा जाता है। वहां की गरीबी ही इस जड की मूल ज्वलंत समस्या है। यदि हम इसको रोक पायंगे तो यह अपने आप मे एक बहुत बडा उद्धार वहां के लिए हो सकेगा और उन लोगो का भी उद्धार हो केगा जो इस काम मे लगे हुए है। गौक ाी को रोकना एक धार्मिक कार्य है। गौक ाी होने से लोगो की धार्मिक भावनाओ को ठेस पहुंचती है। जो लोग इस काम मे लगे हुए है उनको सैल्फ एम्पलायमैंट के तहत नौकरी दी जाये और फिर उनसे लिखवा कर ले लिया जाये कि वे भविश्य मे गौक ाी नही करेंगे। यदि हम ऐा कर पायेंगे तो यह हिन्दू समाज के लिए और मेवात के लोगो के लिए एक महान कार्य होगा। धन्यवाद।

प ा पालन राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद इलियास): अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मै आपका आभार प्रकट करता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। अभी हमारे आदरणीय भााह साहब ने कहा कि मेवात मे गौक ाी हो रही है उसे रोका जाना चाहिए। मै सदन की जानकारी के लिए बता देना चाहता हूं कि मेवात एरिया का जितना ि ाक्षित वर्ग है, योग्य वर्ग है या यों कहिए कि जो सम्मानित वर्ग है वह नही चाहता कि गौक ाी हो। वहां पर पढे लिखे, समझदार लोगो का व वहां की 36 बिरादरियो

का विचार है कि गौक ाी नही होनी चाहिए। मेवात मे केवल मेव ही नही रहते बल्कि 36 बिरादरी के लोग रहते है।वहां का कोई व्यक्ति नही चाहता कि गौक ाी हो। मेव जाति के लोग गौक ाी का काम नही करते। इसमें कोई दो राय नही कि वह एरिया बहुत ही बैकवर्ड एरिया है और वहां पर बहुत ही गरीबी है। भााह साहब ने मेव जाति पर जो आरोप लगया है कि मेव लोग गौक ाी कर रहे है यह आरोप बिल्कुल बेबुनियाद व निराधार है क्योंकि मेव जाति के लोग गौक ाी नही कर रहे। पहले तो मै खुद कहता हूं वहां पर 36 बिरादरी के आदमी है वहां पर न कोई गौक ाी करता है न ऐसी कोई बात है। (विघ्न) जब से चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी ने हरियाणा मे वजीरेआला की हैसियत से कार्यभार सम्भाला है, मै अपनी नॉलेज के आधार पर कहता हूं कि पिछले छः महीने के अंदर कही पर गौ का कोई जिक्र नही आया है। इसके लिए मै चौधरी साहब की सराहना करता हूं और मै खुद इस बात की ताईद भी करता हूं तथा अपनी तरफ से खुद छुट भी देता हूं कि हम चौधरी साहब के सिपाही है और सरकार की हैसियत से हम मेवात मे गौक ाी नही होने देंगे। मै हाउस को भी वि वास दिलाना हूं क्योंकि चौधरी साहब की खुद की नीति और पालिसी भी यही रही है इसलिए मेवात मे गौक ाी नही होगी। न तो हम गौक ाी कर सराहना करेंगे औरन गौक ाी होने देंगे (विघ्न एवं भाोर) जहां तक बेरोजगारी का ताल्लुक है, इसमें कोई दो राय नही कि मेवात वाकई मे ही गरीबी से मुत्सिर है और हमें मालूम है कि चौधरी साहब जी मेवात की किसी चीज से

अनभिज्ञ नही है और पूरी तरह से परिचित है। हमें पूरी उम्मीद है कि जिस तरह सन् 1987 मे जब चौधरी देवी लाल जी हरियाणा के रहनुमा थे उनही के नक ोकदम पर चलकर माननीय औम प्रका ा चौटाला जी हमारे मुख्यमंत्री बने है तो किसी प्रकार से मेवात को पीछे नही रहेने देंगे, ऐसा हमारा वि वास है कि जैसे पहले चौधरी देवी लाल जी की सरकार के समय मे मेवात ने तरक्की की है चाहे वह रोजगार की बात थी किसी दूसरी चीज की बात थी मुख्तलिफ विभागो की बात थी वैसी ही तरक्की अब भी होगी। थैंक्यू वैरीमच।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, इनकी जानकारी मे मेवात के अनदर गौहत्या होती रही है, यह ठीक है। (विघ्न) इन्होने माना है (विघ्न) चाहे इनके पहले राज से होती आ रही है (विध्न) मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि गऊ जिसे हम अपनी मां कहते है और मानते है उसकी हत्या नही होनी चाहिए। यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुददा है। मै यह जानना चाहता हूं कि क्या यह सरकार गौ हत्या के उपर कोई आयोग बनाने का विचार रखती है?

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है, अब आप बैठें। (विघ्न)

श्री मुहम्मद इलियासः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय कर्ण सिह दलाल जी से एक बात जानना चाहता हू।

चौधरी बंसी लाल जी जब मुख्यमत्री थे और उनका एक प्रोग्राम पुन्हाना के अंदर था तब गौक ाी का बात उनके सामने आई तो आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी ने उस वक्त कहा था कि गौक ाी तो पहले से होती आई है यह कोई बात नही है। भाई दलाल साहब को मै यह बताना चाहता हूं जब इनकी सरकार थी तो ये खुद मंत्री थे तो उस वक्त इन्होने यह बात क्यों नही की। भााह साहब ने एक बात और कही है कि पहले हम हिन्दु थे और अब मुसलमान हो गए है। मै भाई से यह गुजारि ा करता हूं कि माफ कीजिएगा हिन्दुस्तान के अंदर खाने का अधिकार, रहने का अधिकार और धर्म को मानने का अधिकार बहुत पुराने वक्त से है। यह सही बात है कि हम हिन्दु थे लेकिन इसमे भी कोई संदेह की बात नही है कि हम कल्मागोयम हुए है उसमे हम मुस्तहिक है। जब से हमने कलमा पढ लिया तो बात खत्म हो गई उसके बाद के हालात की बात कोई मायने नही रखती। उस वक्त कहां था, क्या था, क्यो कन्वर्ट हुए, कैसे कन्वर्ट हुए। माफी चाहूंगा कि यह मामला हाउस के अंदर नही कहना चाहिए था। बलबीर भााह जी को ऐसी बात यहां पर नही उठानी चाहिए थी, यह सब को बराबर का अधिकार है और अपनी प्रवृति की बात है।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

श्री बलबीर पाल भााह द्वारा

श्री बलबीर पाल भााहः अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान है। मैने बहुत स्पश्ट भाब्दो मे कहा है कि उस समय ऐसे हालात हुए जिससे इन्होने कन्वर्सन की। मै इनकी किसी बात के खिलाफ नही हूं। हम और आप भाई है मै कटाक्ष नही करना चाहता था हम तो सिर्फ यह चाहते है कि मेवात के अंदर गौक ी होती रही है वह बन्द होनी चाहिए, मै सरकार से यह मांग करता हू। ये किसी धर्म को माने, हम किसी धर्म को माने इससे कोई फर्क नही पडता।

श्री मोहम्मद इलियासः हम इसके लिए पहले से ही वचनबद्ध है। आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री बलबीर पाल भााहः हम आपका इसके लिए धन्यवाद करते है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मुझे भी इस विशय मे अपनी बात कहनी है।

श्री अध्यक्षः अब इस टॉपिक पर और डिस्क ान नही होगी, आप सब बैठ जाएं। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा नाम लेकर बात कही गई है। आप चाहे तो कार्यवाही देख सकते है।

श्री गोपी चन्दः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आडर है। अध्यक्ष महोदय, कभी कोई मैम्बर कही से खडा हो जाता है तो

कभी कोई। अध्यक्ष महोदय जी अपनी सीट पर खडे होते है फिर भी ये बोलते रहते है। मै इनको यह बताना चाहूं कि बाकी मैम्बर्ज भी बोल सकते है उनको भी बोलने का अधिकार है। ये बिना इजाजत के नही बोलें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान है। अभी मंत्री जी ने जैसा कहा कि हमारे सामने यह बात आई कि वहा ंपर गौ हत्याए हुई है **********

श्री अध्यक्षः कर्ण हि दलाल जी जो कह रहे है वह रिकार्ड नही किया जाए।

वर्श 2000–2001 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री धर्मपाल (सोहना): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। कल दिनांक 14–3–2000 को वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया वह कर रहित है। यह बहुत ही सूझ बूण का परिणाम है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे 3–4 सालो में अराजकता का माहौल बन गया था चाहे वह किसी भी वर्ग की तरफ से हो। विकास नाम की कोई चीज ही नही थी। कोई सुरक्षित ही नही था। किसी भी तरफ विकास कार्यो को बढावा नही दिया जा रहा था। इसके लिए मै पिछली सरकारो और पूर्व मुख्यमंत्रीयो को दोशी नही ठहराउंगा क्योंकि यह ठीक नही है। इस बजट से उम्मीद होती है कि भाायद

पिछली कमियां ठीक हो जाएंगी। जब इस बजट का परिणाम आएगा यह तो उससे ही पता चलेगा। मै अपनी कांस्टीच्युएंसी सोहना की यहां पर चर्चा करना चाहूंगा। वहां पर सडको की हालत इतनी खराब हो गई थी कि पूछो नही। वहा ंपर 3–4 सालो मे कोई रिपेयर का काम नही हुआ था। यह मै मानता हूं कि अब थोडा सा काम हुआ है। किसी काम को न करना अच्छी बात नही है। इसके साथ साथ मै खासतौर पर बताना चाहूंगा जितनी अप्रोच रोडज है। चाहे वल्लभगढ रोड है, दिल्ली से अलवर रोड है और चाहे नै ानल हाई वे रोड से कही को है। ऐसे कई रोडज है मै कितने नाम यहां पर गिनवाउ। इस बारे मे मै सबसे पहले बाद ााहपुर गौलवास सडक जिसका 8 कि0 मी0 का टुकडा खराब है, का जिक करना चाहूंगा। इसकी हालत यह है कि इस पर बस का जाना भी बंद हो गया है। रोडवेज ने अपनी बस वहां पर इसलिए भेजनी बंद कर दी क्योंकि उस सडक मे बहुत गढढे थे बस आ जा नही सकती थी सब का बहुत नुकसान होता था। इसी तरह से दूसरी सडक दिल्ली से अलवर रोड पर धामरोड लिंक रोड है इसकी भी बहुत बुरी हालत है इसी तरह से दिल्ली अलवर रोड पर अलीपुर गांव की जो सडक है उसका भी यही हाल है उी के साथ साथ एक गढी बाजीपुर को रोड जाती है उसकी भी हालत खराब है। इसी तरह से पिचरसा से वाया वल्लभगढ रोड है यह 18–20 कि0 मी0 तक खराब है। अध्यक्ष महोदय, ये सारी ऐप्रोच रोडज है जोकि सारी ही टूटी हुई है। इसी तरह से बाद ााहपुर से दरबारपुर हसनपुर रोड है उस पर भी बस का आना जाना बंद

है क्योंकि वह टूटी हुई है। इसी तरह से मानेसर से कासन तक की सउक भी बहुत खराब है। नै ानल हाई वे नं0 8 से गांव ग्वालियर की सडक और खेडकी की सडक की भी हालत बहुत खराब है। मै इन सभी सडको के बारे मे सरकार से अनुरोध करुंगा कि इनको बनाने की तरफ जल्दी ध्यान दिया जाए और जनता को सुविधा दिलायी जाए। अध्यक्ष महोदय, जहां तक जन–स्वास्थय की बात है। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे कहा गया था और बजट मे भी इसका उल्लेख है। सन् 1994–95 मे एक स्कीम आई थी जिसमे आधा पैसा भारत सरकार ओर आधा पैसे हरियाणा सरकार का था। इस स्कीम के तहत पटोदी, सोहना, नारनौंद और कनीना आदि कस्बो को पेयजल की व्यवस्था की गयी थी। सरकार बताए कि इस स्कीम के तहत कितने बोरिंग और टयूबवैल्ज लगे? मै इस बारे मे इतना की कहना चाहूंगा कि सोहना मे कुछ कालोनीत मे जैसे ि ाव कालोनी, पहाड कालोनी, वार्ड नं0 8 व 10 मे पीने के पानी नही पहुंचा है जबकि सरकार ने दावा किया है कि उसने 70 लीटर पानी प्रतिदिन प्रति व्यक्ति दिया है लेकिन जिन जगहो का मैने नाम लिया है वहां पर दस लीटर पानी प्रतिदिन प्रति व्यक्ति भी उपलब नही हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, इसलिए मेरा अनुरोध है कि इस स्कीम को पूरा करवाया जाए ताकि लोगो को पीने का पानी मिल सके। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, कृशि तथा उससे संबंधित कार्य ही किसानो की आय के साधन है। प ुपालन का जहां तक सवाल है। आज गया और भैंसे बहुत महंगी हो गयी है। वैसे तो हरियाणा मे दूध की मात्र

काफी अच्छी है यह माा मेरे ख्याल मे पूरे दे ा मे पंजाब के बाद दूसरे नम्बर पर है। यहां पर 621 ग्रम यानि लगभग आधा किलो दूध एक आदमी के लिए उपलब्ध है। यह मात्रा बहुत अच्छी है लेकिन प ाुओ के रख–रखाव के लिए और खासकर उनके उपचार के लिएमै सरकार से और सदन के नेता से अनुरोध करुंगा कि पहले इस बारे मे एक स्कीम थी हर जिले मे एक पौली–क्लीनिक बनाने की। इस स्कीम के तहत ही हमारे गुडगांव जिले मे भी एक पौली–क्लीनिक का ि ालान्यास चौधरी भजन लाल जी ने किया था उस पर सात या आठ लाख रुपये भी खर्च हो चुके थे लेकिन उसके बाद से वह बिल्कुल बंद पडी है। मेरा अनुरोध है कि इस पौली–क्लीनिक को पूरा करवाया जाए। इस क्लीनिक के लिए गांव खनौला वालो ने अपनी बहुत ही महंगी जमीद दी थी। अगर इसको पूरा करवा दिया जातहै तो इसका बहुत ज्यादा फायदा हमारे गुडगांव जिले को मिलेगा। कई बार प ाु चारे में सुई या कोई लोहे कीचीज खा जाते है या उनको कोई और बीमारी हो जाती है अगर यह क्लीनिक पूरी हो जाएगी तो इसके द्वारा उनका उपचार अच्छी तरह से हो सकेगी और आपरे ान करके उस बीमारी को भी दूर किया जा सकेगा वे किसान को होता हुआ नुकसान बच जाएगा साथी ही किसान की प ाुपालन मे रुचि भी बढेगी। अब मै ि ाक्षा के बारे मे कहना चाहूंगा। वैसे तो ि ाक्षा के बारे मे बहुत कुछ किया गया है लेकिन जो तकनीकी ि ाक्षा है उसे भी महत्व दिया जाना चाहिए। हमारे गांव मानेसर मे जिला गुडगांव की एक पोलिटैक्निक मानेसर

के नाम से कार्यरत है मुझे अफसोस के साथ कहना पडता है कि इस पॉलिटैक्निक मे चार ट्रेड सैंक ान किए गए थे। 1. मैकेनिकल, 2. इलैक्ट्रोनिक 3. प्लास्टिक इंजीनियरिंग और 4. इंस्ट्रूमैंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग। इन चारो मे से एक ही ट्रेड चल रही है इसका कारण यह है कि कुछ तो भवन का अभाव था, लैबोरेट्री भी नही बन सकी थी। इसके अलावा यह भी पता चला है कि जो मैकनिकल इंजीनियरिंग की ट्रेड है वह नीलोखेडी मे चल रही है मेरा अनुरोध है कि हमारे वहां चारो ट्रेड चालू की जाए। ताकि देहात के बच्चो को आगे बढने का मौका मिल सके और इस इलाके का सुधार हो सके। इसके साथ साथ और कई ऐसी बातें है जो कहने की है जैसे कि हमारे निर्वाचन क्षेत्र मे मात्र सात दस जमा दो के स्कूल है और भी ऐसे कई इलाके बाकी है जहां 10—10 गावो मे दस जमा दो स्कूल नही है। मेरा अनुरोध है कि दस जमा दो स्कूलो को बढावा दिया जाए ताकि हर आदमी को और वि ोशकर लडकियो को मौका मिल सके। इन भाब्दो के साथ आपका धन्यवाद करते हुए मै अपना स्थान लेता हूं।

श्री नफे सिंह राठी (बहादुरगढ): आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए आपका धन्यवाद, जैसे कि सभी को ज्ञात है कि पिछले महीने की 22 तारीख को हरियाणा प्रदे ा मे असैंबली के चुनाव हुए और किस तरह से चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी नेतृत्व मे हरियाणा की जनता ने समर्थन व्यक्त किया और समर्थन व्यक्त करते हुए सरकार बनाने का पुनः अवसर प्रदान किया।

चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी की सरकार ने समर्थन लेते ही जो काम किए उन कामो की लोगो ने सराहना की और हरियाणा मे ही नही बल्कि हिन्दुस्तान के स्तर पर उसकी सराहना हुई और इसी कारण चौटाला साहब की सरकार दोबारा सत्ता में आई। आज बजट पर जो चर्चा चल रही है मै उसके समर्थन मे खडा हुआ हू। प्रोफैसर सम्पत सिंह जी को धन्यवाद और बधाई देता हूं कि इन्होने इतना भाानदार बजट प्रस्तुत किया है जो हरियाणा की जनता के लिए विकास के नये मार्ग खोलेगा और हरियाणा मे अमन, चैन, और भाांति कायम करेगा। लोगो की भावनाओ की कद्र होगी, आदर होगा। स्पीकर साहब, पिछली सरकार के समय मे जिस तरह से हरियाणा में लोगो की भावनाओ के साथ खिलवाड किया गया वह आपके सामने है। पूरे हरियाणा की जनता जानती है कि चौधरी बंसी लाल के समय मे किस तरह से कानून व्यवस्था की स्थिती चरमराई हुई थी। विकास के कार्य नही हुए। लोगो से जो वायदे किए गए उनके बरखिलाफ काम करने का काम किया गया। उससे पहले कांग्रेस की सरकार मे ंभी जिस तरह से कानून व्यवस्था के मामले मे और विकास के मामले मे बहुत भेदभाव हुआ है। बहादुरगढ हलके की बात मै कहना चाहूंगा। स्पीकर साहब, कांग्रेस सरकार के भाासनकाल मे बहादुरगढ मे एक नही दो नही बल्कि एक दर्जन छोटी छोटी बच्चियो के साथ गलत काम हुए। आठ साल की छोटी छोटी बच्चियो को मार कर फैंक दिया जाता था। बेबी किलर कांड होते रहे लेकिन कांग्रेस सरकार आंख मिंच कर बैठी रही और कोई कार्यवाही नही की गई। झुठे मुकद्मे एक

या दो आदमियो के खिलाफ जरुर बनायें गए। लेकिन अब बहादुरगढ मे कानून व्यवस्था की हालत में काफी सुधार है। मेरे हलके बहादुरगढ का 70 किलोमीटर एरिया दिल्ली की सीमा से लगता हे दिल्ली के कस्बो नजफगढ, नांगलोई, चण्डी आदि मे जो छोटी छोटी कालोनिया होती है वहां दूसरे स्टेटस से आकर लोग रहते है जिनमे क्राईम पे ो के लोग भी होते हैं। वे लोग हरियाणा मे दाखिल होकर अपराध करते है फिर दिल्ली मे चले जाते है। बहादुरगढ भाहर को हरियाणा प्रदे ा का गेट वे आफ हरियाणा कहा जाता है। वे लोग बहादुरगढ मे क्राइम करके दिल्ली मे भाग जाते है। लेकिन जब से चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी की सरकार इस प्रदे ा मे आई है तब से उन दरिन्दो का हरियाणा प्रदे ा मे आने पर अंकु ा लगा है और बहादुरगढ में कानून व्यवस्था की स्थिती बेहतर हुई है। स्पीकर साहब, इस बजट मे दिल्ली की समस्या हो हल करने के लिए बजट का प्रावधान रखा गया है और पिछले बजट के हिसाब से लगभग 142 करोड रुपया ज्यादा रखा गया है इसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। स्पीकर साहब, जहां तक पानी का सवाल है। मेरे एरिया मे 22 टेलें नहरी पानी की है उन 22 टेलो मे से 17 टेले ऐसी थी जिन पर लगभग आठ साल से पानी नही पहूंचता था। लेकिन आपको सुनकर खु ाी होगी कि जब से चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी की सरकार इस प्रदे ा मे आई है तो उसने तमाम रजवाहो की सफाई करवाकर और सभी नहरो की सफाई करवाकर आखिरी टेल तक पानी पहुंचाने का काम किया है। नहरो के मामले मे जा 775.

17 करोड रुपये का प्रावधान इस बजट मे रखा गया है वह बहुत अच्छा और सराहनीय कदम है। स्पीकर सर,जहां तक सडको का सवाल है। 1995 मे प्रदे ा मे बाढ आई थी उस समय चौधरी भजन लाल जी की सरकार थी लेकिन पूरे प्रदे ा मे बाढ के बाद किसी भी सडक की मरम्मत का कार्य नही किया गया। उसके बाद चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आई। वे कहते थे कि सडको को मैने ही बनवाया है और मै ही सडको की मरम्मत और थेकली लगवाने का काम करुंगा। उन्होने भी सडको की मरम्मत का काम नही करवाया। लेकिन जब से चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी की सरकार आई है आप देख रहे है कि प्रदे ा की सडको की मरम्मत का काम चल रहा है कही पर गडडे भरने का काम चल रहा है तो कही पर सडको की रिपेयर का काम चल रहा है। स्पीकर सर, अब मै। खेलो के बारे में कुछ कहना चाहता हू। पिछली सरकार ने खेलो के मामले मे खिलाडियो की अनदेखी की है और उस का परिणाम आज यह है कि हरियाणा के खिलाडी दूसरे प्रदे ाो मे जाकर नौकरियां करने जा रहे है क्योंकि कांग्रेस की सरकार ने खिलाडियो का नौकरियो से कोटा खत्म करने का काम किया था। 1992मे पुलिस विभाग के खिलाडियो को रिवर्ट कर दिया गया था जिसके कारण उन खिलाडियो को हाई कोर्ट मे जाना पडा। जबकि माननीय चौधरी देवी लाल जी ने खिलाडियो को नौकरी मे कोटा देना भाुरु किया था और जो खिलाडी राश्ट्रीय स्तर या अन्तराश्ट्रीय स्तर का होता उसे नौकरी मे प्रमो ान दिया जाता था लेकिन कांग्रेस की सरकार ने प्रमो ान देने की बजाए रिव ान

करने का काम किया। स्पीकर सर, मै खुद खिलाडी रहा हूं इसलिए मै खिलाडी की भावना को जानता हू। इन खिलाडियो को उच्च स्तर पर जाने के लिए बहुत मेहनत करनी पडती है इसलिए मेरा सरकार से अनुरोघ है कि जितने भी खिलाडियो की रिव र्ान की गई है उनकी रिव र्ान वापिस लेकर उनको पदोन्नति प्रदान की जाए। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि पिछली बंसी लाल जी की सरकार के समय मे जब कारगिल का युद्ध हुआ था उस समय हम भी इस सदन के सदस्य थे और आदरणीय औम प्रका ा चौटाला जी भी विपक्ष के लीडर थे किस तरह से बंसी लाल जी ने भाहीदो को दी जाने वाली रा ि ा रो रो कर पचास हजार से पांच लाख रुपये करने का काम किया था लेकिन औम प्रका ा चौटाला जी ने आते ही उस रा ि ा को 10 लाख रुपये करने का काम किया इसलिए हरियाणा के लोगो ने पूरी तरह से एकजूट होकर औम प्रका ा चौटाला जी को, चाहे वे किसानो के लिए, चाहे व्यापारियो के लिए, चाहे कर्मचारियो के लिए, चाहे भाहीदो के लिए काम कर रहे थे, जनादे ा दिए। इसी प्रकार औम प्रका ा चौटाला जी ने चुंगी प्रणाली को खत्म करने का काम किया। यह चुंगी प्रणाली अंग्रेजो के टाइम से चली आ रही थी। पिछली सरकार ने न केवल व्यापारियो को बल्कि भाहर के रहने वालो को छोटा मोटा सामान बाहर से लाने पर चूंगी लगाकर परे ान करने का काम किया था। औम प्रका ा चौटाला जी ने गन्ने का भाव 110 रुपये और आज ये वही कांग्रेस के लोग इस सरकार पर छिंटाक ाी करने का काम कर रहे है। कांग्रेस की

सरकार मे बिजली की क्या दुर्द ाा थी और बंसी लाल जी के टाइम मे भी क्या थी, इस बात को आप सभी जानते है। औम प्रका ा चौटाला जी ने आते ही बिजली के क्षेत्र में जो काम करके दिखाए है उनसे लोग लाभान्वित और खु ा हुए है। सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी मेरे हलके मे गए और वहां जाकर लोगो की समस्याएं सुनी और उनकी तकलीफें दूर करने का काम किया। एक वे मुख्यमंत्री थे जिनसे एम एल ए और मंत्री नही मिल पाया करते थे और एक ये मुख्य मंत्री है जो लोगो के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनकर उनका निराकण करने का प्रयास करते है। 1995 में कांग्रेस की सरकार थी उस समय बहादुरगढ मे आटो मार्किट बनने के लिए 21 एकउ जमीन पर दफा 4 और 6 के तहत नोटिफिके ान हो गई थी और नोटिफिके ान होने के बावजुद भी कांग्रेस सरकार के मंत्रियो ने मिलकर प्रोपर्टी डिलर्ज और जमींदारो को कहा कि तुम्हे सरकार कुछ नही देगी और उन पर दबाव डालकर उनको 3–3, 4–4 लाख रुपये देकर उनकी जमीने खरीद ली, उन जमीनो मे हरिजनो की भी जमीनें थी। 21 एकड जमीन मे एक कालोनी बनाकर 1200–1200, 1500–1500 रुपये गज के हिसाब से प्लाट काटने का काम किया गया उसके बाद बंसी लाल की सरकार आई जैसा कि अभी भाादी लाल जी ने जिक्र किया था कि एक पूर्व मंत्री के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया, उस मंत्री का लडका भी उस कालोनी मे हिस्सेदार था और उन्होने करोडो रुपये के वारे–न्यारे किए। इस तरह से लोगो को लूटा गया। पिछली

सरकार मे और उससे भी पहले की कांग्रेस की सरकार मे लोगो पर जुलम और ज्यादतियां हुई। अध्यक्ष महोदय, मै मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि बहादुरगढ भाहर 1162 साल पुराना बसा था और उससमय काएक भाम ाानघाट था उसको भी ऐक्वायर कर लिया गया है इसलिए अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि पिछली सरकार मे लोगो पर हुए जुल्मो और ज्यादतियो को सुधारा जाए और बहादुरगढ मे कुछ ऐसे कार्य है जो पिछली सरकारो के समय मे नही हो सके और वे इसलिए नही हुए क्योंकि वहां से हमे ाा ही अपोजी ान का विधायक रहा है। वहां पर कुछ ऐसे कार्य होने बहुत जरुरी है। जैसे सोहटी सब–माईनर का काम पिछले काफी समयसे नही हुआ है। इसी तरहस से टांडाहेडी नूनामाजरा माईनर है। इसका काम भी पिछले 20 सालो से नही हुआ है। वहां पर यह काम न होने से किसानो को बहुत ज्यादा परे ाानी का सामान करना पड रहा है। मेरा मुख्यमंत्री महोदय जी से नम्र निवेदन है कि इस काम को जल्दी से जल्दी पूरा करवायें। स्पीकर सर, इसके अतिरिक्त सांखोल और जसराणा माईनर है। उन पर भी विगत 20 साल से काम नही हुआ है। यह काम भी मुख्यमंत्री महोदय जल्दी से करवायं ताकि वहां किसानो की समस्या दूर हो। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे 29 नगरपालिकाएं तोड दी है। इस बारे मे मै यह कहना चाहता हूं कि जो नगरपालिका तोडी गई है उसका स्टाफ उसके नजदीक लगती नगरपालिका मे ही भेजा जाये। खरखौदा नगरपालिका तोडी गई है उसका स्टाफ इसके लगते नगरपालिका

मे ही भेजा जायें। स्पीकर सर, बहादुरगढ मे सिवरेज सिस्टम में बडी भारी समस्या है और इस समस्या का समाधान तभी हो सकता है जब वहां पर डिस्पोजल सिस्टम लगाया जाये। इस सिस्टम के लिए वहां पर 4 एकड जमीन के लिए दफा 4 और दफा 6 के तहत नोटिफिके ान हो चुकी है। इस बारे में मै मुख्य मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहूंगा कि वहां पर दफा 9 के तहत नोटिफिके ान करके जल्दी से जल्दी वहा ंपर काम भाुरु किया जाये। स्पीकर सर, इसी के साथ जो बजट माननीय वित्त मंत्री जी ने प्रस्तुत किया है जिसमें कृशि, व्यापार, प ाुपालन, उद्योग और पर्यावरण, चिकित्सा और जन स्वास्थय, समाज कलयाण, ि ाक्षा, कानून–व्यवस्था, नहरो, पीने के पानी आदि को ध्यान मे रखकर जो प्रावधान किया गया है उसके लिए वे बधाई के पात्र है। इस तरह से संपत सिंह जी ने एक बहुत ही अच्छा बजट प्रस्तुत किया है और मै इसका समर्थन करता हू और सभी माननीय साथियो से निवेदन करता हूं कि वे भी इसका समर्थन करें। धन्यवाद।

श्री राम कुमार (गोहाना): परम आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज इस गरिमामय सदन मे मेरे को इस भाताब्दी के प्रथम वार्शिक बजट का समर्थन करने के लिए आपने समय दिया। इसके लिए मै आपका आभार प्रकट करता हूं। जो विकास का बजट पे ा किया है इसकी मै प्र ांसा करता हू। वाकई मै यह बजट हरियाणा प्रदे ा की प्रगति के लिये बनाया गया है। यह बजट आज तक का सबसे अधिक सार्थक और उपयोगी बजट है।

इस बजट से यह साफ झलकता हैकि सरकार प्रदे ा की तरक्की के लिए सजग है और सही अर्थो मे हरियाणा का विकास करना चाहती है। आज से पहले इतना बढिया, सार्थक और उपयोगी बजट कभी नही आया। इस बजट मे बिक्री कर फार्म संख्या 15 को समाप्त कर दिया गया है। इसके लिए सरकार बधाई की पात्र है। कर रहित बजट पे ा किया गया है। इस बजट मे सरकार ने सडको की मरम्मत के लिए वि ोश प्रावधान किया है तथा ग्रामीण व भाहरी क्षेत्रो में पर्याप्त स्वच्छ पेय जल की व्यवस्था करने का प्रावधान किया है। इसके अलावा हरियाणा सरकार सभी उपभोक्ताओ को नियमित बिजली सप्लाई करने के लिए वचनबद्ध है। सरकार ने यह भी एक सराहनीय कार्य किया है। सरकार ने इस बजट में गरीबी कम करने, आया तथा रोजगार के अवसर जुटाने, खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा अन्य कृशि संबंधी विकास कार्यो का प्रावधान करके एक सराहनीय कार्य किया है। अध्यक्ष महोदय, उत्म स्वास्थय मानव जीवन की सर्वोत्तम पूंजी है। सरकार ने इस सर्वोत्तम पूंजी के परिक्षण के लिए राज्य में 2299 उपकेन्द्रो, 401 प्राथमिक स्वास्थय केन्द्रो, 64 सामुदायिह स्वास्थय केन्द्रो तथा 44 अस्पतालो का प्रबंध करने का प्रावधान किया है। इसके लिए भी सरकार बधाई की पात्र है। इस बजट मे गावो तथा भाहरो मे बसने वाली 36 बिरादरियो के लोगो के लिए जो सराहनीय कार्य करने का प्रावधान किया गया है उसके लिए सरकार की जितनी प्र ांसा की जाए वह कम है। यह बजट प्रदे ा की तरक्की का बजट है। स्पीकर सर, मेरे हलके गोहाना मे बहुत सी समस्याएं है

जिनके बारे में मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा। सबसे पहले तो मै बताना चाहूंगा कि पिछले 50 सालो से गोहाना मे एक भुगर मिल की स्थापाना किए जाने की मांग चली आ रही थी। चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी की सरकार आने से पहले भी बहुत सी सरकारे आई लेकिन किसी ने भी गोहाना हलके के लोगो की सुनवाई नही की। मै आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करना चाहूंगा कि उन्होने सत्ता मे आते ही एक ही कलम से गोहाना के लोगो की इस मांग को स्वीकार कर लिया। (इस समय सभापतियो की सूची मे से एक सदस्य श्री राजेन्द्र सिंह बिसला चेयर पर पदासीन हुए) सभापति महोदय, इसके लिए मै माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार प्रकट करते हुए उनसे यह भी निवेदन करना चाहूंगा कि नवम्बर से पहले पहले इस भुगर मिल को चालू करा दें ताकि जिन किसानो ने अपना गन्न बो रखा है उनका गन्ना नवम्बर में इस मिल मे लाया जा सके। सभापति महोदय, मरे क्षेत्र गोहाना की दूसरी समस्या यह है कि हमारे भाहर मे जमीन के नीचे का पानी खारा है और कडवा पानी है और टयूबवैल लगाकर यही पानी घरो में दिया जाता है। इसलिए मै आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि हमारे यहां डिग्गी बनाकर नहर का पानी घरो मे सप्लाई कराया जाए ताकि लोगो को पीने का स्वच्छ पानी मिल सके जिससे कि उनकी सेहत और स्वास्थय ठीक रहे। सभापति महोदय, तीसरी समस्या देहाती जमीनो मे भी खारा और कडवा पानी होने की है। खारा पानी होने की वजह से जमीने खराब हो

जाती है इसलिये मेरा अनुरोध है कि हमारी नहरो के अंदर ज्यादा से ज्यादा पानी दिया जाये ताकि पानी टेल तक पहुंच सके और सारे खेतो की सिंचाई हो सके। इसके अलावा लडकियो के लिए भी अलग से कालेज होना चाहिए। सभापति महोदय, हमारे यहां मिनी सचिवालय भी नही है और अधिकारियो को इधर उधर किराये की बिल्डिंग `कर दफतरो मे बैठना पडता है जिससे जनता को बडी परे ाानी होती है। इसलिये मै आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करता हूं कि गोहना मे एक मिनी सेक्रेटरी भी होना चाहिए। सभापति महोदय, हमारी पांचवी समस्या बाई पास की है क्योंकि गोहाना मे बडे बडे वाहन भाहर के अंदर से होकर गुजरते है जिससे सडक पर जाम लग जाता है और पब्लिक को बडी परे ाानी होती है। सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि गोहाना के अंदर एक बाई–पास बनाना चाहिए जिससे कि बडे बडे वाहन बिना किसी दिक्कत के अपने गन्तव्य स्थानो को जा सके और लोगो को भी कोई परे ाानी न हो। सभापति महोदय, हमारे वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है यह गरिमामय बजट है। इस बजट की जितनी तारीफ की जाये कम है। मै इस बजट का पुरजोर समर्थन करता हूं क्योंकि यह बजट हरियाणा को तरक्की के रास्ते पर ले जायेगा। अन्त मे सभापति महोदय, मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री अजय सिंहः चेयरमैन साहब स्पीकर साहब ने मुझे बजट पर समय देने के लिए कहा था।

श्री सभापतिः अभी आप बैठिये। बाद मे आपको समय देंगे। अब श्री भागी राम जी बोलेंगे।

श्री भागी राम (ऐलनाबाद अनुसूचित जाति): सभापति महोदय, मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे इस बजट पर बोलने का अवसर दिया। बजट पर बोलते हुए सबसे पहले मै वित्त मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि इन्होने बहुत ही अच्छा बजट पे ा किया है। इसके बाद मे चौटाला साहब का धन्यवाद करता हू कि इन्होने राज्य सभा की सीट के लिए होने वाले चुनाव मे एक हरिजन जाति के व्यक्ति श्री फकीर चन्द जी को राज्यसभा में भेजने का फैसला किया है। मै इसके लिए चौटाला साहब का सभी हरिजन भाइयो की तरफ से धन्यवाद करता हूं। सभापति महोदय, मेरे से पहले बोलने वाले साथियो ने अपने अपने विचार हाउस के सामने रखे। कई साथियो ने कहा कि सरकार की तरफ से हरिजन कन्याओ की भाादी के समय कन्यादान देने वाली स्कीम के तहत 5100 रुपये सरकार की तरफ से दिये जाते है नाकामयाब रही यानी इस स्कीम का फायदा हरिजन भाइयो को पूरी तरह नही पहुंच पाया। सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि हरियाणा विधान सभा मे हरिजन मैम्बरो की संख्या 17 है और इन 17 मैम्बरो मे से 14 मैम्बर अकेले औम प्रका ा चौटाला जी की पार्टी के है। इसके

अलावा दो मैम्बर्ज भी हमारी ही पार्टी जैसी पार्टी के मैम्बर्ज है। इसके अलावा जो एक मैम्बर बचे है श्री रामफल फौजी वे भी अपनी ताकत से कांग्रेस की नीतियो के खिलाफ हाउस मे जीतकर आये है। (विघ्न)

श्री रामकि ानः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। चेयरमैन साहब आपके माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि हरिजन लडकियो की भाादी की स्कीम के तहत जो 5100 रुपये दिये जाते है यदि सरकार इसके साथ उन्हे 40 किलो चावल और एक बोरी चीनी की और दे दे तो बहुत ही अच्छा रहेगा।

14:00 बजे

श्री भागी रामः हरिजन भाइयो ने फैसला करके सारे के सारे विधायह चौटाला साहब की पार्टी के जिताए है तो आखिर कोई न कोई कारण तो है। चेयरमैन साहब जब से दे ा आजाद हुआ है या जब से हरियाणा बना है तब से ले कर हर चुनाव के अंदर कांग्रेस पार्टी ने हरिजनो के वोट बटोरने के लिए तरह तरह के नारे दिए। कभी जमीन बांटने का नारा दिया, कभी प्लांट बांटने का नारा दिया, कभी गरीबी हटाने का नारा दिया और कभी कोई और नारा दिया। सभापति महोदय, इस चुनाव के अंदर कोई अलग ही नारा दिया और वोट बंटोरे। लास्ट में हरिजन भाइयो को हरिजन भाइयो से लडाने का काम भी इस कांग्रेस पार्टी ने किया। आखिर मे जब हरिजन ने सोचा तो उसको समझ आई। जब से

दे ा आजाद हुआ और हरियाणा बना हरिजन वोट कांग्रेस पार्टी को मिलते रहे लेकिन इस चुनाव के अंदर सब हरिजन भाइयो ने सोच समझ से काम लिया और आज सारे के सारे विधायह चौटाला साहब की पार्टी के जिताए। (विघ्न) चेयरमैन साहब, चौटाला साहब ने आखिरकार हरिजनो के लिएकुछ काम किए होंगे। थोडे ही समय के लिए चौधरी देवी लाल जी को और चौटाला साहब को हरियाणा में राज करने का मौका मिला है। करीब 4–5 साल के भाासनकाल मे हरिजनो के लिए जो काम किए उनसे पता चलता है कि वे हरिजनो के कितने हितै ाी है चाहे गांव मे हरिजन चौपाल बनाने का काम किया, चाहे घुमन्तु परिवारो के बच्चे पढ लिख नही सकते थे उनके बच्चो को सकूल मे दाखिला देने के बाद हर रोज एक रुपया हाजरी इनाम देने का काम किया। चेयरमैन साहब सम्पन्न परिवार के किसी आदमी को पैं ान मिल चाहे न मिले लेकिन हरिजन परिवार जो कि गरीब है उनके घर के अंदर आर्थिक तंगी बहुत ज्यादा है जब उस परिवार के बूढे को 200 रुपये और बुढिया को भी 200 रुपये मिल जाते है तो उनको बहुत बडी मदद उससे मिलती है जिसके कारण वह बूढा या बुढिया जब तक जीयंगे चौधरी देवी लाल जी को हमे ाा याद रखेंगे (विघ्न) आज वे लोग चौटाला साहब तथा चौधरी देवी लाल को याद कर रहे है। चेयरमैन साहब, इसी तरह से हरिजन कन्या के लिए 5100/ रुपये कन्यादान के रुप मे देने का फैसला किया गया है। जब कभी कोई हरिजन आदमी पहले किसी अमीर आदमी से कर्ज लेने के लिए जाता था तो उसको कितने

ऐफिडेविट पर दस्तखत करवा कर उससे दुगना तिगुना ब्याज लगा कर वसुल करता था औरउसके लडके को घर में नौकर रखता था। 5100 रुपये कन्यादान की रा ि ा के लिए चौधरी साहब बधाई के पात्र हैं। वह गरीब आदमी जिसके घर मे बेटी जवाब है और भाादी के समय 5100/ रुपये मिल जाता है तो हरिजन के लिए इससे बडा और कोई सहारा नही हो सकता है। चेयरमैन साहब इसी तरह से इन्टरव्यू के लिए जब कोई गरीब आदमी का बेटा जाता था तो उसे बडी दिक्कत होती थी और कई बार तो पैसे की कमी के कारण वह इन्टरव्यू पर जा नही पाता था। लेकिन चौधरी देवी लाल जी ने इन्टरव्यू पर जाने के लिए आने जाने का फी पास करके बहुत बडा फैसला किया था। अगर कोई बच्चा सिरसा से चलकर चण्डीगढ इन्टरव्यू देनेके लिए आएगा तो उसको किराये के पैसे जुटाने मे जो मु ि कल पे ा आती थी उससे उसको राहत मिली है। नौकरी उको मिले या न मिले यह बाद की बात है लेकिन जब वह हर इन्टरव्यू अटैंड कर रहा है क्योंकि सिरसा से लेकर चण्डीगढ तक 200–300 रुपये किराये की राहत उसको मिल गई है। चेयरमैन साहब, ई प्रकार से कई और महत्वपूर्ण फैसले हरिजनो के लिए किए है। चेयरमैन साहब, पिछले दिनो चौधरी बंसी लाल जी की सरकार थी तो उस सरकार ने पीले कार्ड का मामला टेकअप किया था। सारा हाउस चर्चा कर रहा है कि सभी हलको मे पीले कार्ड बनने से लोग रा ान कार्ड के लाभ से वंचित रह गए है इसलिए मै मुख्य मंत्री महोदय से यह अपील करना चाहूंगा कि क्योंकि सम्पन्न परिवार वालो के तो पीले कार्ड बन गए

है इसलिएमै मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करुंगा किपूरी तरह से दोबारा से सर्वे होना चाहिए और जो वास्तव मे गरीब लोग है और पीले कार्ड बनने से वंचित रह गए है उनके पीले कार्ड बनवाएं जाए। चेयरमैन साहब, मै ज्याद न बोलते हुए अपने हलके की कुछ बातें कहना चाहूंगा। 1977 मे मै पहली बार चुनाव जीत कर आया था। एक चुनाव को छोडकर मै चुनाव जीता रहा हूं। थोडा सा समय चौधरी देवी लाल जी को हरियाणा में राज करने का मिला था बाकी समय चौधरी भजन लाल जी और चौधरी बंसी लाल जी का राज रहा है। इन्होने ऐलनाबाद और सिरसा जिले के साथ भेदभाव रखा और इनके भेदभाव की वजह से आज सदन मे लक्ष्मण दास जी रो रहे थे वे भजन लाल जी को अपनी बात तोकह नही सकते थे लकिन हमारी सरकार के सामने रो रहे थे। मै उनकी बात से सहमत हूं। (विघ्न) 1979 मे चौधरी देवी लाल की सरकार बनी उस समय इन्होने ऐलनाबाद मे हास्पिटल बनाने के लिए नींव पत्थर रखा था। बिजली का 132 के0 वी0 स्टे ान बनाने के लिए, सिवरेज सिस्टम का और वाटर वर्क बनाने का ि ालान्यास किया था। भजन लाल जी की सरकार आई लेकिन उन पर काम नही किया गया। बंसी लाल जी की सरकार आई फिर भी उन पर कुछ काम नही किया गया। वहां पर ि ालान्यास के पत्थर के पत्थर लगे रहे। उन ि ालान्यासे के बाद न जाने कितने 132 के0 वी के सब–स्टे ान बने, सिवरेज, वाटर वर्क्स और हास्पिटल बन लेकिन ऐलनाबाद मे आज तक कोई काम नही किया गया है। यह सब वहां पर बदले की भावना की वजह से किया

गया है। मै माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि वहां पर जो अभी तक काम नही किये गये है वे करवाएं। सभापति महोदय, आप मेरी बात सुनकर हैरान होगे कि आज तक वहां पर बदले की भावना से न तो चार दिवारी बनवाई गई है और न ही कोई बिल्डिंग बनवाई गई है। वहां पर आज भी बडा बडा घास खडा है। चौधरी भजन लाल जी ने और चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा मे राज किया। चौधरी देवी लाल जी को तो राज करने का थोडा सा समय मिला था। अभी थोडी देर पहले सभी मैम्बर्ज यहां पर इस बारे मे कह रहे थे, रो रहे थे तो वे सब इन दोनो को ही रो रहे थे। क्योंकि वे इनके राज से दुखी थे। आज इन दोनो के कारनामो की वजह से आदरणीय चौटाला साहब मुख्यमंत्री बने है। चेयरमैन साहब, मै चौटाला साहब का इसलिए भी धन्यवाद करता हूं कि उन्होने मुख्यमंत्री बनते ही नये ओटू बीयर को बनाने का ि ालान्यास किया। बरात के सीजन मे पंजाब एवं हिमाचल का पानी हमारे सिरसा जिले से होकर गुजरता है जब ज्यादा पानी वहां पर हो जाता है तो उससे यहां की सारी फसलें बर्बाद हो जाती है। पुराना ओटू बीयर अंग्रेजो के जमाने का थ और अब उस पर रात और दिन काम चल रहा है। चेयरमैन साहब, मै इसके बारे मे मुख्यमंत्री महोदय अभी बैठे नही है लेकिन वित्त मंत्री और ि ाक्षा मंत्री यहां पर बैठे है मै उनसे कहना चाहूंगा कि ऐलनाबाद और रानियां दो कस्बे है इन दोनो कस्बो मे नगरपालिकाएं है और दोनो कस्बो मे ही प्लस टू स्कूल है। आज ि ाक्षा की हर जगह जरुरत है हर आदमी अपने बच्चो को पढाना चाहता है हर मां–बाप

अपने बच्चो को ि ाक्षा देना चाहता है इसलिए मेरा इन दोनो मंत्रियो से अनुरोध है कि ऐलनाबाद और रानियां मे एक एक कालेज जरुर बनाया जाना चाहिए। इस बारे मे मेरा एक क्वै चन भी है। अंत मे मै वित्त मंत्री जी का धन्यवाद करता हू कि उन्होने बिना टैक्स का बजट पे ा किया। धन्यवाद।

श्री भीमसैन (इंद्री): सभापति महोदय, मुझे बोलने का समय देने के लिए आपका धन्यवाद। सर, चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी के नेतृत्व मे जो वित्त मंत्री जी ने कर मुक्त बजट पे ा किया है उससे प्रदे ा के सभी वर्गो को सभी लोगो को राहत मिलेगी क्योंकि इसके अंदर किसी भी किस्म का कोई कर नही लगाया गया है। इसके लिए मै वित्त मंत्री जी को बधाई देता हू और उनकी प्र ांसा करता हू। सभापति महोदय, अब मै आपके माध्यम से अपने हलके की समस्याओ का उल्लेख करना चाहूंगा। आज से कुछ महीने पहले हमारे माननीय मुख्यमंत्री चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी हमारे इंद्री मे सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत गए थे। उस समय उन्होने वहां पर कुछ घोशणाएं की थी जिनमे काफी धोशणाएं तो उनकी कार्य कु ालता के कारण पूरी हो गयी मगर कुछ घोशणए ऐसी रह गयी जिनका उल्लेख मै यहां पर करना चाहूंगा। मुझे वि वास है, आ ाा है कि माननीय मुख्यमंत्री जी मेरी हलके की बकाया घोशणाओ को भी पूरा करेंगे। उस समय उन्होने घोशणा की थी कि वहां पर हैफेड का भोलर लगाया जायेगा। इसके अलावा उन्होने वहां पर जो भाहीद उद्यम

सिंह ने ानल कालेज है उको सरकारी कालेज बनाने का वायदा किया था। इसी तरह से उन्होने वहां पर डबल्यू0 जे0 सी0 के उपर एक पुल बनाने की भी बात कही थी। इसी तरह से मेरे हलके के गांव वीना मे एक पावर हाउस बनाया जाना है उस पर अभी तक काम भाुरु नही हुआ है। मै अनुरोध करुंगा कि उस पर भी काम भाुरु करवाया जाए। मुख्यमंत्री जी के द्वारा की गयी घोशणाओ मे से अभी तक जो पूरी नही हुई है उनके लिए मै माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा की गयी घोशणाओ मे से जो भी तक पूरी नही है उनके लिए मै माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि वे पूरी की जाएं। इसके साथ ही हमारे हलके के अंदर जो सडके टूटी पडी है जिनकी काफी खस्ता हालत है उनकी भी मरम्मत की जाए। ऐसी ही एक सडक मुरादगढ गांव से लेकर बडे गांव एवं भााहपुर तक की है उको भी पूरा किया जाना चाहिए। मुझे पूरा वि वास है और एक बात कहते हुए मै फख्र महसूस करता हूं कि चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी जो बात कहते है वही करते है। ऐसा हमने पिछले भाासन काल मे जब हम इनकी सरकार में मंत्री थे, तब देखा थे। जितने भी कार्यो की घोशणा की थी वह कार्य पूरे किए है और उसी वि वास के साथ आज फिर आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करता हूं और याद दिलाता हूं कि जो घोशणाए उन्होने मेरे हलके के लिए की थी उन्हे पूरा करें ताकि हलके के अंदर जो विकास कार्य बकाया पडे है वह पूरे हो सके। इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हू।

श्री सभापतिः श्री जीतेन्द्र सिंह मलिक अभी तक इस हाउस मे नही बोले है मै चाहता हूं कि यदि वे बोलना चाहे तो विपक्ष के नेता उन्हे बोलने के लिए बुला लें। तक तक श्री भगवान सहाय रावत बोल लें।

श्री भगवान सहाय रावत (हथीन): आदरणीय सभापति महोदय, सव्रप्रथम तो मै आपका धन्यवाद करना चाहूंगा कि इस सहस्त्राब्दी के प्रथम वार्शिक बजट अनुमान प्रस्तुत करते हुए आपने मुझे बोलने का मौका दिया। वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है मै उसके समर्थन मे बोलने के लिए खडा हुआ हू। अपने नैतिक कर्तव्य का पलन करते हुए इस बजट की वास्तविकता से परिचित होते हुए सदन के सम्मुख इसके सकारात्मक पहलू पर अपने कुछ विचार मै रखना चाहूंगा। मुझे इस बात की खु ाी है कि एक जनकल्याणकारी सरकार की स्थापना के बाद राज्यपाल का अभिभाशण जहां दि ाानिर्दे ा करता है वहां सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट भविश्य की योजनाओ पर दृश्टीपात करता है। हमारे सभी साथी विभिन्न क्षेत्रो से चुनकर आए है उनकी अपनी अपनी क्षेत्रवार समस्याओ व उनमे विकास के कार्य करवाने के प्रति रुचि है इसके साथ साथ पूरे राज्य को दृश्टीगत रखकर बजट का प्रावधान किया गया है उसके लिए सरकार बधाई की पात्र है। सर्वप्रथम तो मै ह जो करमुक्त बजट है उसकी प्र ांसा किए बगैर नही रह सकता इससे पहले बजट प्रस्तुत होते रहे है लेकिन मै समझता हूं कि किसी बजट मे टैक्सिज का न लगया जाना सकारात्मक पहलू मे

आता है। केन्द स्तर पर सबसिडी मे कटौती अभी भी विचाराधीन है हमारी प्रदे ा सरकार बधाई की पात्र है कि ऐसी मे उसने सबसिडी को मेनटेन किया है और कई ऐसी जगह भी है जहां उन्होने सबसिडी को इनक्रीज किया है जैसे पावर सैक्टर, फुड, फर्टीलाइजर सैक्टर मे सैन्ट्रल गवर्नमैंट सबसिडी रिडयूस करने जा रही थी उस सबसिडी मे बढोतरी करके सराहनीय काम किया है। हरियाणा प्रदे ा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है। सिंचाई सुविधाओ के बारे मे सरकार ने 412 करोड रुपये का जो बजट मे वि ोश प्रोविजन किया है उसके लिए भी सरकार बधाई की पात्र हैं। खाद और बीज जैसी चीजो पर वि ोश ध्यान देकर उसके लिए भी सरकार ने वि ोश रा ि ा का प्रावधान इस बजट मे पे ा किया है। इसका एक जो सकारात्मक पहलू है वह यह है कि केन्द्र सरकार के स्तर पर सेलटैक्स की समान दर स्वीकर की गई है और उस युनीफार्म दर का पालन करते हुए भी एक डायनामिक बजट प्रस्तुत किया है। खासकर हमारा जो एग्रीकल्चर सैक्टर है उसमे ज्यादा उत्पादन करने के लिए एम0 आई0 टी0 सी0 और जो दूसरी सिंचाई सुविधाएं है उनमे वृद्धि करके सरकार ने सराहनीय काम किया है। चेयरमैन सर, मै मेवात क्षेत्र से ताल्लुक रखता हूं वह क्षेत्र ि ाक्षा की दृश्टी से व आर्थिक दृश्टी से पिछडा हुआ है। जैसे कि आप जानते है कि हमारे मेवात क्षेत्र मे सिचाई के लिए या तो मेवात कैनाल या फिर आगरा कैनाल से पानी मिलता है। लेकिन आगरा कैनाल की मैनेजमैंट का कार्य उत्तर प्रदे ा की सरकार के हाथो मे है जिसके कारण हमें अपना पूरा पानी समय

पर नही मिल पाता। तत्कालीन चौधरी देवी लाल जी की सरकार मे भी मै विधायक था उस समय भी मैने इस बात को उठाया था और एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव भी इस सदन मे लाया गया था। सभापति जी, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि आगरा केनाल की मैनेजमैंट का कार्य सरकार अपने हाथो मे ले इसके लिए चाहे केन्द्रीय सरकार के माध्यम से उतर प्रदे ा की सरकार से कोई समझौता किया जाये। ताकि मेवात ऐरिया को अपने हिस्से का उचित पानी मिल सके। सभापति महोदय, जैसे कि आप जानते है कि समतल भूमि होने के कारण मेवात क्षेत्र का हरियाणा प्रदे ा के उत्पादन मे काफी योगदान रहा है। माननीय सदस्य श्री बलबीर पाल भााह ने गौ हत्या के बारे मे मेरे हलके का जिक्र किया। इसलिए मै उनके सवाल का जवाब देना वाजिब समझता हूं। सभापति महोदय, मै उस हलके का प्रतिनिधित्व करता हू जिसमे 36 बिरादरी है। भाायद इन्होने सुना है देखा नही है कि साम्प्रदायिह सदभाव कैसा होता है। एक बात मै यहां पर जरुर मुसलमान एक थे उनकी तब भी आपस मे लडाई नही हुई। वहां पर हिन्दु–मुसलमानो के दो गुट थे कभी भी पाल एक तरफ होती थी और दूसरी तर जाट भाोरोध और ध्रिकलोथ मुसलमानो की पाल होती थी। ये जाट और मुसलमान की दो पाल थी इन दोनो गुटो की लडाई ही होती थी। लेकिन जैसे की भााह साहब ने गउ हत्या की बात की है। (विघ्न)

श्री जय प्रका ाः सभापति महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है क्योंकि यहां पर कोई बजट पर स्पीच नही है।

नगर एवं ग्रम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): सभापति महोदय, मेरी एक सबमि ान है कि कांग्रेस के सम्मानित सदस्यो ने 2–3 नई परम्पराएं भाुरु की है। पहले किसी बात की भाुरुआत कर देते है जब उस बात का जवाब दिया जाता हैतो सारे साथी खडे हो जाते है। माननीय सदस्य श्री बलबीर पाल भााह ने मेवात क्षेत्र की इस सदन मे चर्चा की है तो हमारी पार्टी के साथी ने उसका जवाब देना भाुरु किया तो अब वे इसका एतराज कर रहे है। (विघ्न)

श्री भगवान सहाय रावतः सभापति महोदय, मैने तो एक मिनट की भी चर्चा नही की कि माननीय कांग्रेस के सदस्य उसी में तिलमिला गए है। मेरे हलके का नाम आया था इसलिए मै उनकी बात का जवाब देना जरुरी समझता था। सभापति महोदय, अब मै एग्रीकल्चर के बारे मे कुछ चर्चा करना चाहूंगा। जैसे कि आप सब जानते है कि हमारे प्रदे ा की 70 प्रति ात आबादी खेती पर निर्भर करती है इसलिए कृशि के क्षेत्र को सिंचाई की सुविधा प्रदान करके इस सरकार ने बहुत सराहनीय कदम उठाया है जिसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। इसके अतिरिक्त सो ाल सैक्टर के बारे में मै अपने विचार रखना चाहता हूं। सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि आदरणीय देवी लाल जी ने सामाजिक क्षेत्र मे समाज कल्याण हेतु 36

बिरादरी के लोगो के लिए एक समान व्यवस्था करके, समान पैं ान देकर जो सराहनीय कार्य किया है, मै समझता हूं कि उनके लिए एक इतिहास लिखा जाना चाहिए औरहम सभी सदस्यो को एकमत होकर प्रस्ताव पास करना चाहिए। यह निहायत ही एक अनुकरणीय कदम है। सरकार ने जो हरिजनो की लडकी की भाादी के लिए 5100 रुपये की रा ि ा कन्यादान के रुप में दी है उसके बारे मे मै रिपीटी ान मे नही जाना चाहता, लोग सुनते सुनते थक जाते है। यह इतनी कल्याणकारी योजना है जिसका बजट में स्पे ाल प्रोविजन किया गया है इसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। एजुके ान का मुददा एक मुख्य मुददा है। मै एक अध्यापक रहा हूं। मुझे सौभाग्यव ा दूसरी बार इस विधानसभा मे आने का मौका मिला है। मै हथीन क्षेत्र से ताल्लुक रखता हूं। मै भौक्षणिक दृश्टी से अपने क्षेत्र पर आपका दो मिनट का समय लेना चाहूंगा। सभापति महोदय, फख्र के साथ कहता हूं कि चौ0 देवी लाल जी ने उठावड में एक पौलिटैक्निक कालेज खोला जो कि हमारे मेवात क्षेत्र मे पडता है, जहां पर मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड के द्वारा कार्य किए जा रहा है लेकिन भौक्षणिक दृश्टी से हमारा क्षेत्र लडकियो की ि ाक्षा में बहुत पीछे है। लोगो ने मुख्यमंत्री महोदय से पौलिटैक्निक कालेज की स्थापना के लिए प्रार्थना की और कालेज खोल दिया गया था। इस बजअ मे ि ाक्षा के लिए टोटल 1352.99 करोड रुपए की व्यवस्था की गई है इसके लिए सरकार बधाई की पात्र है। जब मुख्यमंत्री महोदय पलवल के पौलिटैक्निक कालेज उटावड मे गए थे तो वहां उनको उनकी लोकप्रिय नीति

सरकार आपके द्वार के द्वारा हमारी ग्राम पंचायतो का एक डैपुटे ान मिला था जिसमे लोगो ने उनको सम्बोधित करते हुए कहा था कि हमारे इलाके की एक ही मांग है कि बहीन मे जो 900 बीधा जमीन पडी हुई है वहां पर रिनल सैंटर और एग्रीकल्चर कालेज की स्थापना के लिए हमसे किए गये वायदे को पूरा करें। सभापति महोदय, मै आपके मायम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि सरकार को इस कालेज की स्थापना के लिए कोई कदम उठाना चाहिए और इस बजट मे उसको कोई प्रावधान होना चाहिए था अन्यथा भविश्य मे सरकार इस बात को ध्यान में रखे। उटावड पौलिटैक्निक कालेज की स्थापना वर्ल्ड बैंक की स्कीम के तहत की गई थी और उसके साथ नारनौल मे भी एक पौलिटैक्निक कालेज की स्थापना की गई थी। दोनो कालेजो का इन्फ्रास्ट्रकचर और आधारभुत सुविधाएं बराबर की है। सभापति महोदय, इसके साथ साथ मै आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि हमारे यहां के कालेजो मे आज भी नान इंजीनियरिंग के 2 कोर्सिज है और इंजीनियरिंग का केवल एक ही कोर्स है। जबकि टैक्निीकल कालेजो मे सारे इंजीनियरिंग कोर्सिज होते है। आज आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय ने नीलोखेडी और रोहतक के कालेजो को जहां पर सारी सुविधाएं पूर्ण रुप से उपलब्ध थी, उठावड के पौलिटैक्निक कालेज घोशित कर दिया। इसी आधार पर मै सरकार से निवेद करना चाहूंगा कि उटावड के पोलैटैक्निक कालेज में इंजीनियरिंग के और कोर्स भाुरु किए जाएं। आज पुरे दक्षिणी हरियाणा के लोगो की एक भूख और प्यास है कि उनके मेवात

एरिया मे कोई युनिवर्सिटी खोली जाए। जवाहर लाल नेहरु युनिवर्सिटी दिल्ली के पास लगती है जहां पर सम्पूर्ण भारत बसता है। हिसार, रोहतक और कुरुक्षेत्र मे युनिवर्सटीज़ पहले से ही है, मेवात एरिया मे युनिवर्सिटी खेल जाने से हम पूरे हरियाणा को दिल्ली की तुलना मे खडा कर दैंगे। मै चौधरी औम प्रका ा चौटाला जिन्होने देवी लाल जी की गोद में, उनके चरणो मे राजनीतिक ि ाक्ष ग्रहण की है, से और उनकी सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि कृपा करे। इसके लिए जवाहर लाल नेहरु युनिवर्सिटीर के बिल्कुल साथ अरावली हिल्स के साथ जमीन भी उपलब्ध हैं और सारी फैसीलिटीज भी उपलब्ध है। सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय की भावनाओ का आदर करते हुए इनका धन्यवाद करता हूं कि उन्होने कर रहित बजट प्रदे ा के लोगो को दिया। इसके साथ ही मै अपना स्थान ग्रहण करता हू। (धन्यवाद)

श्री सीता राम (डबवाली अनुसूचित–जाति): सभापति महोदय, आपके माध्ये से बजट के उपर मुझे बोलने का समय मिला इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं और वित्त मंत्री महोदय ने जो कर रहित बजट सदन मे प्रस्तुत किया है उसके लिए मै उनको भी बधाई देता हूं। सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय का ध्यान डबवाली हलके की समस्याओ की तरफ दिलाना चाहूंगा। पिछली सरकारो ने इसहलके के प्रति भेदभाव की नीति अपनाई और इस हलके मे विकास के नाम पर कोई भी कार्य नही

किया। इसलिए मै मुख्यमंत्री महोदय से अनुरोध करुंगा कि इस हलके की तरफवे वि ोश रुप से ध्यान दें। ताकि वहां के लोगो की भी समस्याए दूर हो सके। सभापति महोदय, सिरसा जिले केअंदर डबवाली मे कालेज के लिए जमीन अधिग्रहण हुई थी लेकिन बाद की सरकार ने उसकी ओर कोई ध्यान नही दिया। इसलिए मै चौटाला साहब से अनुरोध करुंगा कि वहां पर सरकारी कालेज बनवाया जाए। सभापति महोदय, यह क्षेत्र औघोगिक रुप से भी पिछडा हुआ है। इसी कारण से वहां पर उद्योग पलायन कर रहे है। मेरा भी मौजूदा सरकार से अनुरोध है कि डबवाली को औद्योगिक दृश्टी से पिछडा हुआ इलाका घोशित किया जाये ताकि वहां भी नये नये उद्योग लग सके और वहां के युवको को रोजगार मिल सके। सभापमि महोदय, सभी माननीय सदस्य जानते है कि डबवाली मे बहुत ही भयंकर अग्निकांड हुआ था। इस बारे मे मै कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार या नीति बनाये कि उस कांड मे जिन लोगो की जाने गई उनके परिवारो के सदस्यो को सरकारी नौकरी दी जाये। सभापति महोदय, यह क्षेत्र बहुत ही पिछडा हुआ है। यहां के किसानो की माली हालत भी बहुत अच्छी नही है इसलिए मै आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि वहां पर कृशि पर आधारित ऐसा उद्योग लगाया जाये जिससे वहां के किसानो की माली हालत सुधर सके। सभापति महोदय, इसी के साथ मै अपना भाशण समाप्त करते हुए अंत मे मै आपका फिर से धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

श्री दरियाव सिंह (झज्जर, अनुसूचित जाति): सभापति महोदय, वित्त मंत्री महोदय ने कर रहित बजट प्रस्तुत किया इसके लिए मै उनका धन्यवाद करता हू। सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार का ध्यान झज्जर जिले की समस्याओ की तरफ दिलाना चाहूंगा कि झज्जर जिला तो बन गया है लेकिन वहां पर जिले जैसे सुविधएं नही है। वहां पर रेलवे लाइन भी नही है। इस बारे मे मै मुख्यमंत्री महोदय को कहना चाहूंगा कि वे केन्द्र सरकार से बात करके वहां पर एक रेलवे लाइन बिछाने का प्रबंध करवायें। सभापति महोदय, झज्जर भाहर के अंदर बस अडडा नही है ओर न ही बस का डिपो है इसे सब डिपो बना रखा है। इस बारे में मै चौटाला साहब से अनुरोध करना चाहूंगा कि वहां पर बस–अडडा और सब–डिपो की जगह बस डिपो बनवाया जाये। सभापति महोदय, चौटाला साहब ने अपने 8 महीने के कार्यकाल मे यह साबित कर दिया कि वे ही हरिजनो के सबसे बडे हितैशी है। वे जो कुछ कहते है वह करके दिखाते है। सभापति महोदय, बहन जी अनिता यादव कह रही थी कि झज्जर के अंदर हरिजन की लडकी की भाादी के समय जो कन्यादान का पैसा 5100/ रुपये मिलता है वह कन्यादान का पैसा नही मिला। ये बात वे बिल्कुल गलत कह रही थी। क्योंकि झज्जर के अंदर सभी को यह पैसा मिला है। एक आध केस ऐसा हो सकता है जिसके कागज पूरे न होने की वजह से उसको ये पैसे न मिले हो बाकी सभी हरिजन लडकियो की भाादी के वक्त 5100/ रुपये कन्यादान के रुप में सरकार की तरफ से मिले है। सभापति महोदय, चौटाला साहब ने

बुढापा पैं ान 100 रुपये से बढाकर 200 रुपये करके बहुत ही अच्दा काम किया और अपना वायदा भी पूरा किया। सभापति महोदय, चौधरी देवी लाल जी और चौधरी औम प्रक ा चौटाला जी ही ऐसे नेता हिन्दुस्तान और हरियाणा मे है जो अपना वायदा निभाते है। कांग्रेस के नेता भी है, चौधरी बंसी लाल जी भी है, ये जो कुछ कहते है वह नही करते। अपना वायदा पूरा नही करते। लेकिन चौधरी देवी लाल जी और चौटाला साहब ने जो कहा है वह करके दिखाया है। सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

श्रीमती सरिता (कलानौर, अनुसूचित जाति): सभापति जी, वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है मै उसका समर्थन करती हूं। बजट मे बहुत से प्रावधान रखे गये है जो कि बहुत ही सराहनीय है। हरियाणा मे आधारभूत सुविधाओा के लिए वि ोश ध्यान रखना, प्राथमिक ि ाक्षा और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, प्राथमिक स्वास्थय, अनुपूरक पोशण, आवासीय क्षेत्रो मु बुनियादी न्युनतम सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए 120 करोड रुपए का प्रावधान करना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओ को इस बजट मे रखा गया है। इसके अलावा चुंगी समाप्त करना, अग्रोहा मैडिकल कालेज की ग्रान्ट बहाल करना, हरिाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड द्वारा नई मंडियो के विकास और वर्तमान मंडिो को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना,मंडी व्यापारियोको जनवरी 2000 से 21 वस्तुओ पर मार्किट भाुल्क दो प्रति ात से घटाकर 1 प्रति ात

करना, प ु धन सहायह को सुनिि चत करने हेतु हरियाणा प ु धन विकास बोर्ड का गठन करना जैसे महत्वपूर्ण कार्य सरकार ने किये है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम `स आदरणीय मुख मंत्री जी का ध्यान अपने हलके कलानौर की तरफ दिलाना चाहती हूं। यह बहुत ही पिछडा हुआ हलका है। अगर इसे सुधारने के लिए 10 साल भी मिले तो भी कम है। अध्यक्ष महोदय, 1995 मे कलानौर मे आई0 टी0 आई0 के निर्माण के लिये नीवं पत्थर रखा गया लेकिन उसके लिए ऐसी जगह चुनी गई जो बहुत ही गहरी है। अगर इस आई0 टी0 आई0 के निर्माण के लिए 10 लाख रुपये भी मिलते है तो 10 लाा रुपये उसकी गहरी जमीन को मिटटी भरने मे और उसका लैवल सडक के बराबर करने मे लग जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, मे आपके माध्यम से आदरणीय मुख्यमंत्री जी का ध्यान अपने हलके की ओर दिलाते हुए यह बताना चाहती हूं कि इस हलके में पानी की भी बहुत समस्या है और निर्माण के लिए टैण्डर तो पास हो चुके है लेकिन काम भाुरु नही हुआ। वहां पर सडको पर मिटटी भी डाली हुई है और पत्थर रोडी–वगैरह भी पडी है लेकिन काम भाुरु होने के बाद भी अधुरा पडा हैं। इन सडको के नाम इस प्रकार हैः बनियानी से माडोधी तक, भाली से गददी खेडी तक का 2 किलोमीटर का रास्ता, सांगा हेडा से पिलाना तक का पक्का रोड, आंबल से निगाना रोड, बहुजमान पुर से छोटा सिंहपुरा तथा जींदारण से बेरी रोड तक का 1 किलामीटर का कच्चा रास्ता। मै आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करती हूं कि अभी तक मेरे

हलके की अनदेखी की गई है। मेरे हलके के साथ बडा ही सौतेला व्यवहार हुआ है। मेरे हलके की पूर्व विधायिका ने इस हलके की अनदेखी की है और मेरे हलके मे सुधार नाम की कोई चीज नही है। मेरे हलके मे ि ाक्षा का भी बडा अभाव है। खेरडी गांव मे एक आठवीं तक का स्कूल है इस स्कूल को भी अपग्रेड कराकर दसवीं तक कराये क्योंकि यहां की हमारी जबान जवान बेटियो को जीपो और बसो मे लटक कर भिवानी या कलानौर आना पडता है। कलानौर मे एक ही भवन मे सुबह और भााम की दो दो क्लासिज लगती है इसलिए मेरा आदरणीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि वहां प स्कूल के औ कमरो का निर्माण कराया जाए। इसके अलावा खेडी गांव मे बच्चो के लिए कोई स्कूल नही है। निगाण और सांगाहेडा मे यातायात की भी बडी असुविधा है। इसलिए मै आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री ी से प्रार्थना करती हूं कि इन गावों मे बस सेवाओ को बहाल किया जाए। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मै आपका धन्यवाद करती हू।

श्री रामफल कुण्डु (सफीदो): अध्यक्ष महोदय, 14 मार्च को हमारे वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है मै उसके समर्थन मे बोलने के लिए खडा हुआ हूं। वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है यह एक बहुत ही सराहनीय और अच्छा बजट है। सरकार ने 2000–2001 की वार्शिक योजना मे सभी वर्गो के उत्थान के लिए पैसे का प्रावधान किया है।

अध्यक्ष महोदय, औम प्रका ा चौटाला जी ने सत्ता संभालते ही कहा था कि मै सभी वर्गो को 24 घंटै बिजली दूंगा। हमारे मुख्य मंत्री जी ने अपने अल्प काल के समय मे ही सभी वर्गो को 24 घंटे बिजली देकर एक बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। बिजली की सप्लाई ठीक ढंग से हो सके इसलिए हर पावर हाउस के ट्रांसफार्मर बदले जा रहे है। इतना ही नही जहां जहां पर बिजली की तारे बदलने की आव यकता है वहां पर तारे भी बदल जा रही है। ये सारे काम इसलिए किए जा रहे है ताकि हर जगह 24 घंटे बिजली लोगो को बराबर मिलती रहे। इस नेक कार्य के लिए मै पुनः चौटाला जी का धन्यवाद करता हू।

अध्यक्ष महोदय, अब मै सिंचाई के बारे में कुछ सुझाव रखना चाहूंगा। हमारी सरकार ने अल्प समय के अन्दर ही नहरो की सफाई करके, उनकी गाद आदि निकलवा कर और उनकी खुदाई करवा कर हर टेल तक पानी पहुंचाया है। इसके अलावा सरकार ने बाढ को रोकने के लिए 770 करोड रुपये की एक योजना तैयार की है। मुख्यमंत्री जी को मै इस बात के लिए भी बधाई देता हं कि उन्होने इस स्कीम पर भी जल्दी से जल्दी कार्य भाुरु करवाने का फैसला लिया है।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने वृद्धावस्था व विधवाओ की पैं ान को भी पहले से दुगना करके 200 रुपये प्रति मास करके एक बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। सरकार ने इन लोगो

की जो पैं ान डबल की है उसके लिए मै भी मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हू।

अध्यक्ष महोदय, सरकार आपके द्वार जो प्रोग्राम सरकार ने चलाया था उसके तहत जो जो वायदे वहां पर किए गए थे उन सब पर 90 की 90 कान्स्टीच्युएंसी मे काम चल रहा है। कई साथियो ने आरोप तो लगाया कि जो जो वायदे मुख्य मंत्री जी ने इस प्रोग्राम के तहत किए थे उन पर काम नही हुआ लेकिन इन विरोधी भाइयो मे से किसी ने यह नही कहा कि हमारे हलके मे सरकार आपके द्वार के तहत यह वायदा किया था और उस पर अब तक अमल नही हुआ है। मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र मे सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जो जो वायदे किए थे उन सब को पूरा किया जा रहा है। भजन लाल जी ने भी कहा था कि सरकार ने इस प्रोग्राम के तहत इतने वायदे कर लिए है कि वे आने वाले 30सालो मे पूरे नही हो सकते। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से चौधरी भजन लाल जी को बताना चाहता हूं कि आने वाले 30 महीनो मे सरकार ने इस प्रोग्राम के तहत जो जो वायदे किए थे वे सभी के सभी पूरे कर लिए जाएंगे।

अध्यक्ष महोदय, हमारी जो सडके 7–8 साल से टूटी पउी थी उनका पैच वर्क भी सरकार ने नवम्बर तक मुक्कमल करवा दिया है और अब आने वाले मई जून महीने तक उन पर कारपेट का काम भी पूरा कर लिया जायेगा। अंत मे स्पीकर साहब, मै इस

बजट का समर्थन करते हुए और आपका धनयवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः अब श्री सुरजमल जी बोलेंगे।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप उनही के मैम्बर्ज को बोलने का समय दे रहे है। हमारा आपसे अनुरोध हैकि हमारी पार्टी के मैम्बर्ज को बोलने के लिए आप समय दें। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी आपकी पार्टी को अब तक 300 मिनट मे से 126 मिनट का समय दिया जा चुका है। मै सभी को पार्टी अनुपात के हिसाब से बोलने के लिए समय दे रहा हूं। अब श्री सूरजमल जी बोलेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय,

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) दलाल साहब, आप बिना परमि ान के बोल रहे है इसलिए आपकी बात रिकार्ड नही की जा रही है। (विघ्न) जो दलाल साहब बोल रहे है रिकार्ड न किया जाए। (विघ्न) श्री सूरज मल जी अब आप बोलें।

श्री सूरज मल (राई): अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समयप्रदान किया। वित्त मंत्री जी ने जो कर रहित बजट पे ा किया है उसके

लिए वे बधाई के पात्र है। मेरे से पहले बजट पर बोलने हुए मेरे साथियो ने काफी बातें उठाई है। अध्यक्ष महोदय, सभी ने बजट को सराहा है ओर मै भी इस बजट की सराहना करता हू। मै आपके माध्यम से अपने हलके की कुछ बातें मुख्यमंत्री महोदय के सामने रखना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरे हलके राई ` 12–13 सालो से ओपोजी ान का ही विधायक रहा है। इसलिए हर सरकार ने राई हलके की उपोक्षा की है। चाहे चौधरी भजन लाल जी का राज रहा हो या चौधरी बंसी लाल जी का राज रहा हो लेकिन मेरे हलके मे कोई विकास के काम नही हुए है। (विघ्न) मै अपने हलके की एक दो महत्वपूर्ण बाते माननीय मुख्यमंत्री जी को बताना चाहता हू। मेरा हलका यमुना के साथ लगता है यमुना के साथ लगती हमारी जमीनो को जबरदस्ती यू0 पी0 के लोग बो रहे है तथा हमारी फसले जबरदस्ती काट ले जाते है। वहां पर बडा खतरा है। लेकिन किसी भी पिछली सरकार ने इस ओर ध्यान नही दिया है और इस बात का कोई समाधान नही ढुंढा है। दीक्षित अवार्ड के बावजूद यू0 पी0 के लोग बजरदस्ती उन जमीनो को बो रहे है और हमारी अपनी जमीनो पर हमे फसल नही बोने देते है। मै मुख्यमंत्री जी को इस बात से अवगत करवाता हूं तथा उनसे प्रार्थना करता हूं दीक्षित अवार्ड को लागू करवाएं तथा हमारी जमीने जिन पर जो हमारा हक है हमें दिलवाया जाए। पिछली किसी भी गवर्नमैंट ने दीक्षित अवार्ड का लागू करने का प्रयास नही किया। अब जब कि हमारी अपनी सरकार आई है तो मै उम्मीद करता हूं कि मुख्यमंत्री जी इस बारे ध्यान देंगे और हमारा हक हमें

दिलवाएंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरे हलके राई के अन्दर रेत की खाले है तथा गवर्नमैंट उनको नीलामी पर ठेकेपर छोडती है। लेकिन ठेकेदार क्या काम करते है कि गवर्नमैंट से जो ठेके लेते है उन ठेको को आगे बेच कर लोगो से नाजायत तौर पर जबरदस्ती जमीने किराये पर लेते है और वक्त पर उन लोगो को पैसा भी नही दिया जाता है जिसके कारण हमारे लोगो को काफी परे ाानी होती है। गवर्नमैंट का कर बचाने के लिए उन खालो के बजाए जबरदस्ती दूसरी जगहो का इस्तेमाल करते है तथा काफी रुपया इस ढंग से वे ठेकेदार कमाते है तथा गवर्नमैंट को दिए जाने वाले कर को भी चोरी करते है। सरकार को चाहिए कि इस पर पूरा ध्यान दे कर काम करे तो इसमे सरकार को बहुत बडी आमदनी भी हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, राई गांव मे मार्किटिंग बोर्ड ने मण्डी बनाने के लिए जमीन एक्वायर की हुई है लेकिन वहां पर आज तक मण्डी का काम नही हुआ है। वह काफी जमीन है और ऐसे ही पडी हुई है। मेरा मुख्यमंत्री महोदय से अनुरोध है कि राई गांव मे मण्डी बनाने का काम करवाएं। हमारे एरिया के अंदर लडकियो का कोई कालेज नही है। हां सोनीपत भाहर मे कालेज है। हमारे यहां पर लडकियां 12वीं जमात तक पढकर घरो मे बैठ जाती है क्योंकि उनको कालेज मे पढने के लिए भाहर जाना पडता है जोकि बहुत दूर है। बसो मे लडकियो को चढने नही दिया जाता है और उनको बहुत ही मु कल का सामान करना पडता है। मेरा आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय से निवेदन है कि मुरथल मे लडकियो का एक कालेज बनाया जाए ताकि उनको आगे

पढने का मौका मिल सके। अध्यक्ष महोदय, मेरे हलके मे एक बीयर फैकट्री थी चौधरी भजन लाल जी आए तो इन्होने उसको बिल्कुल बंद ही कर दिया। उस फैक्ट्री मे 300–400 के करीब लोग काम करते थे और वे बेरोजगार हो गए। इस बारे मे हमने चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी को बताया तो उन्होने 30–40 को काम पर लगवाया है। मै चौधरी साहब से फिर से कहूंगा कि वहां पर लोग काम करते थे उनको दोबारा से काम पर लगाया जाए। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी के वक्त मुरथल मे 30 बैड का एक हास्पीटल मंजूर किया गया था। उस वक्त वहां की पंचायत ने उसके लिए 70 हजार रुपए जमा करवाए थे। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर 500–600 एकड जमीन बेकर पडी हुई है उस पर कुछ लोग नाजायजकब्जा करना चाहते है। हम उस जमीन को गवर्नमैंट को फ्री मे देना चाहते है। अगर सरकार उस जमीन को एक्वायर करके वहां पर कोई एग्रीकल्चर संस्थान खोल दे तो बहुत ही अच्छा होगा उससे वहां के लोगो को भी फायदा होगा। मैने जो बातें कही है उस पर सरकार गौर करे और उन कामो को करवाने की कृपा करे यही मेरा सरकार से अनुरोध है। धन्यवाद।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय अभी तक रुलिंग पार्टी से 6 सदस्य बोल चुके है लेकिन हमारी तरफ से कोई भी सदस्य नही बोला है। हमें भी बोलने का समय दें। अगर आप ही हमें बोलने का समय नही देंगे तो हम अपने हलके की बात कैसे कह पायेंगे।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी 21 मे से 7 मैम्बर्ज आपके बोले है।

मुख्यमंत्री (श्री औम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, लीडर आफ दि अपोजी ान इस बात से सहमत थे कि जो सदस्य गवर्नर साहब के एड्रेस पर नही बोले है उनको बोलने का मौका दिया जाए। आपको तो स्पीकर साहब की उदारता का आभार प्रकट करना चाहिए। (विघ्न) चौधरी साहब, यह संख्या के हिसाब से है आप 30पर निपट कर रह गए है। तय यह हुआ था कि सब के सब बोलेंगे आज आप सात बोल चुके है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि आप संख्या के हिसाब से इन्हे बता दें, समय के हिसाब से बता दे और इनकी रे ाो के हिसाब से बता दें कि इनको कितना समय बोलने का मिलना चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठें। मे विपक्ष के नेताओ को बताना चाहूंगा कि विपक्ष की तरफ से 126 मिनट बोले हैं।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, अगर दो सदस्य उस साईड से बोले हो तो एक सदस्य इधर से भी बोलना चाहिए (विघ्न) 6 सदस्य उधर की साईड से बोल चुके है तो हमारी तरफ से भी एक सदस्य को आप बोलने के लिए समय दें। जब तक मैम्बर्ज बोलना चाहे आप उनको समय दे चाहे आपको हाउस का समय ही क्यों न बढाना पडे। आप हाउस का समय बढा दें।

वित्त मंत्री (श्री सम्पत सिंह): अध्यक्ष महोदय, बहुत बढिया हाउस चल रहा है। जब से विधान सभा सै ान बैठा है तब से ट्रेजरी बेंचिज की तरफ से भी और अपोजी ान की तरफ से भी पूरा कोओपरे ान मिल रहा है। हमारे विपे के नेता ने जो बात कही थी हमने तो उस पर ही ऐग्री किया है। जैसे उन्होने कहा था कि 89 मैम्बर्ज को जो हाउस मे है इसमे जो सदस्य अभी तक बोलने से रह गए है उन सभी को बोलने का पहले मौका मिलना चाहिए। उसमें चाहे वह ट्रेजरी बंचिज के मैम्बर हो या विपक्ष के हो, चाहे इंडीपैंडैन्ट मैम्बर हो, चाहे किसी अन्य पार्टी से हो और चाहे वह आपकी पार्टी के हो। इनके कहने के अनुसार ही आप हाउस की कार्यवाही चला रहे है। सर, ऐसा पहली बार हो रहा है वरना तो मै इनको याद दिलाना चाहता हूं कि जब चौधरी भजन लाल जी की सरकार थी और मांगे राम गुप्ता जी उस समय मंत्रिमंडल मे थे तो 7–3–96 को जो बजट पे ा हुआ था वह बजट 35 मिनट मे ही पास हो गया था। उस समय केवल एक ही मैम्बर बोला था।

श्री भजन लाल: आप उस समय भाग गए होंगे।

श्री सम्पत सिंह: चौधरी साहब, हम भागे नही थे बल्कि हमें बोलने ही नही दिया गया था। अगर हमें बोलने ही न दिया जाए तो ये मा र्ल ले आए तो हम क्या कर सकते थे। इतनी जान तो हममे भी नही थी। एक मा र्ल हो तो अलग बात है ये

तो दो सौ मा र्ल लाकर यहां पर खडे कर देते थे। ऐसे मे हमारे क्या ब ा की बात थी?

श्री भजन लालः सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अब जो हाउस मे मा र्ल खडे हैक्या ये वी0 आई0 पी0 है। इन्होने यहां पर सारे पुलिस के जवान खडे कर रखे है। इनमे से आधो को तो मै जानता हू। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः ये तो सारे पास होल्डर्स है।

श्री भजन लालः पास तो इनको देने पडते है। मै इनको जानता हूं इनमें आधे पुलिस वाले है। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै विपक्ष के नेता और भूतपूर्वा मुख्यमंत्री को बताना चाहूंगा कि ये तो सारे पास होल्डर्स है। ये सारे अपने पास दिखा सकते है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इस्तीफा दे सकता हूं अगर इनमे से आधे पुलिस वाले न हो तो। मै जानता हूं कि ये पुलिस वाले है।

श्री सम्पत सिंहः पता नही आप क्या क्या करोगे। आप तो पहले भी कह चुके है कि इस्तीफा दूंगा लेकिन आपने कभी दिया नही। आपने यह भी कहा था कि मै कीकर से लटटकर मर जाउंगा लेकिन आपने कभी ऐसा नही किया। (विघ्न) हमने तो आपकी पूरी सुरक्षा रखी हुई है। (विघ्न)

श्री जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, आपने तो सबको समय देने के लिए कहा था। (विघ्न) मंत्री जी हर बात टोटिंग वे मे करते हैं। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, अपोजी ान ने जैसा सुझाव दिया था उी सुझाव की ताईद लीडर आफ दी हाउस ने की थी जो मैम्बर्ज अभी तक बोलने से रह गए है वे पहले बोलेंगे। स्पीकर सर, अगर आप चाहते है कि दस या 15 मिनट हाउस का समय बढाने की जरुरत है तो आप बढा सकते है। अगर किसी को आपने बुलवाना है तो यह आपने ही देखना है। सर, जिस ढंग से आप कार्यवाही चलाना चाहते है उसमे हमें कोई ऐतराज नही है हमारा आपको पूरा कोओपरे ान मिलेगा। जिस तरीके ` आप हाउस चलानााहते है वैसे आप चलाएं। (विघ्न)

श्री जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, मे भी बोलना चाहते है आप हमें समय दें।

श्री अध्यक्षः अगर आप बोलना ाहते है तो अनिल विज क्या करना चाहते है। वे भी तो बोलना चाहते है इसलिएआप उन्हे बोलने दे।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपने बजट पर डिस्क ान के लिए तीन बजे तक का टाइम तय किया था इस टाईम को पांच बते तक करिए ताकि सभी सदस्य बजट पर बोल सके।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, टाइम पूरा मिल जाता है लेकिन इनके कहने से कल की एक सिटिंग गई।

श्री अध्यक्षः ठीक है बजट पर बोलने के लिए आधे घंटे का समय और दिया जाता है। अब श्री अनिल विज बोलेंगे।

श्री अनिल विज (अम्बाला छावनी): अध्यक्ष महोदय, बजट पर अपने विचार रखने का आपने मुझे अवसर प्रदान किया इसके लिए मै आपका आभार व्यक्त करता हू। किसी भी सरकार के लिए जो सबसे कठिन काम होता है वह होता है अपने कार्यो को प्लान करना। नीतियां तो बहुत बन जाती है लेकिन उन नीतियो को लागू करने के लिए धन को मुहैया कराना सबसे कठिन काम होता है There is an old sayings 'Plan your work and work your plan' किसी भी काम को करने के लिए व किसी भी सरकार को चलाने के लिए यह दोनो पार्ट बुत आव यह होते है। Plan your work.

अगर वर्क को प्लान नही किया जाता तो उसका करना कठिन होता है। Plan your work and work your plan. जो योजना बनाई जाती है उस योजना पर कार्य करना भी आव यक होता है। जब यह पार्ट पूरी तरहसे सजगता से, पूरे सुझबुझ से व सोच से किए जाते है तब ही कार्य मे पूर्ण सफलता प्राप्त होती है। मै समझता हूं कि प्रोफैसर सम्पत सिंह जी ने जो बजट इस विधान सभा के प्रथम सत्र मे प्रस्तुत किया है। उन्होने अपने काम को जो कि बहुत ही कठिन काम था उसे बखुबी निभाने की कोि ा ा की

है। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने जो भापथ ग्रहण की वह कुरुक्षेत्र की धरती पर की है। हम सब जानते है कि जो कुरुोत्र है वह धर्मक्षेत्र है गीता का प्रथम भलोक है– धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्र समवेता युयुत्सवः मामकाः पाण्डवा चैव किमकुमर्त सनजे। यानी जो पहला भलोक है वह भलोक की कुरुक्षेत्र को अनादि काल से सनातन काल से धर्मक्षेत्र मानता है। इस सरकार ने उस धर्मक्षेत्र पर जो भापथ ग्रहण की है मै इस बजट से ऐसा महसूस करता हूं कि उस धर्मक्षेत्र की भावना का पूरी तरह से समावे ा इस बजट मे किया गया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे यानी जो हमारा धर्म है हमारे धर्म की जो सबसे मूल भावना है उसमें यह कहा गया है कि – सर्वे भवन्तु सुखिना। हमारा जो धर्म है वह किसी वर्ग वि ोश जाति के लिए अलग से नही है बल्कि हमारे धर्म मे कहा गया है कि सर्वे भवन्तु सुखिना का पूरी तरह से पालन किया गया है। समाज के सभी वर्गो के लिए चाहे वह विकलांग हो, चाहे वह वृद्ध हो, चाहे वह विधवा हो सबके लिए इसमे कुछ न कुछ सोचा गया है। वुद्ध, विकलांग और विधवाओ की पें ान 100 रुपये से बढकर 200 रुपये की गई है। अध्यक्ष महोदय, इस बजट मे हमारे जो जवान सीमा पर भाहीद होते है उनके बारे मे सोचा गया है उनकी भी सहायता रा ि ा बढाकर दस लाख रुपये कर दी गई है। इसमें कर्मचारियो के बारे मे भी सोचा गया और कहा गया कि अन्य मांगो के साथ साथ कर्मचारियो को पांचवे वेतन आयोग की सिफारि ाो के आधार पर वेतनमान दिया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक कर्मचारियो के वैल्फेयर की बात है, इस बजट

मे कर्मचारियो को 504 मकान बनाकर देने की बात कही गई है यह एक अच्छी बात है और इससे कर्मचारियो को रिहाय ी मकानो की दिक्कत मे राहत मिलेगी। यह एक अच्छा कदम है। इसके साथ ही साथ अध्यक्ष महोदय, मै एक बात कहना चाहूंगा कि अगर कर्मचारियो का हैड क्वार्टर का क्षेत्रफल बढाकर 60 किलोमीटर तक की सीमा तक कर दिया जाये तो इससे कर्मचारियो को मकानो की दिक्कत नही होगी। क्योंकि पंजाब और दिल्ली मे ऐसा किया जा रहा है। अगर यह सीमा बढाई गई तो जो कर्मचारी चण्डीगढ मे मकान नही बना सके वे सस्ते मकानो मे अम्बाला और पटियाला मे जाकर रह सकते है। अध्यक्ष महोदय, इस बजट मे इंफ्रास्ट्रकचर फैसीलिटी को स्ट्रग्थन करने के लिए ज्यादा जोर दिया गया है जिसके लिए 2530 करोड रुपये की प्लान आउट ले कर इस बजट मे तैयार किया गया है। जिसमें से 1632 करोड रुपए का प्रावधान इंफ्रास्ट्रक्चर फैसिलीटी प्रोवाईड करने के लिए बजट मे किया गया है। जहां तक बिजली की बात है। बिजली मे सुधार के लिए इस बजट मे 626 करोड रुपया रखा गया है जिसमे बताया गया है कि जो पिछली सरकार के समय केन्द्रीय पूल से हमें 19 प्रति ात बिजली मिलती थी उसको बढाकर 27 प्रति ात करने मे यह सरकार कामयाब रही है। इस बजट मे फरीदाबाद मे 143–143 मेगावाट के गैर पर आधारित दो संयंत्र बनकर तैयार हो गये है ओर तीसरी इकाई के छः महीने के अंदर अंदर बनकर तैयार होने का जिक्र किया गया हैं। हमें उम्मीद है कि इस इकाई के पूरा होने पर हमारी बिजली की समस्या

काफी हद तक दूर हो जायेगी। बिजली के बारे मे आगे यह बताया गया है कि संप्रेशण और जनरे ान के लिए इस बजट मे काफी प्रावधान किया गया है। 220 के0 वी0 के सब–स्टे ान से की जाती है उसके अलावा अम्बाला कैन्ट मे बिजली की सप्लाई का दूसरा वैकल्पिक साधन नही है। मै आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्शित करना चाहता हूं कि तेपला के 220 के0 वी0 सब–स्टे ान को भीघ्र चालू करने का ध्यान सरकार को देना चाहिए। अगर तेपला का सब स्टे ान अम्बाला कैंट से जोड दिया जाता है तो फिर अम्बाला कैंट मे बिजली की समस्या काफी हद तक दूर हो सकती है। अम्बाला कैंट मे रेलवे का कार्याल है, कन्टोनमैंट है, पी0 एण्ड टी0 का कार्यालय है, एम0 ई0 एस00 वगैरा का इंस्टाले ान है। अगर किसी कारणव ा धुलकोट के सब–स्टे ान में कोई खराबी हो जाती है तो अम्बाला कैन्अ को बिजली सप्लाई करने का दूसरा कोई विकल्प नही है। बाढ राहत के लिए 20 करोड रुपये का प्रावधान इस बजट मे किया गया है। यह एक अच्छी बात है। क्योंकि हर साल हरियाणा प्रदे ा में बाढ का प्रकोप हो जाता है जिससे काफी बर्बादी हो जाती है। अध्यक्ष महोदय, हमने अम्बाला कैंट और भाहर के लिए तीन चरणो मे होनी वाली योजना तैयार की थी जिसके दो चरण पूरे हो चुके है, अगर तीसरा चरण भी पूरा हो जाये तो अम्बाला कैंट बाढ मुक्त भाहर धोशित किया जा सकता है इस तीसरे चरण पर 23–24 लाख रुपये का खर्चा होने की संभावना है। अध्यक्ष महोदय, रोडज के लिए बजट में काफी प्रावधान किया गया है। मै यह पूछना

चाहता हूं कि क्या इसमे भाहरो की सडके भी भाामिल होगी जिनको ठीक करने का काम किया जायेगा। क्योंकि आज सबसे अधिक कठिनाई भाहरो की गलियो की है। बजट मे कहा गया है कि गावो की गलियो को पक्का कराया जाएगा, वह जो ठीक है लेकिन अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से गुजारि ा है कि भाहरो की सडको की ओर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। इस बजट मे सडको की मरम्मत के लिए जितने पैसे का प्रावधान किया गया है उसमे से भाहरो की सउको को भी हिस्सा मिलना चाहिए। भाहरो की गलियो की सडको को पक्का करवाने के काम पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै पीने के पानी की समस्या की ओर भी इस सरकार का ध्याना दिलाना चाहता हूं। पीने के पानी के लिए सरकार ने अपने संकल्प को दोहराया है। यह सरकार प्रदे ा के लोगो को 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी उपलब्ध करवाने का टारगैट अचीब करना चाहती है और इसके लिए बजट मे अनेको योजनाओ का जिक किया गया है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि अम्बाला, रोहतक और भिवानी मे इन योजनाओ को लागू करवाने की तरफ वह ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, मै एक आजाद विधायह हूं मुझे पूरे हरियाणा का तो ज्ञान नही है लेकिन मै अपने भाहर अम्बाला छावनी के बारे मे जानता हूं कि आज वहां पानी की इतनी किल्लत है कि आज सही मायने मे मुझे भी नहाकर यहां आने मे बहुत कठिनाई का अनुभवी करना पडा है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अम्बाला छावनी मे साहा इंडस्ट्रियल ग्रोथ सैन्टर बावल की

इंडस्ट्रियल ग्रेथ सैंटर की ओर दिलाना चाहता हू जिसके लिए केन्द्र से 400 करोड रुपए की मंजूरी भी आ चुकी है। इसलिए मै सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि जितनी ज्यादा देरी साहा इंडस्ट्रियल ग्रोथ सैंटर बनने मे हुई है उतना ही ज्यादा ध्यान इसकी ओर दिया जाए ताकि यह बाकि सैंन्टर्ज के बराबर आ सके। अध्यक्ष महोदय, हैल्थ के बारे मे की योजनाएं बनाई गई है। लोगो को उच्च कोटि की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए यूरोपियन कमी ान से 1000 करोड रुपये की अनुदान रा ि ा प्राप्त करके एक योजना तैयार की जा रही है। पूरे हिन्दुस्तान मे 21 जिलो का चयन किया गया है जिसमे से तीन जिले हरियाणा के होंगे। इसलिए मै सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि ये तीन जिले जी0 टी0 रोड के साथ लगते हुए लिए जाएं क्योंकि इस रोड पर एक्सिडैंटस ज्यादा होते है और मरीजो को पी0 जी0 आई0 या रोहतक मैडिकल कालेत तक पहुंचाते पहुंचाते काफी मरीजो की जिंदगियां खो जाती है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि अम्बाला के सरकारी अस्पताल की 75 बैडज की कैपेसिटी को बढाकर 100 बैडस किया जाए। ि ाक्षा के बारे मे मुख्यमंत्री महोदय ने गवर्नर एड्रस पर भाशण देते हुए बताया कि हम नई ि ाक्षा नीति भी बनाने जा रहे है। मै इसका हार्दिक रुप से स्वागत करता हू। मुझे ऐसा महसूस होता है कि ि ाक्षा के क्षेत्र मे अभी काफी सुधार की आव यकता है। मुख्यमंत्री महोदय ि ाक्षा की जो नीति बनाएं उसके बारे मे सभी से विचार विम र्ा करें और सभी से राय ले और वे ले भी रहे है जिसका मुझे पता

भी है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि वे ि ाक्षा के व्यापारीकरण को रोकने के लिए भी कुछ कदम उठाएं और उनको ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए जिससे सब को ि ाक्षा के एक समान अवसर मिल सके। इसके साथ साथ अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर भी दिलाना चाहता हूं कि जो एडिड स्कूल है वहां के ि ाक्षको को 16–18 महीनो से तनख्वाहे नही मिली है। मै समझता हूं कि ि ाक्षको को पहली तारीख को ही तनख्वाह मिल जानी चाहिए नही तो वह पूरे मन से बच्चो को नही बढा सकेंगे। (विध्न)

श्री रामकि ानः अध्यक्ष महोदय, अध्यापक बच्चो को ि ाक्षा नही देते। वे तो सिर्फ अपनी तनख्वाह बनाने के लिए स्कूल जाते हैं

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, भाई रामकि ान जी जो बात कह रहे है वह मै तो नही कह सकता और न ही ऐसी मेरी संस्कृति है। यह बात तो रामकि ान जी ही कह सकते है।

श्री रामकि ानः अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी चाहे तो स्कूलो मे चेंकिग करवा ले, वहां पर अध्यापक बच्चो को पढाने की बजाए हुक्का पीते है। (विध्न)

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार ने व्यापारियो को भी सहूलियतें देने के लिए काफी कार्य किए है। सेल्जटैक्स के फार्म 14 व 15 को खत्म किया है और 50 लाख

रुपये तक की सैल्फ–असैसमैंट की स्कीम लागू की है। अध्यक्ष महोदय, मुझे पूरी जानकारी तो नही लेकिन जहां तक मै सोचता हूं कि हरियाणा दे ा का प्रथम राज्य होगा जहां पर यह व्यवस्था लागू की गई है। मै सरकार का इसके लिए आभार प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने नगरपालिकाओ की हालत सुधारने की भी व्यवस्था बजट में की है। भाहरो का विकास करने के लिए पहले गवर्नर एड्रेस मे भी ओर अब बजट मे भी बात कही गई है। स्पीकर सर, सरकार ने चुंगी समाप्त करके बहुत ही सराहनी काम किया है। इसके लिए मै दिल से सरकार का आभार प्रकट करता हू। जो कर्मचारी सरप्लस थे उनको भी सरकार ने दूसरे विभागो मे एडजैस्ट किया है। इसके लिए भी मै सरकार को मुबारकबाद देता हू। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मै सरकार का ध्यान इस ओर आकर्शित करना चाहता हूं कि भाहरो की तरफ ज्यादा ध्यान देने की आव यकता है। हम गावो को बेहतर बनाना चाहते है। वहां पर इन्फ्रास्ट्रक्चर फैसीलीटीज प्रोवाईड करना चाहते है। कम से कम इतना जरुर होना चाहिए कि हर घर के सामने गली पक्की हो, सीवरेज की एक लाईन हो, पीने का पानी हो, स्ट्रीट लाईट हो। ये सुविधाएं हर भाहर मे मुहैया कराने के लिए सरकार कोई न कोई योजना जरुर बनानी चाहिए और कोि ा ा करे कि भाहरो की सीवरेज व्यवस्था भी सुदृढ की जाये। खासतौर से मै सरकार का ध्यान इस ओर आकर्शित करना चाहूंगा कि भाहरो मे जो ग्रुप लैट्रिग बनी हुई है वे ओल्ड टाईप की है। उनको भी सुलभ भौचालय मे प्राथमिकता के आधार पर बदलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः सदस्यगण, बजट पर तकरीबन सभी सदस्य बोल चुके है। जो मैम्बर्ज अभी तक बोल नही पाये है, वे बजट की जो डिमांडज आएंगी उन पर बोल सकते है। अब वित्त मंत्री जी अपना उतर देंगे।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि आप अपनी रुलिंग देने से पहले एक बार पुनर्विचार कर लें। हमारी आपसे विनती है कि हमारे जो मैम्बर्ज बजट पर बोल नही पाये है उन्हे 5–5 मिनट बोलने के लिए समय दे तो आपकी मेहरबानी होगी।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आपने 5 मैम्बरो का नाम दिया था जबकि आपकी पार्टी के 7 मैम्बर बोल चुके है। एक तरह से आपकी पार्टी के एक तिहाई सदस्य बजट पर बोल चुके है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप इन्हे 5–5 मिनट बोलने के लिए दे दें। आप हाउस की कार्यवाही का समय चाहे 2 घंटे बढा ले, हमें कोई ऐतराज नही होगा।

श्री अध्यक्षः ठीक है हाउस का समय आधे घन्टे के लिए बढाया जाता है।

श्री भजन लालः आप सिर्फ हमारे मैम्बर्ज को 5–5 मिनट बोलने के लिए समय दे दें।

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, हाउस की कार्यवाही का सिर्फ आधा घंटा बढाया जा रहा है न कि इनके मैम्बर्ज को बोलने के लिए आधा घंटा बढाया गा है।

श्री धर्मबीर (तो ाम): अध्यक्ष महोदय, यहां पर ट्रेजरी के मैम्बरो ने बोलते हुए कहा कि यह बहुत ही बढिया बजट है और कर रहित बजट है। अध्यक्ष महोदय, इस बजट के बारे मे मेरा कहना यह है कि यह बजट कर रहित न होकर काम रहित बजट है। इस बजट मे कही पर यह नही द ार्या गा कि कहां से पैसा आएगा और उस आये हुए पैसे के कैसे कैसे काम होंगे। सरकार ने अपना जो बजट पे ा किया है वह घाटे का बजट पे ा किया हैं अध्यक्ष महोदय, आमतौर पर बजट को कर रति दिखा दिया जाता है और बाद मे जनता पर टैक्स लाद दिया जाता है। मेरा कहना यह है कि सरकार ने जो टैक्स लगाने हो वे बजट के दौरान ही लगाने चाहिए न कि बाद मे। आज हमारे पास काम करने के लिए पैसा कहा ंसे आएगा उसके कोई साधन इस बजट मे नही द ार्ए गए। सरकार जो काम करना चाहती है वह सारा कर्ज लेकर करना चाहिए। यदि सरकार कर्ज के माध्यम से काम करेबी तो फिर ऐसा कब तक चलेगा। दि किसी घर का मालिक काम न करे और अपनी आय के साधन न जुटाये और कर्ज लेकर ही काम करता रहे तो फिर वह कितने दिनो तक कर्ज लेकर अपने घर को चला पायेगा। बजट को देखने से पता चलता है कि हमारी मौजूदा सरकार की भी यही द ा लगती है। सरकार के अपनी

आय के कोई साधन नही है बल्कि कर्ज लेकर काम चला रही है। सारे काम कर्ज लेकर ही सरकार करती रही तो यह हरियाणा के हित मे नही होगा। बजट को पढने से मालूम हुआ कि सरकार को अपनी आय से सिर्फ 1600 करोड रुपये प्राप्त होगे। मै पूछना चाहता हूं कि क्या यह सरकार इस रा ि ा से हरियाणा का विकास कर पायेगी? यदि सरकार ने अपनी आय के साधन नही बढाये तो आने वाले 5–7 सालो मे हमारे राज्य का बिहार से भी बुरा हाल हो जायेगा। इसलिए मै आपके माध्यम से सरकार को कहना चाहता हूं कि राज्य सरकार को अपनी आय के साधन जुटाने के लिए कुछ सख्त कदम उठाने चाहिए ताकि सरकार के पास आय के साधन हो सके। (शोर एवं विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय धर्मबीर जी से मेरा निवेदन है कि वे हमें सुझाव दे कि कौन से सख्त कदम उठाये जिनसे सरकार के पास आय के साधन अधिक हो सके। (शोर एवं विघ्न) स्पीकर साहब, हम तो इनसे सुझाव मांग रहे है कि ये हमें बताएं कि कौन से कदम उठायें। (शोर एवं विघ्न)

श्री धर्मबीरः अध्यक्ष महोदय कल जो बजट पे ा किया गया था उसको मैने पढा है। इस साल जब चुनाव हुए तो नै ानल लोक दल के उम्मीदवार कहते थे कि बेरोजगारी को खत्म करने के लिए बेरोजगार युवको को नौकरियां देंगे लेकिन बजट पढने से मालूम हुआ कि नौकरियो देने की बात इस बजट मे कही पर नही की गई है। अगर किसी बेरोजगार को रोजगार नही

दे सकते तो इस बजट का क्या फायदा। अगर नौजवानो को रोजगार नही मिलेगा तो वे मजबूर हो कर गलत रास्ते पर चलने लगेंगे। इसलिए आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि बेरोजगार युवको को रोजगार देने के लिए कोई स्कीम जरुर लाएं। इस बारे मे मेरा सुझाव है कि प्रदे ा मे जितनी भी इंडस्टरी ट्रेडो मे एजुके ान ले कर आते है कि आई0 टी0 आई0 या पोलिटैक्निक संस्थानो से जो युवक टैक्नीकल ट्रेडो मे एजुके ान ले कर आते है केवल उनही लोगो को वहां पर नौकरियां दी जाए। इन फैक्टरीयो मे बाहर के लोगो को नौकरियां नही दी जानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मै माननीय मुख्य मंत्री जी से एक और प्रार्थना करना चाहूंगा। विधवाओ, विकलांगो और बुजुर्गो के लिए पैं ान रा ि ा 100 से बढा कर 200 रुपये की गई है। ये खुद भुक्त भोगी है इसलिए विकलांगो को जो परसैंटेज है उसको कुछ कम करे। विकलांग पैं ान के लिए केवल वही लोग पात्र है जो 70ः विकलांग है अगर इस विकलांगता की परसैंटेज को 30ः कर दिया जाए तो कुछ और ऐसे विकलांग लोगो को भी वह पैं ान मिल सकती है जो कि काम करने के योग्य नही है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हमारे जिले मे जो अधुरे काम पडे हुए है इनकी बाबत मै कहना चाहूंगा। खासकर सडको, नहरो और पब्लिक हैल्थ के ऐसे काम जिन पर 90ः काम हो चुका है ओर केवल 10ः काम भोश बचा है इस 10ः काम को पैसे की कम को पूरा करके इससाल मे जरुर करवाने का प्रावधान बजट मे करे ताकि जो पुराना खर्च हो चुका है वह पैसा वेस्ट न जाए और वे

स्कीमें लोगो के काम भी आ सके। मैने पहले भी जिक्र किया था खासकर जुई नहर तथा सिवानी नहर के दोनो तरफ सीपेज है इसलिएएम0 आई0 टी0 सी0 के माध्यम से वहां पर टयूबवैल्ज लगवाए जाए ओर उस पानी को नहर मे डाला जाए ताकि टेल पर भी पूरा पानी मिल जाए और वहां पर जो सेम का इलाका है वहा सेम खत्म हो सके। दूसरी तरफ जहां पर मोघे नही है वहा पर नए मोधे दिए जाने चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जहां पर उंचे उंच टिले है उन टिब्बो पर सिंचाई करने के लिए करीब दस साल पहले 100 स्प्रिंकलर सैटस खरीदे थे। ये स्प्रिकल सैटस जब से खरीदे है बेकार पडे है और इनका यूज नही किया जा रहा है इस कारण जो पैसा इन सैटस को खरीदने पर लगाया गया था वह वेस्ट गया और कोई काम इनसे नही लिया गया है। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरी यह प्रार्थना है कि उन स्प्रिंकल सैटस को दोबारा से युज किया जाए ताकि जो पैसा बेकार खर्च किया हुआ पडा है उसका कुछ फायदा प्रदे ावासियो को हो सके। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः धर्मबीर जी, आप ये सारी बाते पहले भी कह चुके है इसलिए इनका रिपीट न करे। (विघ्न) उनही बातो को दोहराने का कोई लाभ नही है।

श्री धर्मबीरः अध्यक्ष महोदय, भिवानी भाहर के साथ हमारी जो जुई कैनाल जाती है गवर्नमैंट कालेज के पास से जो गन्दा नाला गुजरता हैउस नाले का पानी इस नहर मे डाल दिया

जाता है जिसकी वजह से सारे एरिया मे सांस की बीमारी फैल गई है। इसलिए उस गनदे नाले के पानी का नहर मे डालने से रोका जाए मुख्य मंत्री जी ने भी एक बात कही है और इस बजट भाशण मे भी वह बात है कि कृशि को बढावा देने के लिए नये प्रकार के फूलो और फलो और सब्जियो की खेती को बढावा दिया जाए। इसके लिए किसानो को प्रोत्साहित भी कर रहे है लेकिन उन चीजो के लिए जब बिजली कनैक ानज लेने जाते है तो उनसे कमर्ि ायल बिल लिया जाता है। इस सरकार से मै प्रार्थना करता हूं कि इस प्रकार की खेती को बढावा देने के लिए किसानो से बिजली के कर्मि ायल बिल की जगह नार्मल बिल ही चार्ज किए जाए।

श्री अध्यक्षः आप इस बारे मे पूरी डिटेल लिखकर सरकार को दे दे तो ज्यादा ठीक रहेगा।

श्री धर्मबीरः अध्यक्ष महोदय, एक बात मै को;ओप्रटिव सिस्टम के बारे मे भी कहना चाहूंगा। खासकर महाराश्ट्र ओर गुजरात की तरह को–ओप्रटिव सिस्टम को मजबूत करने की जरुरत है। जिस प्रकार से महाराश्ट्र गुजरात ओर बीकानेर मे यह सिस्टम है वैसी ही को–ओप्राटिव सिस्टम यहां पर लागू किया जाना चाहिए और उस सिस्टम का प्रबन्ध लोगो के हाथो मे देना चाहिए। इस बारे मे हमारी कांग्रेस पार्टी के प्रधान श्री हुडडा जी ने भी कहा है कि इसको एग्जामिन करवा कर इसी प्रकार का को–ओप्रेटिव सिस्टम लागू किया जाना चाहिए ताकि ज्यादा से

ज्यादा लोगो की भागीदारी उसमे हो सके। आज बीकानेर मे डेयरी सिस्टम का जा कर देखे। बीकानेर डेयरी वाले अपने आप फीड भी देते है, प ा खरीदने के लिए पैसा भी देते है जिसका वजह से गरीब आदमी का गुजारा बडे अच्छे ढंग से हो रहा है। मेरा मुख्यमंत्री महोदय से प्रार्थना है कि को–ओप्रेटिव सिस्टम को मजबूत किया जाए ताकि गरीब आदमियो का पालन पोशण ठीक ढंग से हो सके। अध्यक्ष महोदय, गवर्नमैंट की भाामलात भूमि पर कुछ लोगो ने धीरे धीरे कब्जा कर लिया है। पहले जब भी कोई गांव बसता था तो उसके आस पास कुछ एरिया खाली छोडा जाता थाताकि वहां पर लैंड लैस लोगो की भेड बकरिया चारा चर सके। लेकिन अब उन जमीनो पर कब्जा कर लिया गया है। आप इस समस्या के समाधन के बारे मे कुछ करे। स्पीकर सर, एजुके ान प्रदे ा के लिए बहुत जरुरी है। यह सरकार एजुके ान मे किस प्रकार से बढावा दे रही है उस पर हमे ऐतराज है। एजुके ान बोर्ड मे जनरल सैक्रेटरी ओर सैक्रेटरी कमि नर रैंक के होने चाहिए और आप वहां पर अनपढ लोगो को लगा रहे है। इस बारे मे सरकार विचार करे। धन्यवाद।

भाोक प्रस्ताव

मुख्य मंत्री (श्री औम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदन का ध्यान आज घटित एक अप्रिय घटना की तरफ दिलाना चाहूंगा। श्री जे.0 एस0 राजू. पूर्व राज्य सभा के सदस्यथे उनका आज सुबह हृदय गति रुक जाने से देहांत हो गया

है। वे 64 वर्श के थे। आज सुबह उन्होने छाती में दर्द होने की ि ाकायत की तो उनको हास्पीटल ले जाया गया। रास्ते मे ही उनकी मृत्यू हो गई। वे अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चे छोड गए है। वे 1989 से 95 तक राज्य सभा के सदस्य रहे। इससे पूर्व वे 1967 से 1980 तक तमिलनाडु असैंबली के सदस्य चुने गए थे। आज वे इस संसार में नही रहे है मै अपनी हार्दिक सांत्वना उनके परिवार के प्रति प्रकट करता हू।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, दिवंगत आत्मा के प्रति सदन के नेता ने अपने जो विचार प्रकट किए है मै भी अपने आपको उनकी भावनाओ के साथ सम्मिलित करता हू। इस दिवंगत आत्मा के प्रति मै अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता हू। मै भाोक संतप्त परिवार को सदन द्वारा प्रकट की गई संवेदना पहुंचा दुंगा। अब मै दिवंगत आत्मा के सम्मान मे श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण करने के लिए सभी माननीय सदस्यो से खडे होने का अनुरोध करता हू।

(इस समय दिवंगत आत्मा के सम्मान मे सदन के सदस्यो ने खडे हो कर दो मिनट का मौन धारण किया)

वर्श 2000–2001 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री राम कि ान (बवानी खेडा, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मै आपका बहुत बहुत धन्यवाद करता हू। हमारा प्रदेश कृशि प्रधान

प्रदे ा है। यह जो बजट है इसमे सबसे ज्यादा बातें गन्ने के बारे में कही गई है। मेरे हलके मे न तो गन्ने की बिजाई होती है और न ही कोई गन्ने की पिराई की मिल है। हमारे यहां पर गन्ना बवानी खेडा मे लग सकता है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि वही पर गन्ने की पिराई के लिए मिल लगाई जानी चाहिए ताकि वहां के लोगो को रोजगार मिल सके। उनको कोई काम धन्धा मिल सके। मेरे हलके के लोगो को तो यह भी नही पता कि गन्ना पैदा कैसे होता है। (विध्न) जो सरकार हमारे हक देगी वही हमारी सरकार है। इसी तरह से चावल की बात रही। चावल का भाव देने से मेरे हलके को क्या फायदा हुआ क्योंकि चावल तो हमारे यहां होता ही नही है। (विघ्न) अगर चावल सिरसा मे हो सकता है तो बवानीखेडा हलके मे भी हो सकता है। अगर हमारे यहां पर सरकार चावल पैदा नही कर सकती तो फिर वह हमारे यहां पर फैक्टरी ही लगवा दे ताकिहमारे यहां के नौजवानो को रोजगार मिल जए और उनकी बेरोजगारी दूर हो जा। इसके अलावा मै नहरी पानी की मांग पहले भी करता रहा हूं और आज भी यह मांग उठा रहा हूं कि हमें दो हफते नहरी पानी मिलना चाहि। हमें पूरा वि वास है कि यह सरकार हमें पूरा पानी देगी। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से ि ाक्ष की बात है। आजकल तो सरकारी स्कूल है उनमे टीचर्ज जाते ही नही है अगर जाते भ्पी है तो एक हफते मे एक बार जाते है और हुक्का पीकर वापस आ जाते है उनकी कोई चैकिंग नही होती। मेरी सरकार से मांग है कि जजिल `लेवल पर कोई चैकिंग टीम भेजी जानी चाहिए जो सरकारी

कर्मचारी सही काममम नही करते उन्हे ससपैंड किया जाए और उन्हे घर बैठा दिया जाए। हमारी सरकार कहती है कि हमने स्कूलो के लिए इतना पैसा दे दिया। लेकिन केवल पैसे से क्या होता है जब सामान ही नही होगा तो फिर स्कूलो मे डांगर ही जाएंगे। इसी तरह से गावों मे ही हमारी बहन बेटियो के लिए कालेज होने चाहिए क्योंकि एक गरीब मजदूर अपनी बेटी को गांव से बाहर पढने के लिए नही भेज सकता। उसके पास इतना पैसा भी नही है कि वह भाहर मे उसको भेज सके। इसलिए उसकी लडकी ाहर मे पढने से कतराएगी। वह दूसरी अमीर लडकियो को देखकर भार्माएगी कि हम तो इतने गरीब घर के है और वे इतनी अमीर घर की है। इसलिएगांव मे कालेज होने चाहिए। अगर ऐसा होगी तो हमारे बच्चे पढने के काबिल हो जाएंगे और बाद मे उनको नौकरी भी मिल सकेगी। स्पीकर साहब, आज प्राईवेट स्कूल चलाने वाले फीस के रुप मे बच्चे से बहुत पैसा मंगाते है। अगर सरकारी सकूल नही होगे तो गरीब के बच्चे तो बिना पढे ही रह जाएंगे। इसलिए जब तक उनको सही ि ाक्षा नही मिलेगी तब तक वे नही पढ सकेंगे। दवाई सरकार तो देती है लेकिन वे सारी दवाई प्राईवेट दुकानो मे बेच देते है उनकी कोई चैकिंग ही नही होती। जिसके कारण गरीब जनता को कोई दवाई नही मिलती इसलिए इस बारे मे जिला लेवल पर चैकिंग होनी चाहिए। हफते मे तीन दिन इनको जाकर चैकर करना चाहिए। अगर ऐसा होगा तभी पब्लिक को दवाई मिल सकेगी और उनका सही इलाज हो सकेगा। स्पीकर साहब, गरीब कन्याओ के लिए सरकार द्वारा जो 5100

रुपये दिये जाते है उसके लिए मै सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही मै कहना चाहूंगा कि उनको एक चीनी की बोरी और चालीस किलो बेसन भी दिया जाना चाहिए। अगर ऐसा हो जाता है तो जब कोई आदमी हमारे घर आएगा तो उससे हमारी इज्जत बढेगी। स्पीकर साहब, अगर 36 बिरादरियो को एक करना है तो ऐसा होना ही चाहिए। पैसा पैसे की जगह काम करेगी और रा ान रा ान की जगह काम करेगा।

श्री अध्यक्षः अब श्री रघुबीर सिंह कादयान जी बोलेंगे। आपको पांच मिनट का समय दिया जाता है।

श्री रघुबीर सिंह कादयान (बेरी): धन्यवाद स्पीकर सर, मै बजट के पक्ष मे या विरोध मे बोलने के लिए खडा हुआ हूं वित्त मंत्री जी खुद इस बात का फैसला करें। क्योंकि जिस दिन बजट हाउस की टेबल पर रखा गया। बजट पेश होने का बाद जब हम गए तो बडी बडी किताबो का एक गटठा दिया गया और उसके बाद किताबो का एक और गठठा दिया गया। कई माननीय सदस्यो से वह किताबे उठी नही। किस के पेट मे दर्द हो गया।

श्री अध्यक्षः कादयान साहब, टू दि प्वायंट बोलिए।

श्री रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर सर, ये सारी बातें और ऐस्टीमैट्स बनाने मे काफी दिन का समय लगा होगा। मेरे हिसाब से किसी सदस्य मे इतनी महारत नही है कि वह इस सारे के सारे गठठे को पढ सके और उसको समझ सके, पढ तो सकता

है लेकिन जैसा खुद वित्त मंत्री जी ने बताया कि पढने लगूं तो हफता लग जाएगा और आपने हमे इस पर चर्चा के लिए एक दिन का समय दिया है मेरा सुझाव है कि सभी सदस्यो के लिए बजट के उपर समझने का और जो उसकी टर्मिनोलोजी है, उसकी इकोनिमिक्स है उस पर कोई ट्रेनिंग या वर्क ाप कंडक्ट की जानी चाहिए। कम से कम जैसे यह बजट हफते मे पढा जा सकता है तो एक हुते के बाद अगर सैं ान हो तो सइस पर रचनात्मक सुझाव आ सकते है। दूसरे जहां तक मै कहूं कि बजट पढा या नजर दौडाई तो ऐसा कुछ नही किया। लेकिन जो सबसे पतली बुक बजट एकड ए ग्लांस है, दूसरा जो संपत सिंह जी ने बजट भाशण पढा इस सारे मामले को जब हम मोटा मोटा देखते है तो पाते है कि स्टेट के जितने रिसोर्सिज है वह सारे के सारे तनख्वाहो मे यानी कि नान प्लान ऐक्सपैंडिचर मे और लोन की अदायगी मे ही बंट जाते है। नये असैट्स के लिए सरकार के पास कोई पैसा नही है। लगभग पूरे पूरे प्लान कर्जो से पूरे करने की नीयत साफ झलकती है। मै आपके सामने एक सुझाव रखूं कि जैसे बजट ऐट ए ग्लांस मे वित्त मंत्री जी ने 1999–2000 मे रैवेन्यू रिसीटस मे बजट ऐस्टीमेट दिया है 6901 करोड और रिवाइज ऐस्टीमेट 5979 करोड रुपये दिया है इसमे सीधा सीधा एक हजार करोड रुपये का डाउन फाल है। यह आपका रिकार्ड बता रहा है। इसमे जिसतरह से बजट ऐस्टीमेट दिया है 6755 करोड रुपये का, उसमे कितना ऐग्जेररे ान है क्या ये रिकरिंग रिसीट्स और रेवन्यू रिसीट उसको पूरी कलैक ान है। क्योंकि इसमे जो बताया गया है

कि टैक्स रैवेन्यू 1999–2000 मे बजट ऐस्टीमैटस मे 4406 करोड रुपये थे और इसके रिवाइजड एस्टिमैट मे वे 4186 करोड रुपए है। जबकि माननीय मुख्यमंत्री ी और वित्त मंत्री अपने भाशण मे यह कहते है कि हमने टैक्स रिक्वरी को बीस प्रति ात बढाया है। परन्तु इस रिवाइज्ड एस्टिमेट मे तो 300 करोड रुपये टैक्स रेवैन्यू का डाउन किया गया है। इसके बारे मे वित्त मंत्री जी बताएं। अध्यक्ष महोदय, तीसरा मै रेवैन्यू ऐक्सपैंडिचर के बारे मे कहना चाहता हूं। रेवैन्यू एक्सपैंडिचर का सारा का सारा नान प्रोडैक ान 8097 करोड रुपया है जोकि टोटल एक्सपैंडिचर का 85 प्रति ात है। आपके बजट और बजट एट दी ग्लांस में फिगर बदले हुए है। वित्त मंत्री जी बताये कि आपका बजट ठीक है या बजट एट ए ग्लांस ठीक है? हैल्थ, ऐजुके ान, रुरल डवैल्पमैंट, एग्रीकल्चर आदि पर 11.2 प्रति ात बजट का प्रावधान किया गया है। इसमे से 2.02 प्रति ात कृशि पर खर्च किया जाना है जबकि माननीय मुख्यमंत्री जी किसानो के हितैशी बनते है। मै उनके नोटिस मे लाना चाहता हूं कि बजट के हिसाब से टोटल पैसे का 100 मे से 2 प्रति ात कृशि पर खर्च किया जाना है। रुरल रिसोर्सिज पर 16 प्रति ात खर्च करना आपने इस बजट मे दिखाया है। 16 प्रति ात मे से 15 प्रति ात तो सैलरी एस्टिबिलिसमैंट पर खर्च हो जाता है, उसके बाद हैल्थ विभाग है, एग्रीकलचर विभाग है और रुरल डिवैल्पमैंट विभाग भी है। इसके साथ साथ बजट के पेज नम्बर 6 पर दिखाया गया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कादयान साहब, आपका एक मिनट और बाकी है।

श्री रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, बजट के पेज नम्बर 6 पर दिखाया गया है कि 64.05 फीसदी बजट बिजली पर, इरीगे ान पर, ट्रांसपोर्ट पर, रोड्ज पर खर्च होगा। जिसमे से बिजली पर 9.44 प्रति ात, इरीगे ान पर 7.79 प्रति ात, ट्रांसपोर्ट पर 4.14 प्रति ात, रोड्ज पर 5.82 प्रति ात और टोटल 27.19 प्रति ात रुपीज गोज मे दिखाया गया है। वित्त मंत्री जी इसमे से कहा पर कटौती कर सकते है क्योंकि उन्होने 4.5 फीसदी बजट खर्च करने को कहा है और रुपीज़ गोज मे 27.19 है।

श्री अध्यक्षः कादयान साहब आप दस मिनट बोल चुके है, अब आप बैठ जाइए।

श्री रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, यह बडी चिंता का विशय है कि हमारा 34.37 प्रति ात बजट ब्याज के भुगतान और ऋण की अदायगी पर खर्च हो रहा है। आज प्रदे ा किस दि ाा मे जा रहा है और प्रदे ा के लोगो के हितो को किस दि ाा मे यह सरकार ले जा रही है। क्योंकि उन पर तो ऋण का भार डाला जा रहा है। इसलिए मै इस सरकार को आने वाले भविश्य के बारे मे चेतावनी के रुप मे बताना चाहता हूं कि सरकार इस बोर में कुछ आव यक कदम उठाये।

श्री अध्यक्षः ादयान साहब आप दस मिनट बोल चुके है, अब आप बैठ जाइए।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, डा0 साहब जो कुछ कह रहे है वह तस्वीर का दूसरा रुप है। लोन रिपेमैंट 17.03 प्रति ात है और इंट्रस्ट पेमैंट 13.5 परसैंट है। who is responsible for re-payment. ये रिपेमैंट और सारी व्यवस्था की जिम्मेवारी हम लोग नही उठाएगे तो कैसे सरकार चलेगी। ि ाक्षा के लिए कुल बजट का 11.92 परसैंट रखा गया है और इतनी रा ि ा पहली बार बजट मे एजुके ान के लिए रखी गई है जबकि सैंटर गवर्नमैंट मे 6 प्रति ात से ज्यादा ि ाक्षा के लिए बजट मे नही रखा गया है। ि ाक्षा के लिए इस बार हरियाणा का बजट सबसे ज्यादा है। इस बात के लिए सबको सरकार की प्र ांसा करनी चाहिए। (ाोर) जो मै कह रहा हूं वह बजट एट ग्लांस मे दिया हुआ है। (ाोर)

श्री अजय सिंह (रिवाडी): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि सम्पत सिंह जी ने 14 मार्च को जो बजट पे ा किया है, मेरे हिसाब से यह बजट दि ााहीन है और किसी प्रकार से भी विकासोन्मुख नही है। उसका मुख्य कारण यह है कि इसमे जो 2530 करोड रुपये का वार्शिक योजना के आकार का जिक्र किया गया है उसके बारे मे मै कहना चाहूंगा कि इसमे तकरीबन 295 करोड रुपये का घाटा है जो कि पिछले साल का था। इसी प्रकार सरकार ने अपने संसाधन जुटाने के लिए

आटोमोबाईल, लग्जरी आईटम पर सेल्ज टैक्स बढाए है और यूनिफार्म टैक्स भी बढाए है। मै समझता हूं कि ये टैक्स लगाने से सरकार को 150 करोड रुपये की राहत होगी। लेकिन सरकार ने अपने संसाधन जुटाने के बारे मे किसी भी कार्यवाही का जिक्र नही किया है। इसके साथ साथ ही मै सरकार को एक सुझाव देना चाहता हूं कि हुडडा, मार्किटिंग बोर्ड और जितने भी बडे बडे बोर्ड और कारपोरे ांस है उनके कंटरीब्यू ान को सरकार अपनी प्लान आउट ले में भाामिल करे। उसी प्रकार से सरकार एक रिसोर्स मोब्लाइजे ान इकलोमिक कमेटी गठित करे इस कमेटी के मैम्बर सरकारी अफसरे और खास तौर से पब्लिक के रिप्रेजैन्टेटिव हो जो इस बारे मे अपने सुझाव दे सके। इस सरकार ने कुछ टैक्सो को अबोलि ा करने का भी काम किया है खासतौर से रुरल डिवैल्पमैंट सैस 2 परसैंट अबोलि ा किया गया है, मुझे इस बार को लेकर आपत्ति है क्योंकि उसका सीधा असर किसानो के उपर पडता है। एव0 आर0 डी0 एफ0 जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रो मे सडके वगैरह बनती है, को भी बहुत भारी घाटा पहुंचा है। उसी प्रकार समय समय पर सरकार कुछ सेल्ज टैक्सो को कम करती है, कुछ को ज्यादा करती है। उसके बारे मे सरकार एक व्हाइट पेपर इस्यु करे। जिसके द्वारा यह बताया जाए कि जब से हरियाणा बना है तब से किस चीज पर कितना टैक्स कम किया गया है और कितना बढाया गया है और ये क्यो कम या ज्यादा किए गए है। इसके अलावा यह भी देखा गया है कि हरियाणा में कई ऐसी फैक्ट्रीयां काम कर रही है जिनके हैड आफिस दिल्ली मे बने हुए

है, रसीदे भी उनकी दिल्ली मे कटती है और जो टैकस हरियाणा मे दिया जाना चाहिए वह दिल्ली मे दिया जाता है। इसलिए इसके बारे मे बकायदा एक कानून बनाया जाए कि अगर कोई फैक्ट्री हरियाणा मे चल रही है तो उसकी जितनी भी कन्साइनमैंट है, वह हरियाणा मे ही होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मुझे यह कहते हुए ताज्जुब होता है कि इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग के अंदर इनटेक की कपेसिटी 1998.99 मे 15792 थी। जो अब कम होकर 14997 हो गई है। इसका मतलब यह है कि मौजुदा सरकार टैक्नीकल पजुके ान के बारे मे सीरियस नही है। अध्यक्ष महोदय इसी से मै बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा द्वारा 1996 मे डैबिट के तौर पर 6212 करोड रुपया लिया गया था। जो कि 2001 मे 15216 करोड रुपया हो जाएगा। यानि सरकार का ले–आउट 2530 करोड रुपये है और 2001 मे सरकार के उपर 15216 करोड रुपये लोन के डैबिट के रुप मे हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, वर्श 2000 मे रि–पेमैंट 1932 करोड रुपये की होगी, जो इकनौमिक सर्वे आफ इंडिया मे दिया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मै वि ोश तौर पर पावर सैक्टर के बारे मे कहना चाहूंगा जिसके लिए सरकार ने 626.73 करोड रुपये का प्रावधान किया है। इस बारे मे मुझे यह आपत्ति है कि सरकार यह बताये कि इस पैसे की इंवैस्टमैंट के आपके क्या प्रोग्राम है? ट्रांसमि ान और डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम को स्ट्रैंथन करने के लिए एस्टीमेट कोस्ट 7 हजार करोड रुपये होगी। अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने बजट मे जो ऐड वर्ल्ड बैक से मिली थी उसके बारे मे जिक्र नही किया कि कितने पैसे लोन के रुप में

वहां से मिले थे और कितने पैसे और मिलने वाले है तथा वर्ल्ड बैंक की इस बारे क्या क्या भातें हैं? अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड बैंक ने सरकार को इस बारे धमकी दी है कि उनके लीगल एग्रीमैंट की भार्तो को 3–4 कारपोरे ांज पूरी करने मे असफल रही है। इस ओर सरकार अपना ध्यान दें क्योंकि प्रदेश की जनता इस बात के लिए बहुत चिंतित है। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मै मुख्यमंत्री महोदय को कहना चाहूंगा कि जो पावर रिफोमर्ज चौधरी बंसी लाल जी के समय मे चालू किये गये थे उनके बारे मे सरकार अपनी नीति स्पश्टकरे कि सरकार टोटल कंव र्न आफ लो वोल्टेज डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम के बारे मे वैल्यू बेस सर्विसिज के बारे में, टैरिफ के रै ानलाईजे ान करने के बारे में भी सरकार क्या कदम उठा रही है? अध्यक्ष महोदय, एक बात मै कहना चाहूंगा कि सरकार पावर प्रोडैक ान की क्वांटिटी चाहे कितनी भी बढा ले लेकिन जब तक 11 के0 वी0 की लाईनो को ठीक नही किया जायेगा तब तक बात नही बनेगी। अध्यक्ष महोदय पावर के बारे मे इसके अतिरिक्त मै यह कहना चाहूंगा कि इसमे ट्रांसपियरैंसी होनी चाहिए। चाहे टैरिफ का मामला हो, चाहे वर्ल्ड बैक से लोन का मामला हो, पावर क्षेत्र मे पूरी तरह से ट्रांसपियरैंसी होनी चाहिए। मैने बजट पढा है, इसमे कही भी यह नही लिखा कि पावर के बारे मे सरकार क्या कर रही है?

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप 2 मिनट में वाईंड अप करें।

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै 2 मिनट मे वाईंड अप कर दूंगा। मै कृशि के बारे में कहना चाहूंगा कि हमारा प्रदे ा कृशि प्रधान है और इस क्षेत्र के लिए बजट में 111 करोड रुपये द र्ाए है। भुगर केन का प्रोडैक ान 1996–97 में 9.2 लाख टन था जो घटकर 1997–98 में 6.8 लाख टन हो गया। मेरे कहने का मकसद यह है कि भुगर केन के अंदर भी डिकलाईन हो रहा है और इसी तरह से फडग्रेंज कं अंदर भी डिकलाईन हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, 1998–99 में फुडग्रेंज का प्रोडैक ान 121.23 लाख टन था जो 1999–2000 में धटकर 116.15 लाख टन हो गया। अध्यक्ष महोदय, केवल आयल सीड में थोडी बहुत इंक्रीज हुई है, वह भी इसलिए कि हमारे यहां पर सुरजमुखी की खेती अच्छी हुई थी। अध्यक्ष महोदय, इरीगे ान के बारे में आर0 आई0 डी0 एफ0 और नाबार्ड के तहत रिवाडी और महेन्द्रगढ जिलो मे जो फल्ड प्रौटैक ान की 36 स्कीमें है उनके बारे में कहना चाहूंगा कि उनको रिस्टोरिंग एक्सटैं ान आफ एगिजिस्टिंग सिस्टम को ठीक करने के लिएजो टोटल स्कीम थी वह 508 थी जिसमे से केवल 58 कम्पलीट की गई है। तकरीबन 90 स्कीमें ऐसी है जिनको टच भी नही किया है। पिछली सरकारो ने जान–बूझ कर उन स्कीमो को टच नही किया है।

श्री अध्यक्षः कप्तान साहब, अब आप बैठ जाइए। आपका समय पूरा हो चुका है। जो सदस्य बोलने के लिए रह गये है अब

ये डिमाण्डज पर बोल सकते है। काफी समय हो चुका है। साढे सात घंटे का समय दिया गया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी बात तो सुन लें। (ाोर एंव व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कप्तान साहब, आप बैठिए।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मुझे भी बोलने का समय दें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, पांच मैम्बरो ने बोलना था और चार मैम्बर बोल चुके है। एक मैम्बर अभी बाकी है उसको भी पांच मिनट का समय दें। उसमें क्या फर्कपडता है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हू। (विघ्न एवं भााोर)

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी, अभी आप बैठिए। आप किसी दूसरे सब्जैक्ट पर बाद में बोल लेना (ाोर)

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी बात पूरी तो सुन लें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कप्तान साहब, आपकी भी अभी तक तसल्ली नही हुई। आपने 5 मिनट बोलना था और 10 मिनट से ज्यादा आप बोल चुके है। आप बैठिए। (ाोर)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता के कहने पर आपने आधा घंटा समय बढाया और वह सारा समय इनको ही मिला। सरकारी पक्ष की तरफ से इस समय कोई भी सदस्य नही बोला है।

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी बात तो सुन लें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कप्तान साहब, आप बैठिए। आप लोग भाशण बाजी बाद में कर लेना। यहां पर बजट पर बहस हो चुकी है और कांग्रेस पार्टी के बहुत से सदस्य बोल चुके है। आप लोगो को डिमाण्ड और ग्रान्ट्स पर भी बोलने का मौका मिलेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, एक मैम्बर को बोलने दे। पांच मिनट में क्या फर्क पडता है।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आपके कहने पर ही हाउस का समय आधा घंटा बढाया गया था और इस समय सवा चार बजने जा रहे है जबकि 3:00 बजे तक का समय था। (ाोर) आगे एप्रोप्रिए ान बिल आएंगे, डिमाण्डज आएंगी उन पर बोल लेना। उन पर आप किस को बुलवाएंगे। (ाोर)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठिए। आपके बहुत से सदस्य बोल चुके है। (ाोर) आपने आधे घंटे का समय बढाने के लिए कहा था और आपके कहने पर ही आधा घंटा बढा दिया था।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, एक मैम्बर को पांच मिनट बोलने दें।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप तो बडे सुलझे हुए और अच्छे पार्लियामैन्टेरियन है। आपको इस तरह से बार बार खडे नही होना चाहिए। आप बैठिए। (ाोर)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपने विपक्ष के नेता के कहने पर आधा घंटा समय बढाया। हमारी तरफ से आधे घंटे मे कोई भी नही बोला। सारा का सारा समय आपने इनको दिया। (ाोर)

श्री अध्यक्षः इन–प्रोपो र्निट सबसे ज्यादा समय कांग्रेस पार्टी को दिया गया है। और ज्यादातर मैम्बर दो–दो बार बोल चुके है। (ाोर)

श्री रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कादयान साहब, आप बैठिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री जय प्रका ाः स्पीकर साहब, **********

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी, जो बोल रहे है उसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, एक सदस्य को बोलने दें।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आपके 9–10 सदस्य बोल चुके है। आप बैठिए।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके सामने से लीडर आफ दि हाउस से निवेदन है कि हमारे जो एक दो मैम्बर बोलने से रह गए है उन्हे आप 5–5 मिनट बोलने का समय दें। (ाोर एवं विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः चौधरी साहब, अब से पहले जितनी बार भी आपने समय बढाने के लिए स्पीकर साहब को कहा, स्पीकर साहब ने समय बढाया। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, हमारे मैम्बर 7–8 मिनट मे ही अपनी बात समाप्त कर लेंगे। आप हाउस का समय और बढा लें।

श्री सम्पत सिंहः चौधरी साहब, जितना टाईम आप लोगो को दिया है आप हरियाणा विधान सभा का रिकार्ड उठा कर देख लें, इतना समय कभी भी विपक्ष को नही दिया गया। (शोर एवं विघ्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जो हमारे दो सदस्य रह गए है उनको आप बोलने के लिए समय दे दें। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आप लोगो को पहले ही काफी समय दिया जा चुका है। जो मैम्बर्ज रह गए है वे बाद में बोल सकते है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप लोगो को पहले ही काफी समय दिया जा चुका है। जो मैम्बर्ज रह गए है वे बाद में बोल सकते है। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (श्री औम प्रका ा चौटाला): चौधरी भजन लाल जी, पहले हम भी औरआप भी हाउस के सदस्य रह चुके है। आज आप अधिकार की बात करते है। आपके समय मे जब हम कहते थे कि हमें समय दे दिया जाये तो उस वक्त मैम्बर के अधिकार कहां चले गए थे? जब मै विपक्ष मे था तो उस वक्त विप्क्ष का नेता होने के नाते मुझे 30 मिनट से ज्यादा का समय कभी नही दिया गया। आप अपने भाासनकाल का टाईम याद करो। अब बजट पर आपके 21 सदस्यो मे से 10 सदस्य बोल चुके है।

गवर्नर एड्रेस पर भी आपके तकरीबन सभी सदस्य बोले है। स्पीकर साहब, ने बडी उदारता के साथ आप सभी को बोलने का समय दिया। आपने उनका धन्यवाद करने की बजाये कह दिया कि स्पीकर साहब बोलने के लिए समय नही दे रहे, यह गलत बात है। आप वाक आउट करना चाहते है तो बे ाक करें। अब और समय नही चढेगा क्योंकि स्पीकर साहब ने वित्त मंत्री जी को बोलने के लिए समय दे दिया है। अब आप लोग ध्यान से इनका उतर सुनें।

श्री भजन लालः हमने तो अपने समय मे आपको बोलने से कभी रोका नही। आप ही हमारी बात सुनने की बताये वाक आउट करके चले जाते थे। (शोर एवं विघ्न) यह कही होता है कि एक ही सदन मे बजट पर बहस होकर उसे पास कर दिया जाये। आपसे निवेदन यही है कि हमारे मैम्बर रह गए है उन्हे आप डिमांड पर बोलने का आ वासन दे दें। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठिये।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 5–5 मिनट अगर सभी को बोलने के लिए समय दे दिया जाये तो उससे क्या फर्क पडता है। (शोर एवं विघ्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय यह बात ठीक नही है, कुछ लोग बोलना चाहते है उनको बोलने का समय दिया जाना चाहिए। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठिए। (विघ्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सभी माननीय सदस्य चुनाव जीतकर सदन में आये है कोई किसी के रहमोकरम से सदस्य बनकर नही आया है। इसलिए जो भी माननीय सदस्य बोलना चाहत है उनको बोलने का समय मिलना चाहिए। (विघ्न) अगर आप चाहे तो आप हमें सदन से बाहर निकाल सकते है लेकिन आपको हमें बोलने के लिए समय तो देना ही चाहिए। (विध्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, अगर आप चाहे तो खुद सदन से बाहर जा सकते है। मै आपको हाउस से बाहर नही निकालूंगा। यदि मै आपको हाउस से बाहर निकालना चाहूं तो निकाल सकता हूं लेकिन मै ऐसा नही करुंगा। (शोर एवं विघ्न)

वाक–आउट्स

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यदि आप हमारे साथियो को बोलने का समय देना नही चाहते तो हम वाक आउट करके जाते है।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अभी डिप्टी स्पीकर का भी चुनाव होना है इसलिए चौधरी भजन लाल जी आप वाक आउट करके न जाएं।

श्री भजन लालः जब बोलने के लिए समय नही दे रहे तो हम वाक आउट करके जा रहे है।

(इस समय इण्डियन ने ानल कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्य सदन से वाक आउट करके चले गए)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, **********

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप बैठिए। ये मेरी परमिशन के बगैर जो बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। दलाल साहब, बोलने के लिए 35 मिनट का समय दिया गया था। आप तो केवल अपनी पार्टी के एकमात्र सदस्य है। पार्टियो के हिसब से आपका केवल सात मिनट का समय बनता था। लेकिन फिर भी आपको बोलने के लिए 35 मिनट का समय दिया गया है। आपके अलावा और भी बहुत से सदस्य है जो बोलना चाहते है। अब वित्त मंत्री जी बजट पर हुई बहस का जवाब देंगे। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, अगर आप मुझे बोलने के लिए समय नही दे रहे है तो मै भी वाक आउट करता हूं।

(इस समय रिपब्लिकन पार्टी आफ इण्डिया के माननीय सदस्य री कर्ण सिंह दलाल भी सदन से बाहर चले गये)

वर्श 2000–2001 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

वित्त मंत्री (श्री सम्पत सिंह): स्पीकर सर, फाइनैंस मिनिस्टर के तौर पर बोलने से पहले मै एज पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर बोलना चाहता हू। हम लोग विपक्ष के सदस्यो द्वारा जो

बाते कही गई वे सभी सुनते रहे है। आज ही नही जिस दिन से सदन भाुरु हुआ है उस दिन से ले कर अब तक हमने ओपोजी ान की हर बात को सुना। उनको बोलने के लिए आपने मैक्सिमम टाईम दिया है। आज तक कभी भी ओपोजी ान पार्टी के लोगो को बोलने के लिए इतना टाईम नही मिला वि ोश कर सारे ही हाउस के मैम्बर्ज ने कंट्रीब्यूट किया। इतनी बडी संख्या मे इंडिविजुअल मैम्बर्ज आज तक कभी नही बोले। जो सारी बातें उन्होने कहनी थी वे तो उन्होने कह ली अब वे केवलमात्र इस बात से यहां से उठकर चले गए है कि हाउस को फेस नही करना चाहते। चुनाव मे वे पब्लिक को फेस नही कर पाए और अब हाउस के अंदर भी फेस नही कर पा रहे है। उन्होने खुद जो जगलरी ढंग से आंकडे पे ा करने की बात की थी उन बातो का जवाब दिया जाना था। उन लोगो मे हिम्मत होनी चाहिए थी कि उन बातो का जवाब सुनते। उनके द्वारा अनपार्लियामैंटरी तरीके से वाक आउट करना ठीक नही है अगर वाक आउट का कोई समय होता तो कुछ और बात थी। विपक्ष के नेता ने जितना टाईम मांगा अपने बार बार दिया लेकिन उसके बावजुद भी केवल मांत्र एक तमा ाा करने के लिए उन्होने वाक आउट कर दिया। जब बोलने के लिए कुछ नही रह गया और कुछ सुनने की हिम्मत उनमें थी नही केवलमात्र अखबारी खबर बनाने के लिए उन्होने यह वाक आउट किया हैं। उनका यह वाक आउब वास्तव मे वाजिब नही है। स्पीकर सर, आपकी इजाजत से अब मै रिप्लाई देना चाहता हू। अध्यक्ष महोदय, इस गरिमामय सदन मे कल बजट एस्टीमैअ

2000–2001 रखा गया था। आज ुबह से उस पर बहस चल रही थी बहुत से सदस्यो ने अच्छे सुझाव दिए और कुछ आलोचनाए भी की है। सुझाव और आलोचनाओ को मै बडे सब्र से सुन रहा था और उनको नोट कर रहा था। जो जो भी हाउस मे हैल्छी डिस्क ान हुई है मैने उनको नोट किया है। सर, समुचे विपक्ष को चाहिए तो यह था कि इस बजट का वैलकम करते। इस भाताब्दी का यह पहला बजट पे ा हुआ है। इतने वित्तीय बोझ के बावजुद इस सरकार ने अच्छा काम किया है यह सब आप जानते है। एक तरफ चुंगी माफ हुई, उससे कितना बोझ पडा है। यह सबको पता है। वृद्धावस्था पैं ान, हैडिकैप्ड पैं ान, भाहीदो के आश्रितो की पैं ान वगैरह से स्टेट एक्सचैकर पर 3 गुणा बर्डन पडा है जिसको बढाकर 320 करोड रुपये करना पडा है। इसी तरह से जो भाुगर केन के दाम बढाये है वह रिकार्ड तोड दाम है। आज तक के इतिास मे किसी भी सरकार ने इतने दाम नही बढाये जो कि हरियाणा सरकार ने बढाए है। आज ही हरियाण मे भाुगर केन के दाम 110 रुपये प्रति क्विंटल है। बहुत से आईटमो पर मार्किट फीस दो से एक प्रतिशत की है। कन्यादान की स्कीम भाुरु की है। टैक्सो पर भी कई स्कीमो बनी है जिससे लोगो को राहत मिलेगी। इन बातो को यें सुनते तो कुछ बात बनती। लेकिन ये गलत तरीके से अपनी डयूटी करके यहां से बाहर चले गए। बहुत से सदस्यो ने यहां पर बहुत सी बातें कही। मै उनका जवाब देना चाहता हू। यहां पर सदस्यो ने जो ग्रीवैंस रखी अपनी मांगे रखी मैने वह सब नोट कर ली है। मै उस बारे मे कहना चाहूंगा कि हम

उनको विभिन्न विभागो को भेज देंगे। आप सब को मालूम है कि उन पर एस्टीमैंट बनते है उन पर सरकार सिरीयसली सोच समझ कर काम करवाएगी। जैसा पहले की सरकारो के वक्त मे भेदभाव किया जाता था हम वैसा नही करेंगे। हमारे लिए 90 के 90 विधान सभा के हलके बराबर है। जैसे कि भागी राम जी ने बताया कि कुछ हलको को जानबूझ कर इग्नोर किया गया था उनको हम प्राथमिकता देंगे और वहां के काम करवाएंगे लेकिन बाकी हलको मे भी हम काम करवाएंगे किसी के साथ ंभेदभाव नही बरता जाएगा। विपक्ष के सदस्यो ने अपने भाशण मे बोलते हुए बताया कि हमने घाटे का बजट पे ा किया है। सर, मांगे राम जी और हुडडा जी यहां से उठकर चले गये है। अध्यक्ष महोदय, यहां पर यह रिवायत रही है कि अगर सदन में किसी ने गलत फिगर दी है तो उनके खिलाफ प्रिविलेज मो ान आता है। चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी के खिलाफ लीडर ऑफ दी अपोजी ान होते हुए और और मेरे खिलाफ भी प्रिविलेज मो ान आया था। अगर हम चाहते तो जो मांगे राम गुप्ता जी यहां पर बोल रहे थे और इसी तरीके से रघुबीर सिंह जी भी बोलकर चले गए थे। सर, अगर इन लोगो की बात की जाए तो जो फिगर्ज उन्होने दी थी, उसके आधार पर उनके खिलाफ वि ोशाधिकार हनन का मामला बनता है। मै इन बातो पर बाद में आउंगा। पहले मै बजट घाटे के बारे मे बताना चाहता हूं। सर, हमें तो विरासत मे यह घाटा मिला था। 24 जुलाई, 1999 को जब चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी के नेतृत्व में यह सरकार बनी थी उस वक्त घाटा 150 करोड रुपये का था

लेकिन उसके बाद यह घाटा 31मार्च को बढकर 196.77 करोड हो गया। स्पीकर सर, मैक्सिमम घाटा तो उनके वक्त का ही है। हमने तो रिकवारी बढायी ही है। बहुत मुसतैछी के साथ इस सरकार ने काम किया है, इनफोर्समैंट बडी ईमानदारी से की है। स्पीकर सर, जब हमने सत्ता संभाली ाी उस वक्त एक्साईज तो माईनस मे आ गया था और सेल्ज टैक्स की इंक्रीज एक प्वायंट कुछ की थी जो अब बढकर 13.5 हो गयी है। स्पीकर सर, इस तरह के एफर्टस आपकी सरकार ने किए है और तभी जाकर के यह रिकवारी बढी है। जब इन चीजो की रिकवारी बढेगी तो स्वाभाविक है कि घाटे की पूर्ति भी होगी। मांगे राम गुप्ता जी कह रहे थे कि उन्होने अपने समय मे प्लस मे बजट पेश किया था। अब वे यहां पर है नही वरना उनके खिलाफ प्रिवलेज का मो ान बनता है। स्पीकर सर, उनके बजट के बारे में भी मै यहां पर बताना चाहूंगा। 1991–92 के साल मे 31 मार्च को जो ओपनिंग बैलेंस था वह माईनस 62.13 करोड रुपए का था जबकि वे कह रहे थे कि हमने प्लस का बजट पे ा किया था। इसी प्रकार 1994 मे जो ओपनिंग बैलेंस था वह माईनस .14 करोड रुपये का था। वे अब चले गए वरना मै उनको बताता स्पीकर सर, 500 प्लास 91.88 यानी 592 करोड रुपए कहां चले गए क्या वे अपनी जेब मे लेकर चले गए? क्या वे अपने साथ लेकर चले गए? स्पीकर सर, इसी तरह की गलत ब्यानबाजी उन्होने की थी लेकिन अब वे इन बातो को छोडकर चले गए क्योंकि सही सुनना उनको बर्दा त नही था। स्पीकर साहब, हमने घाटा पूर्ती के लिए बजट मे प्राविजन रखा है

कि कैसे हम इसे पूरा करेंगे। इसी तरह से युनिफार्म सेलज टैक्स की बात आयी। सर, यह अब हरियाणा प्रदे ा मे लागू कर दिया गया है हालांकि दूसरे प्रदे ाो ने चुनावो से पहले ही यह लागू कर दिया था। स्पीकर सर, भारत सरकार के वित्त मंत्री ने सभी राज्यो के वित्त मंत्रियो की एक बैठक बुलायी थी उसमे बडी सदभावना के साथ यह एग्रीमैंट हुआ था कि सभी राज्य युनिफार्म सैल्ज टैक्स लागू करेंगे। सर, यह बहुत अच्छी बात है क्योंकि पहले हम कहते थे कि हमारा बिजनैस माइग्रेट होकर दिल्ली चला गया, पंजाब वाले कहते थे कि उनका बिजनैस राजस्थान या हरियाणा चला गया और यू0 पी0 वाले कहते थे कि उनका बिजनैस दिल्ली चला गया यानी सभी स्टेटस अलग अलग तरीके से अपनी अपनी बात कहते ि उनकी अलग अलग ओब्जैक ान थी। लेकिन बाद मे बडे अच्छे तरीके से यूनिफार्म सैल्ज टैक्स की पालिसी बनी। उस समय हम इसको लागू नही कर सकते थे क्योंकि चुनाव आ गये थे और अगर हम ऐसा करते तो चुनाव अचार संहिता आडे आ जाती। लेकिन चुनावो के बाद हमने युनिफार्म सेलज टैक्स लागू किया है। अब इससे 75 करोड रुपये की आमदनी होगी और इस तरह से भी घाटा पूरा होगा। इसी प्रकार से जो दसवां सैंट्रल फाईनें ि ायल कमी ान था उसने भोयर आफ सैंट्र टैक्सिज की 26 परसैंट की बजाए 29 परसैंट फालतू इंकी मान ली थी। उन्होने सैंट्रल टैक्सिज मे स्टेट भोयर 26 परसैंट की बजाए 29 परसैंट मान लिया था लेकिन यह एरियर भी अभी तक आए नही है। स्पीकर सर, हमारा अनुमान है कि यह

एरियर करीब 155 करोड रुपये के आएंगे। अगर गुप्ता जी होते तो ये तर्क हम उनको भी बताते क्योंकि वे कह रहे थे कि घाटै को कैसे मीट आउट करेंगे। परंतु वे चले गए। स्पीकर सर, हमे तो विरासत मे ही 150 करोड रुपये का घाटा मिला था। उल्टे हमने तो रिकवारी करके रैवेन्यू बढाने की कोि ा ा की है। स्पीकर सर, आप तो बहुत इंटैलैकचुअल है, इंटलिजैंट है। सारे दे ा की इकोनोमी मे रिसै ान आ रहा था जैसे मै पहले कह रहा था कि पाकिस्तान ने कैसे युद्ध किया, उन दिनो कैसे हालात थे। यह तो हिन्दुस्तान की अर्थ–व्यवस्था थी जो एग्रीकल्चर बेस्ड है। जापान या कोरिया जैसे लोगो की इकोनोमी तो ऐसे हालात में फेल हो जाती, वे भिखमंगे हो जाते और उनको कोई भीख भी न देता। ये तो हिन्दुस्तान की अर्थव्यवस्था है जिस पर हमें फख्र है कि एक तरफ तो बोर्डस पर हमारे दे ा के जवानो ने दे ा की सीमाओ की रक्षा करने मे अपनी जान की बाजी लगा दी जिसमें हरियाणा प्रदे ा का सबसे ज्यादा योगदान है। हमारे यहां कृशि के भंडार है और अनाज का जो उत्पादन है उसमे हरियाण प्रदे ा ने मैक्सिमम कंट्रीब्यू ान किया हैं। मेरे कहने का मतलब है कि इन विपरीत हालातो मे हमने इतना अच्छा उत्पादन किया है जिससे हमारी इकोनोमी रिसै ान से बाहर आ रही है। जब इकोनोमी रिसै ान से बाहर आयेगी तब ग्रोथ बढेगी, ज्यादा से ज्यादा एग्रीकल्चर का उत्पादन बढेगा, इंडस्ट्रीयल उत्पादन बढेगा। नयी इंडस्ट्रीयल पॉलिसी आई है। इस बारे में मै लम्बी चौडी बात न करते हुए इतना ही कहना चाहूंगा कि हमने जो पॉलिसी लागू की है इससे

काफी निवे ा किया है वह कितना कैटेलाइज हो चुका हे जिससे अपने आप पता लग जाएगा कि हरियाणा प्रदे ा की इकोनोमी किधर जाएगी और किस तरह से घाटे को पूरा करेगी। जो नयी औद्योगिक नीति आई है और कैटेलाइज हुई है उससे फरवरी 2000 तक जो निवे ा आए है वह 2641 करोड के आए हे और पाइप उद्योग लगाने के लिए 252 करोड रुपये आए है टोटल 2900 करोड की इन्वैस्टमैंट कैटेलाइज हो चुकी है इससे आप अंदाजा लगा सकते है कि इकोनोमी को कितना चढाव मिलेगा और इसे 64600 लोगो को रोजगार मिलेगा। सुबह कह रहे थे कि जौब्स के लिए प्रबंध नही कर रहे है। विकास से इम्पलौयमैंट मिलता है सिर्फ सरकारी नौकरी ही नौकरी नही होती। जब तक प्रदे ा का चहुमुखी विकास नही करेंगे तब तक काम नही चलेगा। सडक, स्कूल, अस्पताल, कालेज और नहरे बनेगी तो अपने आप लोगो को रोजगार मिलेगा। अगर आप कुछ करेंगे नही तो कैसे विकास होगा? अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि प्रदे ा के क्या हालात थे जब वर्तमान सरकार ने पदभार संभाला था सारा बेसिक स्ट्रक्चर खत्म हो गया था चाहे सउको की बात हो, या नहरो की बात हो या स्कूलो की बात हो या चाहे अस्पतालो की बात हो सारा का सारा स्ट्रक्चर रिवाइज करने का फैसला किया और सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत घर घर गए और जिन लोगो की बात कोई सुनता नही था उनकी बात सुनी। जो लोग चंडीगढ आकर घुम घुम कर चले जाते थे उनकी बात को सुनकर हरियाणा प्रदे ा के विकास को भ्ाुरु किया है। ऐसे में स्वाभाविक है कि जब प्रदे ा मे

विकास के काम होंगे तो घाटे का बजट होगा। मांगे राम गुप्ता जी भी कोई विकास कार्य नही कर पाए थे सिर्फ गलत आंकडे देकर चले गए थे। अध्यक्ष महोदय, यह बजट रोजगारोन्मुखी बजट है इससे रोजगार मिलेगा। अब मै अग्रोहा मैडिकल कालेज के कर्ज की बात कहना चाहूंगा। कर्ज के बारे मे उन्होने बडे ही जगलरी और ड्रामाटिक तरीके से गलत फिगर्ज पे ा करने की कोि ा ा की और जहां तक कर्ज का सवाल है, यह कर्ज कोई नयी बात नही है। स्वाभाविक है कि ग्रोइंग स्टेट है जिसको ग्रो करना है उसको कर्ज लेना पडेगा। बाकी जो नहर के सिस्टम को सुधारना है उसके लिए डबल्यू0 आर0 सी0 पी0 है उसका काम आज से नही है 5–6 साल से चल रहा है। हमारी कोि ा ा यह होगी कि इसको एग्जिस्ट करायें। नाबार्ड से लोन लेते है इरीगे ान सिस्टम को मजबूत करने के लिए ताकि हमारे एग्रीकल्चर सैक्टर मे मजबूती आये। पावर सैक्टर के लिए भी लोन लेना पडता हैं इससे हमारा पावर सैक्टर मजबूत होगा। अगर पावर सैक्टर मजबूत होता है तो स्वाभाविक है कि कृशि क्षेत्र मजबूत होगा (इस समय सभापतियो की सूची मे से एक माननीय सदस्य श्री रामपाल माजरा जी चेयर पर पदासीन हुए) सभापति महोदय, आप भी पैडी एरिया से संबंध रखते है। आप अंदाजा लगा सकते है कि अगर पावर सैक्टर मजबूत नही होगा तो किसानो की पैडी के सीजन में क्या हालत होगी। चेयरमैन साहब, आपको याद होगा कि 1987–88 मे चौधरी देवी लाल जी ने किसानो को बिजली देरक रिकार्ड तोड पैडी की पैदावर करवायी थी और इस बार चौधरी औम प्रका ा

चौटाला जी ने किसानो को पूरी बिजली देकर पैडी की रिकार्ड तोड पैदावार करवायी है। चेयरमैन सर, आज तक हरियाणा प्रदे ा का इतिहास रहा है कि सत्ता पक्ष की सरकार को चुनाव के समय हमे ाा नेगेटिव वोट जनता ने दिया है। पूरे दे ा मे या तो आन्ध्र प्रदे ा की सरकार है या पि चमी बंगाल की सरकार है जिनको जनता ने चुनावो के समय पोजीटिव वोट दिया है। आज हरियाणा प्रदे ा दे ा का तीसरा राजय है जिसको सरकार को चुनाव के समय जनता ने पोजीटिव वोट दिया है और पोजीटिव मैन्डेट दिया है। आज चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी की सरकार को वर्क्स का अधार पर दोबारा चुनकर 36 बिरादी के लोगो ने यह सरकार बनाई है। दूसरी बात कही गई कि कर्जा कैसे मिलेगा। विपक्ष के साथियो ने तो यह बात ऐसे कह दी जैसे यह सारा का सारा 15217 करोड रुपये का कर्जा वर्तमान सरकार ने ही किया है। जब वर्तमान सरकार ने पदभार संभाला उस समय कर्जे की रा ि ा 12750 करोड रुपये थी। और कहते ऐसे है जैसे यह सारा कर्जा हमने ही लिया हो। अगर वर्तमान कर्जे की रा ि ा को हम देने मे सक्षम हो जायंगे तो एक दिन हरियाणा प्रदे ा टैक्स फ्री स्टेट और कर्जा फ्री स्टेट बन जायेगा और ऐसा तभी संभव है जब कि सरकार स्थिर हो। इस बार जिस प्रकार चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी ने सरकार को लोगो ने मैनडेट करके भेजा हैं उसी हिसाब से हरियाणा प्रदे ा चहुमुखी विकास यह सरकार करेगी। चेयरमैन साहब जैसे कि श्री मांगे राम गुप्ता जी ने अग्रोहा मैडिकल कालेज के बारे मे बात की और आनन फानन मे ही औम प्रका ा

जिंदल ने भी इस बारे मे अपनी बात की। चेयरमैन साहब, जैसे एग्रीमैंट चौधरी देवी लाल जी ने किया था वैसा एग्रीमैंट आज तक कभी नही हुआ क्योंकि आज तक कभी ऐसा नहीहुआ कि किसी मैडिकल कालेज की 99 प्रति ात रिकरिंग ग्रांट सरकार दे और वह कालेज प्राइवेटली अरेंजड कालेज हो। चौधरी देवी लाल जी को एक तरफ महाराजा अग्रसेन जी के नाम से लगाव था और दूसरी ओर अग्रवाल कम्यूनिटी के साथ लगाव था तथा तीसरा हरियाणा स्टेट से लगाव था। हरियाणा प्रदे ा को चार मैडिकल कालेज की जरुरत थी। उस समय केवल एक ही मैडिकल कालेज रोहतक में था। चौधरी देवी लाल जी ने हिम्मत करके 99 प्रति ात ग्रान्ट अग्रोहा मैडिकल कालेज को दी थी। स्पीकर सर, मैचिंग ग्रान्ट स्कीम में 50 प्रति ात ग्रान्ट पब्लिक की तरफ से आती है और 50 प्रति ात ग्रान्ट सरकार देती है। इस ग्रंट से उस कालेज के लिए इक्विपमैंट आदि खरीदे जाते है। लेकिन चौधरी भजन लाल जी एक्विमैंट खरीदने वाली उस ग्रंट को बंद कर गए। उसके बाद कंस्ट्रक ान के लिए जो ग्रांट दी जाती थी उसको चौधरी बंसी लाल जी ने खत्म कर दिया। अब चौधरी भजन लाल जी को वे श्री मांगे राम गुप्ता जी को तो इसके लिए एप्रीि ाएट करना चाहिये था क्योंकि श्री मांगे राम गुप्ता जीतो अग्रवाल कम्यूनिटी से है। श्री औमप्रका ा जिंदल जी भी अग्रवाल कम्यूनिटी से है। इसलिए उनको भी एप्रीि ाएट करना चाहिए। चौध्ररी भजन लाल जी की सरकार मे श्री मांगे राम गुप्ता जी भाामिल थे और दूसरी सरकार मे श्री औमप्रका ा जिंदल पार्टी के

सदस्य थे। अब दोनो ही माननीय सदस्य वाक आउट कर गए। इसके बाद श्री मांगे राम गुप्ता जी ने सात करोड रुपये देने की बात रखी। चेयरमैन सर, जब डिमाण्ड आती है तभी एल0 ओ0 सी0 रिली कर दी। इसके बाद उनकी डिमाण्ड आई 50 लाख रुपये निर्माण कार्यो के लिए चाहिए क्योंकि उन्होने इसकाम के लिए टैण्डर इंवाइट किए हुए है। वे 50 लाख रुपये भी रिलीज कर दिए। मैने पहले भ कहा था कि यह सरकार इस बारे में बिल्कुल कटिबद्ध है। पिछली बार बजट में अग्रोहा मैडिकल कालेज के लिए 2 करोड रुपये का प्रावधान था और इस साल 5 करोड रुपये का प्रावधान किया गया हैं। मैडिकल कालेज को रिकोग्नाइज करने के लिए जितना पैसा चाहिए था उसके लिए चौधरी देवी लाल जी ने जो एग्रीमैंट किया था उस एग्रीमैंट की कंडी ांज के आधार पर उसएग्रीमैंट की एक एक लाइन को, एक एक भाब्द को पूरा करने के लिए यह सरकार तैयार है, कटिबद्ध है और यह सरकार उसको पूरा करेगी। इसी तरहीके से सेलज टैक्स के बारे मे औम प्रका ा जिंदन जी और मांगे राम जी ने कहा कि उन्होने 2–3 आईटम जिन पर इन्होने सैल्ज टैक्स कम किए थे, बहुत ही छोटी आईटम थी। 1987 से 1991 मे जब देवी लाल जी मुख्यमंत्री थे और बाद मे श्री औम प्रका ा चौटाला जी मुख्यमंत्री बने थे, उस समय 65 आईटमो पर सैल्ज टैक्स या तो खत्म कर दिए गए थे या फिर कम कर दिये गए थे। उस समय यह कितना सराहनीय काम किया गया था। अब भी व्यापारियो के हित सरकार के हाथो मे सुरक्षित है। मुख्यमंत्री महोदये ने जो हाई पावर कमेटी बनाई उसमें कांग्रेस

पार्टी का जो नोमिनी था उसको व्यापारी वर्ग के अध्यक्ष के रुप में भाामिल किया गया। जबकि इस कमेटी मे जो व्यापारियो का प्रतिनिधि होता है वह इश्रिस्पैक्टिव आफ एनी पार्टी एफीलिए ान होता है। पिछली सरकारो के समय मे अपने विचारो के लोगो को अपने चहेतो को जो पिछलग्गू टाइप होता है। पिछली सरकारो के समय मे अपने विचारो के लोगो को, अपने चहेतो को जो पिछलग्गू टाइप के होते है उनको इस कमेटी मे भाामिल कर लिया जाता था। ऐसा काय्र करके मुख्यमंत्री श्री औम प्रका ा चौटाला जी ने कितनी उदारदिली दिखाई है, इनको इस बात की प्र ांसा करनी चाहिए थी। उस कमेटी ने जो रिपोर्ट दी है उसके तहत 50 लाख तक के सैल्फ असैसीज़, 80 प्रति ात सेल्ज टैक्स असैसीज, 80 प्रति ात व्यापारी कवर हो जाते है। अब उनको दफतरो के चक्कर नही काटने पडेंगे। इसी वजह से ही व्यापारियो ने भी श्री औम प्रका ा चौटाला जी को मेन्डेट किया हैं सभापति महोदय, जैसे कि मै पहले भी कह चुका हूं कि हमने कई आइटम्ज पर मार्किट फिस 2 प्रति ात से घटाकर एक परसैंट की है। इन सब बातो के लिए इन लोगो को एप्रीि ाएट करना चाहिए। कर विवाद स्कीम के बारे मे भी हम सोच रहे है तथा और भी कई स्कीमे हम लागू करने जा रहे है। पिछली सरकार के समय डी0 इ0 टी0 सी0 के दफतरो मे टैक्स पेयी व्यापारियो के लिएबैठने के लिए प्रबंध नही होता था। हमारी सरकार ने अब उन व्यापारियो के लिए बैठने के लिए सैपरेट अरैनजमैंट करवा दिया है, पीने के लि पानी का भी इंतजाम करवा दिया है। पुरानी सरकारो मे उनको चोर के रुप

में आंका जाता था और आज की सरकार उनको टैक्स पेयी के रुप में आंक रही है, उनको एक कंट्रीब्यूटर के रुप में आंक रही है। यही कारण है कि लोगो ने श्री औम प्रका ा चौटाला जी को मुख्यमंत्री बनाकर इज्जत दी है। सभापति महोदय, किसानो की बात करते हुए यहां कहा गया है कि बजट मे इतने परसैंट एग्रीकलचर के मामले मे जगलरी की गई है। मै इनको बताना चाहूंगा कि क्या पावर एग्रीकल्चर से संबंधित नही है, इरीगे ान एग्रीकल्चर से संबंधित नही है और दूसरी चीजें पैस्टीसाईड, इनसैक्टीसाइड, फर्टीलाईजर एग्रीकलचर से जुडी हुई नही है? हर चीज एग्रीकल्चर से जुडी हुई है। इन सब चीजो के बजट के बारे मे हमने जो प्रावधान किया है उस बारे मे तो ये लोग बात नही करते है। सभापति महोदय, हमारी सरकार ने युनीफोर्म सेल्ज टैक्स लागू करते समय भी किसानो के हितो पर निगार रखी है। युनीफार्म सेल्ज टैक्स पेालिसी लागू होने के बावजूद भी हमने फर्टीलाईजर, पेस्टीसाई, इंसेक्टीसाईड को इसमे भाामिल नही किया है। क्योंकि इन तीनो चीजो का किसान ने डायरैक्ट संबंध है। इससे सरकार को 75 करेाड रुपयेका नुकसान होगा परंतु हमारी सरकार को किसानो के हित प्यारे है न कि 75 करोड रुपये। इसी तरह से मांगे राम जी जाते जाते कह गए कि रुरल डिवैल्पमैंट फण्ड के लिए बजट में 35.10 करोड रुपये रखे गए है, मै इनको बताना चाहूंगा कि पिछली बार 31 मार्च तक रुरल डिवैल्पमैंट फण्ड के लिए 120 करोड रुपये का एस्टीमेट रखा गया था परंतु इस साल कई चीजो पर मार्किट फीस जमा करने के कारण यह

एस्टीमेट 110 करोड रुपये का आ रहा है। यह रुरल डिवैल्पमैंट फण्ड विकास के कार्या पर ही खर्च होगा। आज यह सरकार हरियाणा प्रदे ा के हर गांव की सडको को ठीक करवा रही है। सडको के गढढे भरवाने का काम यह सरकार पूरा करवा चुकी है। 30 मई तक सारे हरियाणा प्रदे ा की टोटल सडको की मुरम्मत करवा दी जाएगी। इससे बढिया काम हमारी सरकार और क्या करेगी। सभापति महोदय, मांगे राम जी कह गये कि हमने प ाु–पालन और मछली पालने के लिए बजट मे पैसा नही रखा। इस बारे मे मै कहना चाहूंगा कि वे बजट ठीक तरह से पढते तो है नही औरऐसे हीकुछ ही कह देते है। सभापति महोदय, बजट के पेज–17 पर कृशि, प ाुपालन, बागवानी, मझली पालन, डेरी विकास तथा हरियाणा कृशि वि वविद्यालय हेतू वर्श 2000–2001के लिए 308.03 करोड रुपये का प्रावधान किया गया है और मांगे राम जी ने कहा कि इसके लिए हमने कोई पैसा नही रखा। इसी तरह से चेयरमैन सर, मांगे राम जी ने कहा कि हमने पुलिस के वैलफैयर के लिए बजट मे कोई पैसा नही रखा। मुझे तो यह कहते हुए भार्म आती है कि वे पांच साल तक वित्त मंत्री कैसे रहे। वे बिना पढे लिखे कुछ भी कह गये। चेयरमैन सर, पुलिस का जो मेजर हैड है उसमे 2055 करोड रुपये है। नोन प्लान मे पहले 363.94 करोड रुपये जमा रखा गया था और वर्श 2000–2001 के लिए 396.73 करोड रुपये रखा गया है चेयरमैन साहब, इसी तरह से प्लान के लिए पिछले साल जो 6 करोड रुपये रखा गया था उसकी जगह 8 करोड रुपये इस साल के प्लान बजट मे रखे है।

चेयरमैन सर, इसी तरह से मांगे राम जी ने कहा कि हार्टिकल्चर के लिए जो 12.50 करोड रुपये रखा है वह कहां से आयेगा। इस बारे में भी बजट मे चर्चा नही की गई। इस बारे मे बताना चाहूंगा कि यह एक आन गोइंग प्रोसैस है और फरवरी 2000 तक इसमे 6 करोड रुपये खर्च किए जा चुके है और 5.91 करोड रुपये हार्टिकलचर के लिए और प्रोवाईड किये जायेंगे। इस तरह से ये 12.50 करोड रुपये के करीब बनते है इस तरह से यह पैसा अपने आप मीट–आउट हो जायेगा। चेयरमैन सर, चौधरी बंसी लाल जी ने एक सुझाव भी दिया था और भांका भी जाहिर की थी कि जो हिसार घग्गर ड्रेन का प्रोजैक्ट है, क्योंकि वह और स्टेटस से संबंधित है इसलिए उसके बारे मे साथ लगती स्टेटस आब्जैक ान उठायेगी। इस बारे में मै उनको बताना चाहूंगा कि राजस्थान सरकार तो ाहे सकता है कि आब्जैक ान करे लेकिन पंजाब और हिमाचल आब्जैक ान नही करेंगे। चेयरमैन सर, मै बंसी लाल जी को बताना चाहूंगा कि इस प्रोजैक्ट के लिए एक कमेटी बनी हुई है और सी0 डबल्यू0 सी0 (फल्ड) का मैंबर उस कमेटी का चेयरमैन है। उन्होने इस ड्रेन के लिएउ बकायदा क्लियरैंस दे दी है। क्लियरैंस के बाद ही यह प्रोजैक्ट भाुरु किया गया है। स्पीकर सर, डा0 कादियान जी ने भी कहा था कि इरीगे ान के उपर, पावर के उपर, ट्रांसपोर्ट के उपर के इन्फास्ट्रकचर के लिए जो 64.5% रुपये रखे है, उसके बारे मे यह नही बताया गया कि यह पैसे कहां से आयेगा और कैसे इसको यूज किया जायेगा। इस बारे में मै बताना चाहूंगा कि यह 64.5: पैसा आउट आफ प्लान इन्फास्ट्रकचर पर

खर्च किया जाएगा। यह बजट मे भी लिखा हुआ है। ये लोग बजट के बारे मे किताब तो पढते नही है और कुछ भी कह देते है। सभापति महोदय, यह 64.5% पैसा पप्लान हैड में 2530 करोड रुपये रखा गया है उस पैसे मे से ही इन्फ्रास्ट्रकचर पर खर्च होगा। इसी तरह से जिंदल साहब को अपनी इंडस्ट्री की तकलीफ थी। उन्होने कहा कि सेल टैक्स ट्रिब्यूनल के मैम्बर जुडि ायल हो, फलाना हो, परमानैंट हो, रैगुलर हो, ये तकलीफ है, वो तकलीफ है। इस तरह की बातो का इन्होने यहां जिक्र किया हे जबकि कोर्ट मे विचाराधीन केस के बारे में जिक्र सदन मे नही किया जा सकता। हिसार मे मै0 जिंदल स्ट्रिप्स लि0 के नाम से इनकी कम्पनी है। इस कम्पनी द्वारा ओनरेबल पंजाब एण्ड हरियाणा हाई कोर्ट मे केस डाला हुआ है। Now, the matter is pending with the Hon'ble High Court जबकि यहां ये सुझाव दे रहे है कि ऐसा होना चाहिए, वैसा होना चाहिए। इस तरह की बातो का इनको इस सदन में जिक्र नही करना चाहिए था। क्या ये अपनी कम्पनी का इन्ट्रस्ट वॉच करने के लिये विधान सभा मे आये हैया लोगो को इंट्रस्ट वाच करने के लिए आये है। थोडा बहुतइस बात का ध्यान तो इनको रखना चाहिए। (इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से जिंदल साहब ने गजट नोटिफिके ान के बारे मे कहा कि इनको गजट नोटिफिके ान होने का कोई पता नही चलता है। मांगे राम गुप्ता जी ने भी इस तरह की बात की थी। किसी ने जिंदल साहब को कुछ टाईप करके दे दिया जिसको वे यहां पढ रहे थे। इनको पता कुछ है

नही, बोलना कुछ आता नही है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक गजट नोटिफिके ान का सवाल है, इससे जो रिलेवैंट इन्फर्मे ान है वह बिल्कुल प्रोम्पटली बकायदा प्रैस के थ्रू दी जाती है और अब तो आप इस बात को भी एप्रीि ाएट करैंगे कि इसको भी डिपार्टमैंट ने इन्टरनेट वैब साइट मे फीड कर दी है। अब जिंदल साहब जब मर्जी जो इन्फर्मे ान लेना चाहे वह इन्टरनेट वेब साईट पर ले सकते है। आज कल तो बडे बडे व्यापारियो ने बकायदा इंटरनेट लगा रखे है। इससे फालतू और क्या सुविधा सरकार दे सकती है। आज अगर कोई गजट नोटिफिके ान आती है तो उसी टाइम इन्टरनेट वेब साइट मेफीड कर दी जाती है।जब मर्जी कम्प्यूटर को खोलकर पता कर लें। इससे बडी सुविधा हरियाणा सरकार और क्या दे सकती है। इन्होने तो आलोचना के लि भाी आलोचना करनी है। अध्यक्ष महोदय, राई की मझउी के बारे में माननीय सदस्य चौ0 सूरजमल ने जिक्र किया था। पहले भी कई सदस्यो ने गवर्नर एड्रेस के टाइम इस मण्डी के बारे मे जिक किया था। यह परियोजना भी हम बकायदा सिरे चढाना चाहते है। लेकिन दिल्ली की सरकार ने भी एक प्लान के तहत राश्ट्रीय राजमार्ग नं0 1 पर खानपुर कलां मे इसी तरह की मण्डी बनाने की एक परियोजना बनाई है। अगर वे भी इस योजना को बना लेते है तो हमारी इस योजना पर चाहे कितना भी पैसा क्यों न खर्च कर लें वह कामयाब नही हो सकती। इसलिए हमने दिल्ली सरकार के साथ मैटर टेक अप किया है। मुख्यमंत्री जी ने दिल्ली सरकार और केन्द्र सरकार के साथ बात की है कि हमारे यहां आलरेडी यह परियोजना है

और आप अपनी इस परियोजना को रहने दे और हमे अपनी परियोजना को कान्टीन्यू करने दे। ताकि इस प्रोजैक्ट पर हमारी जो ग्रोथ बाकी है उसको हम पूरा करें। हमने इस मैटर को सीरियसली टेक–अप किया हे जबमिक आज तक किसी भी सरकार ने इस मामले को टेक–अप नही किया। केवल उस पर ये लोग झड झंकार करते रहे। इन लोगो को तो इस बात के लिए सरकार की सराहना करनी चाहिए और इस काम मे मदद करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय जी, विपक्ष के सदस्य कहते है कि फलड कन्ट्रोल मे केवल 20 करोड रुपया रखा है। मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि 20 करोड रुपया कैसे रखा है। डब्ल्यू0 आर0 सी0 पी0 मे फलड कंट्रोल का पैसा है, रुरल इंफरास्टरकचर डिवैलपमैंट फण्ड में फलड का पैसा है और नाबार्ड मे भी फलड कंट्रोल का पैसा है। यह 20 करोड रुपया तो प्लान आउट ले मे स्टेट की तरफ से खर्च होना है इसके अलावा फलड कन्ट्रोल का काम दूसरी ड्रेनो वगैरा को बनाकर किया जाएगा। जिन ड्रेनो के प्रोजैक्ट चल रहे है उन प्रोजैक्टो को भी पूरा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, अब बिलो–पोवैरटी लाइन की बात आती है। अध्यक्ष महोदय, आप भी चुनावो के दौरान गावो मे गए, हम भी गये। मुख्यमंत्री जी ने चुनाव से पहले सभी गावो मे सरकार आपके द्वार कार्यकम के तहत ओपन दरबार लगाए थे और उस समय मुख्यमंत्री जी को लोगो की ि ाकायतें मिलती थी कि फलाना बिलो पोवरटी लाठन मे है, मेरा कार्ड नही मिला है। हालांकि 1998 मे बी0 पी0 एज0 का सर्वे हो चुका था जिसकी सूची मे पांच लाख 64 हजार

नाम बऐ थे फिर भी सी0 एम0 साहब ने 29—11—99 को आदे ा जारी किए कि जो गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले व्यक्ति रह गये है जिनका नाम सर्वे के दौरान उस सूची मे नही जोडा गया है उनके नाम जोडने के लिए भी कार्यवाही की जाए। सी0 एम0 साहब के आदे ाो के मुताबिक सर्कुलर जारी हो चुका है और जो आवेदन आए है उन पर कार्यवाही चल रही है। इसके अलावा नये आवेदन भी विभाग को दिया जा सकते है उन पर बकायदा कार्यवाही की जाएगी और सर्वे पूरा किया जाएगा। इससे बडा सराहनीय काम और क्या हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल तीन चार बार इस प्रदे ा के मुख्यमंत्री रह चुके है और विपक्ष मे तो इनको बैइने का थोडा ही समय मिला है। इन्होने कहा कि पावर सैक्टर मे 800 करोड रुपये की एग्रीकलचर के लिए सबसिडी रखी थी। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि वह अमाउंट 800 करोड रुपये नही बल्कि 846. 40 करोड था जिसमे से 1998—99 की कै ा सबसिडी केवल 364 करोड रुपये की थी ओर 482.50 करोड रुपये तो लोन की एडजस्टमैंट थी। इस तरह इनकी फिगर्ज मिक्स हो रही थी। अध्यक्ष महोदय, जैसा गलत ब्यानी मांगे राम जी कर रहे थे उसी तरह से हुडडा साहब भी गलत ब्यानी कर रहे थे कि अब याहं बैठे नही हैं वे अपने आपको राश्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का हरियाणा का अध्यक्ष मानते हैं वे पार्लियामैंट के मैम्बर भी रह चुके है और अपने आपको सीनियर आदमी कहते है। हुडडा साहब ने अपने भाशण मे कहा कि महाराश्ट्र मे गन्ने के दाम 76/— रुपये प्रति क्विंटल दिये

है जबकि हरियाणा सरकार ने 110/ प्रति क्विंटल गन्ने के दाम दिये है। जहां तक रिकवारी का सवाल है तो हमारी सरकार की रिकवारी ओन एन एवरेज 9% है। कभी कभी किसी एक आधी मिल की रिकवरी 10:तक आ जाती है जबकि महाराश्ट्र की रिकवारी 12% से 14% रहती है। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर गन्ने की फसल तकरीबन 10 महीने मे तैयार हो जाती है जबकि महाराश्ट्र मे एक साल मे बहुत अधिक आती है। इसके बावजूद महाराश्ट्र मे तो गन्ने के दाम 76 रुपये प्रति क्विंटल है जबकि हमारे यहा पर 110 रुपये प्रति क्विंटल है। गवर्नर एड्रेस पर बोलते हुए हुडडा साहब ने गन्ने की प्राइस के बारे मे बहुत गलत ब्यानी की है। अध्यक्ष महोदय, जैसे उन्होने यहां पर गलत ब्यानी की है उस हिसाब से तो उनके खिलाफ प्रिवलिज मो ान आ जाना चाहिए था। सदन के दूसरे सदस्यो ने जो सुझाव दिये है वे नोट कर लिए गए है। विपक्ष के सदस्यो ने रचनात्मक तरीके से बजट पर विचार प्रकट न करके आलोचनात्मक तरीके से अपने विचार प्रकट किए है। अन्त मे स्पीकर साहब मै आपसे अनुरोध करता हूं कि जो बजट हमारी सरकार ने हरियाणा प्रदे ा के चहुमुखी विकास के लिए प्रस्तुत किया है उसे युनानीमसली पास किया जाये। धन्यवाद।

उपाध्यक्ष का चुनाव

Mr. Speaker: Now, election of Deputy Speaker will be conducted. I call upon the Hon'ble Chief Minister to propose the name for the election of the Depurty Speaker.

मुख्य मंत्री (श्री औम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, पुरानी ट्रेडी ान को बरकरार रखते हुए स्पीकर सत्ता पक्ष से चुना गया है। विपक्ष की तरफ से यह मांग उठती रही है कि डिप्टी स्पीकर विपक्ष की तरफ से चुना जाना चाहिए। चूंकि स्पीकर सत्ता पक्ष का होता है, उस पद पर आप चुने जा चुके है और आपने अपनी पार्टी से वे उसकी प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। इस बात के लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, डिप्टी स्पीकर विपक्ष का हो यह मांग हमारे विपक्ष की तरफ से उठी है। अब हाउस मे जो मुख्य विपक्षी पार्टी है वह तो इस समय सदन मे उपस्थित नही है। इस समय विपक्ष के रुप में सबसे ज्यादा आजाद उम्मीदवार सदन मे उपस्थित है। जो आजाद उम्मीदवार चुन कर आए है उनकी संख्या विपक्ष के दूसरे नम्बर पर आती है। आजाद उम्मीदवारो की गिनती को मध्यनजर रखते हुए मेरे विचार से उनमे से एक सदस्य को डिप्टी स्पीकर के पद के लिए चुनना चाहिए। श्री गोपी चन्द गहलोत जी जो गुडगांव से जीत कर हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए है वे काबिल उम्मीदवार है। स्पीकर साहब, मै प्रस्ताव करता हू–

कि हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री गोपी चन्द गहलोत जो कि सदन मे उपस्थित है, को सभा के उपाध्यक्ष के रुप मे निर्वाचित किया जाये।

श्री कृश्ण पालः अध्यक्ष महोदय, श्री औम प्रका ा चौटाला जी ने श्री गोपी चन्द गहलोत जी के नाम को उपाध्यक्ष के नाम के लिए प्रस्तावित किया है मै उसका समर्थन करता हूं।

Mr. Speaker: Motion moved-

That Shri Gopi Chand Gahlot, a member of the Haryana Legislative Assembly, who is present in the House, be elected as Depurty Speaker of the Assembly.

Is there any other proposal please?

Voices: No.

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय हमारे लिए यह बडी खु ाी की बात है कि सदन के नेता ने श्री गोपी चन्द गहलोत जी को जो आजाद उम्मीदवार चुन कर सदन मे आये है, सदन के उपाध्यक्ष के लिए उनके नाम का प्रस्वातित किया है। चौधरी गहलोत जी बहुत ही जुझारु और कर्मठ नेता है। मै इनके नाम का उपाध्यक्ष पद के लिए समर्थन करता हूं। हमें उम्मीद है कि ये हम सभी को साथ लेकर चलेंगे। इसलिए मै पुनः सदन के नेता का धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हू।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने गोपी चन्द जी के नाम का जो उपाध्यक्ष पद के लिए प्रस्तावित रखा है मै उसका समर्थन करता हू। और इनके नाम का अनुमोदन करता हू। अध्यक्ष महोदय, ये एक बहुत ही जुझारु और कर्मठ नेता है। मुझे उम्मीद है कि ये सभी सदस्यो को साथ लेकर चलेंगे। अतः मै

इनके उपाध्यक्ष चुने जाने पर इन्हे बधाई देते हुए अपना स्थान लेता हू। धन्यवाद।

श्री राम भगतः अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता आजाद उम्मीदवारो का जो मान–सम्मान बढाया है उसके लिए मै सदन के नेता का धन्यवाद करता हू। और श्री गोपी चन्द जी के उपाध्यक्ष चुने जाने के नाम का अनुमोदन करते हुए और इन्हे धन्यवाद देते हुए अपना स्थान लेता हू।

Mr. Speaker: Since there is only one proposal before the House that Shri Gopi Chand Gahlot be elected as Deputy Speaker. I declare him duly elected as Deputy Speaker of the Assembly Unanimously. (Thumping) I request him to take the seat of the Deputy Speaker.

(As this stage, Shri Gopi Chand Gahlot Excorted by the Chief Minister and Shri Krishan Pal, a member of the Bharatiya Janata Party and many other independent Members, occupied the seat of the Deputy Speaker) (Thumping)

17:00 बजे

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै श्री गोपी चन्द गहलोत की को सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष के पद पर चयन करने के लिए इस महान सदन के सभी सदस्यो का आभार व्यकत करता हूं कि उन्होने अब तक की उन सारी परम्पराओ को बरकरार रखा। श्री गोपी चन्द गहलोत जी एक कर्मठ कार्यकर्ता रहे है और एक वकील के रुप मे बहुत लम्बे समय तक उन्होने लोगो की सेवा

की है। कानून का ज्ञाता होने की वजह से छोटे मोटे विवादो और बखेडो को सुलझाने मे भी उनको कठिनाई का सामान नही करना पडेगा। वैसे भी ग्रासरुट्स से आया हुआ व्यक्ति आम नागरिक की समस्याओ और दिक्कतो को सुलझाने मे बहुत ही चतुर होता हैं। अध्यक्ष महोदय, मुझे पूर्ण यकीन, वि वास ओर भरोसा है कि आपकी तरह ही श्री गोपी चन्द जी भी इस पद की गरिमा को बरकरार रखेगे तथा सारे हाउस को वि वास मे लेकर सदन के हर सदस्य को अपनी तरफ से पूरा मान तथा सम्मान प्रदान करेंगे। अध्यक्ष महोदय, हाउस के नेता के तौर पर और सभी सदन के सम्मानित सदस्यो की तरफ से मै उपाध्यक्ष महोदय को यह वि वास दिलवाउंगा कि हमारी तरफ से आपको भरपूर सहयोग और समर्थन मिलेगा।

श्री अध्यक्षः माननीय श्री गोपी चन्द गहलोत जीख आज आप युनानीमसली हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष पद पर निर्विवाद चुने गए है उसके लिए इस महान सदन को बडी खु ी महसूस हुई है तथा सारे हरियाणा प्रदे ा को भी इससे बडी खु ी महसूस होगी क्योंकि एक सुयोग्य, पढा–लिखा, कानून का ज्ञाता और बडे नर्म तबीयत के इंसान को हरियाणा विधान सभा मे डिप्टी स्पीकर के पद पर निर्विवाद चुना गया है। भगवान श्री गोपी चन्द गहलोत जी को ऐसी ताकत दे कि वे अपने इस गरिमामई पद को ग्रहण कर इसे गरिमामयी ढंग से चलाये तथा राज्य तथा अपने लोगो को विकास और भलाई के रास्ते पर चलाएं। भगवान

हर मामले मे उनकी मदद करे ऐसी मेरी प्रार्थना है। आप सब का बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री उपाध्यक्षः इस महान सदन के माननीय अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा माननीय मुख्य मंत्री जी और दूसरे सदन के सभी साथियो का आभारी हूं जिन्होने मुझे इस पद के लिए चुना। मै अपनी ओर से आप सबको वि वास तथा आ वासन दिलाना चाहता हूं कि इस पद की गरिमा को मै पूर्ण रुप से कायम रखुगा तथा अध्यक्ष महोदय की अनुपस्थिती मे सदन की कार्यवाही को आप सब के सहयोग से रुलज और पार्लियामैंटरी कन्वैं ानज के मुताबिक चलाने की कोि ा ा करुंगा। इसके साथ ही मै आप सबसे खासकर लीडर आफ दी ओपोजी ान जो की मेरे साथ बैठते है से भी सहयोग की आ ाा करता हू। मुझे पूर्ण वि वास है कि आप सभी मुझे अपना पूरा सहयोग देंगे ऐसी उम्मीद और अपेक्षा आप सब से करता हूं। एक बार पुनः आप सब को धन्यवाद करते हुए आभार प्रकट करता हूं वि ोश तौर पर हाउस के नेता का आभार प्रकट करता हू। मै हर किमत पर सदन की गरिमा को कायम रखुंगा। वि ोशकर नवआगंतुक साथियो के हितो की रक्षा करने की कोि ा ा करुंगा।

वर्श 2000–2001 के बजट पर अनुदानो की मांग पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now discussion and voting on the Deamnds for Grans on Budget for the year

2000-2001 will take place. aS per the past practive and to save the time of the House, the demands on order paper (Nos. 1 to 25) will be deemed to have been read nad moved. Hon'ble Member can discuss any demand but they are requested to indicate the demand number on which they wish to raise discussion.

That a sum not exceeding *Rs. 6975000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 1- Vidhan Sabha*.

That a sum not exceeding *Rs. 1087397000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 2- General Administration*.

That a sum not exceeding *Rs. 4562442000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 3- Home*.

That a sum not exceeding *Rs. 755766000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 4- Revenue*.

That a sum not exceeding *Rs. 399500000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year

2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 5- Excise & Taxation*.

That a sum not exceeding *Rs. 7977525000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 6- Finance*.

That a sum not exceeding *Rs. 2880169000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 7- Other Administrative Services*.

That a sum not exceeding *Rs. 3899113000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 8- Building and Roads*.

That a sum not exceeding *Rs. 13069733000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 9- Education*.

That a sum not exceeding *Rs. 5983554000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 10- Medical and Public Health*.

That a sum not exceeding *Rs. 328144000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 11- Urban Development*.

That a sum not exceeding *Rs. 575468000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 12- Labour and Employment*.

That a sum not exceeding *Rs. 4633144000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 13- Social Welfare and Rehabilitation*.

That a sum not exceeding *Rs. 218074000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 14- Food and Supplies*.

That a sum not exceeding *Rs. 9143500000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 15- Irrigation*.

That a sum not exceeding *Rs. 336343000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year

2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 16- Industries*.

That a sum not exceeding *Rs. 2314854000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 17- Agriculture*.

That a sum not exceeding *Rs. 1037793000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 18- Animal Husbandry*.

That a sum not exceeding *Rs. 98392000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 19- Fisheries*.

That a sum not exceeding *Rs. 670765000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 20- Forest*.

That a sum not exceeding *Rs. 930221000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 21- Community Development*.

That a sum not exceeding *Rs. 243815000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray

charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 22- Co0Operation.*

That a sum not exceeding *Rs. 4704037000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 23- Transport.*

That a sum not exceeding *Rs. 16021000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 24- Tourism.*

That a sum not exceeding *Rs. 3792610000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 25- Loans and Advances by State Government.*

वित्त मंत्री (श्री सम्पत सिंह): अध्यक्ष महोदय, आज सुबह ही से बजट पर बहस चल रही है। बजट से ही ये डिमाण्डज राईज होती है। आलरेडी इन पर सब बोल चुके है। अगर हाउस सहमत हो तो इन सबको इकटठा ही पास कर लिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

Mr. Speaker: Now, the demands will be put to the vote of the House.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding *Rs. 6975000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 1- Vidhan Sabha*.

That a sum not exceeding *Rs. 1087397000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 2- General Administration*.

That a sum not exceeding *Rs. 4562442000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 3- Home*.

That a sum not exceeding *Rs. 755766000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 4- Revenue*.

That a sum not exceeding *Rs. 399500000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 5- Excise & Taxation*.

That a sum not exceeding *Rs. 7977525000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 6- Finance*.

That a sum not exceeding *Rs. 2880169000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 7- Other Administrative Services*.

That a sum not exceeding *Rs. 3899113000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 8- Building and Roads*.

That a sum not exceeding *Rs. 13069733000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 9- Education*.

That a sum not exceeding *Rs. 5983554000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 10- Medical and Public Health*.

That a sum not exceeding *Rs. 328144000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 11- Urban Development*.

That a sum not exceeding *Rs. 575468000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year

2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 12- Labour and Employment*.

That a sum not exceeding *Rs. 4633144000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 13- Social Welfare and Rehabilitation*.

That a sum not exceeding *Rs. 218074000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 14- Food and Supplies*.

That a sum not exceeding *Rs. 9143500000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 15- Irrigation*.

That a sum not exceeding *Rs. 336343000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 16- Industries*.

That a sum not exceeding *Rs. 2314854000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 17- Agriculture*.

That a sum not exceeding *Rs. 1037793000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 18- Animal Husbandry*.

That a sum not exceeding *Rs. 98392000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 19- Fisheries*.

That a sum not exceeding *Rs. 670765000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 20- Forest*.

That a sum not exceeding *Rs. 930221000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 21- Community Development*.

That a sum not exceeding *Rs. 243815000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 22- Co0Operation*.

That a sum not exceeding *Rs. 4704037000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 23- Transport*.

That a sum not exceeding *Rs. 16021000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 24- Tourism.*

That a sum not exceeding *Rs. 3792610000* for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2000-2001 in respect of charges under *Demand No. 25- Loans and Advances by State Government.*

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House stand adjourned till 9:30 A.M tomorrow the 16th March, 2000.

(The Sabha then adjourned till 9:30 A.M. on Thursday the 16th March, 2000).